नई दिल्ली । सोमवार, 22 जून, 2026
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष अष्टमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :167/ मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
नई दिल्ली संस्करण
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल भारत ने रचा इतिहास! न्यूजीलैंड को 2-0 से...
@ विचार पानी की लड़ाई में क्यों घुला जातिवाद?...
@ व्यापार शीर्ष 10 भारतीय कंपनियों में से नौ का मार्केटकैप...

अमेरिका-ईरान वार्ता पर दुनिया की नजर

जिनेवा में अहम बातचीत, मध्य-पूर्व में शांति और तेल बाजार पर टिकी उम्मीदें

एजेंसी ■ तेहरान

एक तरफ स्विट्जरलैंड में अमेरिका और ईरान के बीच अगले चरण की समझौता बातचीत चल रही है तो दूसरी ओर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकियां बंद होने का नाम नहीं ले रही हैं।

रविवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ईरान के खिलाफ हमले की चेतावनी जारी की। ट्रंप ने ईरान पर लेबनान के हमलावर समूहों को फंडिंग करने का आरोप लगाते हुए उन पर रोक लगाने को कहा। और धमकी दी कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो अमेरिका हमला करेगा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट किया, ' 'ईरान को तुरंत लेबनान में अपने उन समूहों को रोकना चाहिए, जिन्हें वह पैसे देकर समर्थन देता है। वे परेशानी पैदा कर रहे हैं। अगर ईरान ने ऐसा नहीं किया, तो हम ईरान पर फिर से बहुत कड़ा हमला करेंगे, जैसा हमने पिछले हफ्ते किया था, लेकिन इस बार उससे भी ज्यादा जोरदार तरीके से। अमेरिका और ईरान के बीच अगले चरण की बातचीत रविवार शाम को होनी है। अमेरिका के साथ बातचीत के लिए ईरान का एक प्रतिनिधिमंडल शनिवार देर रात स्विट्जरलैंड पहुंचा है। इसके बाद अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भी बातचीत के लिए रविवार को स्विट्जरलैंड पहुंचे। इस वार्ता में मध्यस्थ के तौर पर शामिल होने पकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के साथ पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल भी स्विट्जरलैंड पहुंच चुका है।

NEET री-एग्जाम के दौरान संवेदनशील गिर्णय

NEET छात्रों के लिए रुके PM, दिल्ली एयरपोर्ट पर 45 मिनट इंतजार

परीक्षा शुरू होने के बाद ही काफिला हुआ रवाना

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नीट-यूजी 2026 री-एग्जाम में शामिल होने वाले छात्रों को किसी तरह की असुविधा न हो, इसके लिए शनिवार को दिल्ली हवाई अड्डे पर कुछ समय तक इंतजार किया और परीक्षा शुरू होने के बाद ही अपने आधिकारिक आवास के लिए रवाना हुए।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के 12वें संस्करण के मुख्य कार्यक्रम का नेतृत्व करने के बाद कोलकाता से लौटे प्रधानमंत्री मोदी का विमान दोपहर करीब 1:15 बजे दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरा। उन्हें वहां से सीधे अपने सरकारी आवास जाना था।

हालांकि, नीट-यूजी 2026 की परीक्षा दोपहर 2 बजे शुरू होने वाली थी। ऐसे में प्रधानमंत्री ने निर्णय लिया कि वे हवाई अड्डे पर ही रुकेंगे, ताकि उनके काफिले की आवाजाही के कारण परीक्षा केंद्रों की ओर जा रहे छात्रों को यातायात संबंधी किसी परेशानी का सामना न करना पड़े।

प्रधानमंत्री का यह फैसला शहर में सुचारु यातायात व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से भी लिया गया। परीक्षा शुरू होने के बाद दोपहर 2 बजे के पश्चात ही वह अपने आवास के लिए रवाना हुए। इस बीच, कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच देश और विदेश में 20 लाख से अधिक अभ्यर्थी नीट-यूजी री-एग्जाम में शामिल हो रहे हैं।

इससे पहले, राष्ट्रीय स्तर की मेडिकल प्रवेश परीक्षा के लिए विभिन्न परीक्षा केंद्रों के बाहर मौजूद कुछ अभ्यर्थियों ने आईएएनएस से बातचीत में कहा था कि 3 मई को कथित पेपर लीक की घटना के बाद उनकी तैयारी और परीक्षा को लेकर मन में संशय बना हुआ है। वहीं, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार सुबह अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनसे बिना किसी डर और चिंता के परीक्षा में शामिल होने की अपील की। उन्होंने यह भी बताया कि सीबीएसई कक्षा 12वीं के अंकों के पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन करने वाले 15 लाख से अधिक छात्रों के परिणाम तैयार हैं और जल्द ही जारी किए जाएंगे। मीडिया से बातचीत में शिक्षा मंत्री ने कहा, 'आज पुनर्परीक्षा आयोजित की जा रही है। मुझे राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए), सभी राज्य सरकारों, जिला प्रशासन, भारत की शिक्षा व्यवस्था और विशेष रूप से छात्रों पर पूरा भरोसा है।' उन्होंने कहा, 'करीब 22 लाख छात्र जल्द ही नीट परीक्षा में शामिल होंगे। बिना किसी भय और चिंता के परीक्षा दें। आप निश्चित रूप से अच्छा प्रदर्शन करेंगे। सभी छात्रों को मेरी शुभकामनाएं। छात्रों का भारत की व्यवस्था पर विश्वास है और मुझे उम्मीद है कि यह भरोसा आगे भी कायम रहेगा।'

कांग्रेस प्रशिक्षण शिविर में नेताओं और पदाधिकारियों से बातचीत किए राहुल गांधी

विशेष संवाददाता ■ रायपुर

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी रविवार को एक दिवसीय दौरे पर छत्तीसगढ़ पहुंचे। इस दौरान उन्होंने अभनपुर में आयोजित कांग्रेस के 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में हिस्सा लिया और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, पूर्व मंत्रियों तथा संगठन पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण चर्चा की।

जानकारी के अनुसार, राहुल गांधी ने शिविर स्थल पर करीब 40 मिनट तक वरिष्ठ नेताओं और पूर्व मंत्रियों से मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने जिलाध्यक्षों और शहर कांग्रेस अध्यक्षों के साथ सीधा संवाद किया तथा संगठन को मजबूत करने और आगामी राजनीतिक रणनीति को लेकर मार्गदर्शन दिया।

पूर्व मंत्री गुरु रुद्रकुमार ने बताया कि राहुल गांधी से लगभग 70 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने भी मुलाकात की। इसमें पूर्व विधायक, पूर्व सांसद और पार्टी के विभिन्न पदाधिकारी शामिल थे। बैठक में प्रदेश की राजनीतिक परिस्थितियों और संगठनात्मक गतिविधियों पर चर्चा हुई। करीब चार घंटे तक चले कार्यक्रम के बाद राहुल गांधी रायपुर एयरपोर्ट के लिए रवाना हुए। इस दौरान एयरपोर्ट के समीप एक चाय की टपरी पर रुककर उन्होंने चाय पी। उनके साथ दीपक बैज, सचिन पायलट, भूपेश बघेल, टी.एस. सिंहदेव, और चरणदास महंत समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। राहुल गांधी ने यहां दीपक बैज को बिस्किट खिलाकर आत्मीयता भी दिखाई, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनीं।

उधर, अभनपुर में आयोजित प्रशिक्षण शिविर को लेकर कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला।

कार्यक्रम को गोपनीय रखा गया था, लेकिन प्रदेशभर से बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता पहुंच गए।

'टीम भारत' के सामूहिक प्रयास से संपन्न हुई नीट पुनर्परीक्षा: एनटीए

एजेंसी ■ नई दिल्ली

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने रविवार को कहा कि नीट (यूजी) 2026 की पुनर्परीक्षा केवल एक परीक्षा नहीं थी, बल्कि 'टीम भारत' के सामूहिक प्रयास का उदाहरण थी, जिसमें केंद्र और राज्य सरकारों, सुरक्षा एजेंसियों, विभिन्न मंत्रालयों, शैक्षणिक संस्थानों और लाखों अधिकारियों ने मिलकर 20 लाख से अधिक अभ्यर्थियों के लिए निष्पक्ष और सुचारू परीक्षा सुनिश्चित की।

एनटीए ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर एक विस्तृत पोस्ट में बताया कि 21 जून को देशभर के 5,440 परीक्षा केंद्रों और विदेशों के 14 केंद्रों पर 20 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने नीट (यूजी) 2026 की पुनर्परीक्षा दी। परीक्षा का आयोजन हिंदी और अंग्रेजी सहित 13 भाषाओं में किया गया।

एनटीए ने कहा कि यह केवल एजेंसी का प्रयास नहीं था, बल्कि 'टीम भारत' की ऐसी श्रृंखला थी, जिसमें देशभर के हजारों लोगों ने अपनी जिम्मेदारी निभाई ताकि परीक्षा के दिन प्रत्येक अभ्यर्थी का पूरा ध्यान केवल प्रश्नपत्र पर केंद्रित रहे। एजेंसी के अनुसार, 10,000 से अधिक दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गईं।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का प्रधानमंत्री पर निशाना

'मोदी भारत और ट्रंप दुनिया को कर रहे बर्बाद'

केंद्र सरकार पर महंगाई, बेरोजगारी और विदेश नीति को लेकर साधा निशाना

एजेंसी ■ नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर देश को 'बर्बाद' करने और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप पर दुनिया को 'बर्बाद' करने का आरोप लगाया है।

उन्होंने महंगाई और बेरोजगारी से लेकर NEET परीक्षा विवाद और अयोध्या में राम मंदिर से जुड़ी कथित वित्तीय अनियमितताओं जैसे मुद्दों पर बीजेपी पर तीखा हमला किया।

कर्नाटक में एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए खरगे ने दावा किया कि लोगों को हो रही परेशानियों के लिए मोदी और ट्रंप दोनों ही जिम्मेदार हैं।

मोदी भारत और ट्रंप दुनिया को कर रहे बर्बाद- खरगे

समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, खरगे ने दावा किया कि मोदी देश को बर्बाद कर रहे हैं और ट्रंप दुनिया के बर्बाद कर रहे हैं। दोनों खुद को अच्छा दोस्त कहते हैं।

> **आज देश का किसान परेशान हैं, युवा बेरोजगार हैं, महंगाई चरम पर है और सरकार केवल दिखावा कर रही हैं। मोदी भारत को बर्बाद कर रहे हैं और ट्रंप की नीतियां पूरी दुनिया के लिए खतरा बन गई हैं।**
>
> **– मल्लिकार्जुन खरगे**
> **कांग्रेस अध्यक्ष**

दोनों अच्छे दोस्त- आप देश को बदनाम कर रहे हैं, और लोग आप दोनों की वजह से भुगत रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने घूम-घूमकर लोगों को योग कराया

एजेंसी ■ कोलकाता

आज 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस है। इस दौरान योग के कई रंग देखने को मिले। जवानों ने पहाड़ों पर, बच्चों ने स्विमिंग पूल योग किया। बंगाल के जलदापाड़ा वाइल्डलाइफ वन विभाग कर्मचारियों ने हाथियों पर योग किया।

योग दिवस का मुख्य कार्यक्रम कोलकाता के रेड रोड में हुआ। पीएम मोदी ने हजारों लोगों के साथ योग किया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घूम-घूमकर योग सिखाते भी दिखे।

कोलकाता के योग कार्यक्रम में सबसे पहले चालन क्रिया अभ्यास किया गया। मोदी समेत हजारों लोग शामिल हुए। यह शरीर को वार्म-अप करता है। पीएम ने स्कंध चक्र अभ्यास किया। इसमें कंधों को गोलाकार घुमाया जाता है, जिससे कंधों और गर्दन की जकड़न कम होती है। पीएम ने कटिचालन अभ्यास किया, जो कमर और रीढ़ की लचक बढ़ाने में मददगार माना जाता है। पीएम मोदी घुटनाचालन अभ्यास करते हुए। यह घुटनों को मजबूत बनाने में मदद करता है।

योग सिखाते मोदी

कार्यक्रम के दौरान मोदी लोगों के बीच घूमे। उन्होंने गलत आसन कर रहे एक शख्स के सिर को सही पोजिशन में किया। कोलकाता में योग करते हुए पीएम मोदी ने भीड़ में मौजूद लोगों को शीतली प्राणायाम करना सिखाया।

संक्षिप्त खबरें

बस्ती हत्याकांड का खुलासा: जमीन और पैसों के लालच में भाई-भतीजे ने की हत्या

विश्व केसरी

बस्ती। यूपी की बस्ती पुलिस ने महज 48 घंटे के भीतर बाबूलाल चौधरी हत्याकांड का खुलासा कर लिया है। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की जांच में यह सामने आया है कि जमीन और पैसों के विवाद के चलते सगे भाई और भतीजे ने ही हत्या की साजिश रची थी। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर हत्या में प्रयुक्त ईंट और बाबूलाल चौधरी का मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया है। पुलिस लाइन सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में सर्किल ऑफिसर (सदर) सत्येंद्र भूषण तिवारी ने वाल्टरगंज थाना पुलिस, स्वाट टीम और सर्विलांस टीम की संयुक्त कार्रवाई के बारे में जानकारी दी। 19 जून को बाबूलाल चौधरी का शव संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद हुआ था। घटना के बाद बाबूलाल के भाई शिवकुमार चौधरी ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए कई टीमों का गठन कर जांच शुरू की थी। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल से मिले साक्ष्यों, सर्विलांस इनपुट और संदिग्धों की गतिविधियों का गहन विश्लेषण किया। इसी दौरान पुलिस को कई अहम सुराग मिले, जिसके बाद मामला पूरी तरह पलट गया और जांच की दिशा मृतक के परिजनों की ओर मुड़ गई। पुलिस के अनुसार, बाबूलाल चौधरी की कोई संतान या सीधा वारिस नहीं था। वह अपने हिस्से के लगभग पांच लाख रुपए मांग रहा था। इसके अलावा, पैतृक जमीन को लेकर भी परिवार के भीतर विवाद चल रहा था।

तिरुवल्लूर सीफूड यूनिट में अमोनिया लीक होने से छह की मौत, सीएम विजय ने दिए जांच के आदेश

विश्व केसरी

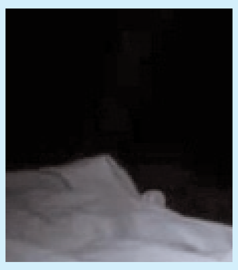

चेन्नई। तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले में पेरियापलायम के पास एक सीफूड एक्सपोर्ट प्रोसेसिंग यूनिट में रविवार को अमोनिया गैस लीक होने से कम से कम छह मजदूरों की मौत हो गई और कई अन्य अस्पताल में भर्ती हैं। तमिलनाडु सरकार ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं। पुलिस और ऑफिशियल सूत्रों के मुताबिक यह लीक सीफूड प्रोसेसिंग और एक्सपोर्ट फैसिलिटी में हुआ, जहां बड़ी संख्या में प्रवासी श्रमिक काम करते हैं। घटना के समय असम, ओडिशा और झारखंड की महिलाओं समेत करीब 120 वर्कर फैक्ट्री परिसर में मौजूद थे। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि संदिग्ध अमोनिया लीक यूनिट के रेफ्रिजरेशन या प्रोसेसिंग सिस्टम से शुरू हुआ और तेजी से फैसिलिटी के कुछ हिस्सों में फैल गया। गैस के संपर्क में आने वाले वर्करों को सांस लेने में बहुत दिक्कत, चक्कर आना और जलन होने लगी। कुछ के मुंह और नाक से खून बहने की खबर है जो इस बात का संकेत है कि यह गैस कितनी गंभीर थी। परिसर में दहशत फैल गई क्योंकि श्रमिक बचने के लिए बाहर भागे जबकि कुछ गैस के प्रभाव के चलते गिर पड़े। इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम, पुलिसकर्मी और स्थानीय अधिकारी मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया। प्रभावित वर्करों को शुरू में इमरजेंसी इलाज के लिए पास के प्राइवेट अस्पतालों में ले जाया गया। पुलिस सूत्रों ने पहले बताया था कि इलाज के दौरान एक वर्कर की मौत हो गई थी। हालांकि, जैसे-जैसे बचाव और मेडिकल मदद जारी रही, मरने वालों की संख्या कम से कम छह हो गई।

आरा एनकाउंटर मामले की न्यायिक जांच कराने का निर्णय स्वागत योग्य: बिहार पुलिस

विश्व केसरी

पटना। आरा एनकाउंटर मामले पर विवाद उत्पन्न होने के बाद सत्यता और सच्चाई सामने लाने के लिए बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश से न्यायिक जांच कराने का निर्णय स्वागत योग्य है। बिहार पुलिस एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष मृत्युंजय कुमार सिंह के अनुसार, देश के शीर्ष राष्ट्रीय समाचार चैनलों द्वारा दिल्ली से आरा मुद्दे पर डिबेट में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया। मैंने यह कहते हुए आमंत्रण अस्वीकार कर दिया कि अब मामला न्यायिक जांच के अधीन है, इसलिए इस पर कोई टिप्पणी करना उचित नहीं होगा। परंतु एक बात अवश्य कहना चाहूंगा कि जब भी पुलिस कोई सराहनीय कार्य करती है तो जिले के पुलिस अधीक्षक प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्वयं टीम लीडर के रूप में उसका श्रेय लेते हैं। थानाध्यक्ष, इंस्पेक्टर, दरोगा को साथ खड़ा करके और डीएसपी को बैठाकर हर जिले में एसपी दिखाई देते हैं। अच्छे कार्यों के लिए सरकार/पुलिस मुख्यालय द्वारा एसपी को सम्मानित किया जाता है। पुलिस की कई बड़ी उपलब्धियों में टीम लीडर के रूप में जिले के एसपी राष्ट्रपति वीरता पदक भी प्राप्त करते रहे हैं। यह सर्वविदित है कि अपराधियों के विरुद्ध जिले में कोई भी छापेमारी या रणनीतिक कार्रवाई पुलिस अधीक्षक की निगरानी, सूचना एवं निर्देशन में ही होती है। आरा का मामला तो दो दिनों से सुर्खियों में था, जिसकी मॉनिटरिंग निश्चित रूप से जिले के एसपी के संज्ञान और निर्देशन में हो रही होगी। घटना की पल-पल की जानकारी उपस्थित डीएसपी और थानाध्यक्ष द्वारा एसपी एवं वरीय अधिकारियों को दी जा रही होगी।

दिल्ली के मंत्री प्रवेश वर्मा ने एक ही दिन में 2,000 गड्ढों की मरम्मत करवाई

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दिल्ली लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री प्रवेश वर्मा ने रविवार को फील्ड स्टाफ और रखरखाव टीमों के नेतृत्व में शहर भर में एक ही दिन में 2,000 से अधिक गड्ढों की मरम्मत करवाई।

विभागीय रिकॉर्ड के अनुसार, 1 जनवरी से 4 जून, 2026 के बीच पीडब्ल्यूडी की सड़कों पर 14,757 गड्ढे चिह्नित किए गए थे, जिनमें से 12,762 गड्ढों की मरम्मत पहले ही की जा चुकी थी। प्रवेश वर्मा ने बताया कि मानसून से पहले शेष चिह्नित स्थानों की मरम्मत के लिए, पीडब्ल्यूडी ने रविवार को शहर भर में 2,000 से अधिक गड्ढों को भरने के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया।

मंत्री ने कहा कि पीडब्ल्यूडी गड्ढों और सड़क रखरखाव से संबंधित शिकायतों के समाधान के लिए पूरे वर्ष सतर्क रहता है। मानसून के आगमन के साथ, हमारा ध्यान यह सुनिश्चित करना है कि बारिश शुरू होने से पहले सड़कें सर्वोत्तम संभव स्थिति में हों। उन्होंने कहा कि आज का विशेष अभियान इसी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। दिल्ली भर में 2,000 से अधिक चिन्हित गड्ढों की मरम्मत की जा रही है ताकि बरसात के मौसम में यात्री सुरक्षित और आराम से यात्रा कर सकें।

इससे पहले, भारी बारिश शुरू होने से पहले, राजधानी भर में इंजीनियरों, फील्ड स्टाफ और रखरखाव टीमों को प्राथमिकता के आधार पर चिन्हित गड्ढों की मरम्मत के लिए तैनात किया गया था। प्रवेश वर्मा ने व्यक्तिगत रूप से कई स्थानों पर मरम्मत कार्यों का निरीक्षण किया और विशेष अभियान की प्रगति की समीक्षा की। रविवार होने के बावजूद, पीडब्ल्यूडी के अधिकारी निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूरा करने के लिए मौके पर मौजूद रहे।

उन्होंने कहा कि सड़क अवसंरचना में गुणवत्ता, जवाबदेही और दीर्घकालिक स्थायित्व की नींव पर निर्मित होनी चाहिए। आज जिन गड्ढों की मरम्मत की जा रही है, उनमें से कई उन सड़कों पर हैं जिनका निर्माण कई साल पहले हुआ था और जहां गुणवत्ता मानकों का पर्याप्त रूप से पालन नहीं किया गया था। मंत्री ने कहा कि हमने गुणवत्ता नियंत्रण उपायों को मजबूत किया है और जवाबदेही बढ़ाई है। सार्वजनिक वन विभाग द्वारा निर्मित नई सड़कों पर पांच साल की रखरखाव योजना लागू है, जिसके तहत ठेकेदार वारंटी अवधि के दौरान उत्पन्न होने वाली किसी भी खराबी को ठीक करने के लिए जिम्मेदार हैं।

भोजपुर एनकाउंटर मामले में सुप्रीम कोर्ट से स्वतः संज्ञान लेने की मांग

विश्व केसरी

नई दिल्ली। बिहार के भोजपुर जिले में भारत भूषण तिवारी की कथित पुलिस मुठभेड़ में मौत के मामले में सुप्रीम कोर्ट से स्वतः संज्ञान लेने की मांग की गई है। इस संबंध में शीर्ष अदालत के समक्ष एक प्रतिनिधित्व (रिप्रेजेंटेशन) दायर कर एफआईआर दर्ज करने, स्वतंत्र जांच कराने और पुलिस मुठभेड़ों से जुड़े सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने की अपील की गई है।

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत को संबोधित यह प्रतिनिधित्व अधिवक्ता नरेंद्र मिश्रा ने दायर किया है। इसमें 17 जून को भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के बिलौटी गांव में हुई मुठभेड़ की न्यायालय की निगरानी में जांच कराने की मांग की गई है। जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) या विशेष जांच दल (एसआईटी) से कराने का सुझाव दिया गया है। प्रतिनिधित्व में कहा गया है कि इस घटना ने कानून के शासन, संवैधानिक अधिकारों और पुलिस मुठभेड़ों को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों के पालन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

याचिका में दावा किया गया है कि मृतक के परिजनों और ग्रामीणों का आरोप है कि भारत भूषण तिवारी ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था और अपना हथियार भी फेंक दिया था। सोशल मीडिया पर वायरल कुछ वीडियो भी कथित रूप से आत्मसमर्पण की स्थिति की ओर संकेत करते हैं। परिवार का कहना है कि गोली चलाए जाने के समय तिवारी निहत्थे थे और यह वास्तविक मुठभेड़ नहीं बल्कि न्यायेतर हत्या (एक्स्ट्रा-ज्यूडिशियल किलिंग) थी। प्रतिनिधित्व में यह भी कहा गया है कि मृतक के खिलाफ किसी आपराधिक इतिहास या पूर्व एफआईआर की सार्वजनिक जानकारी उपलब्ध नहीं है। उन्हें एक स्नातक और सोशल मीडिया के माध्यम से बाढ़, कटाव तथा जनसमस्याओं को उठाने वाले व्यक्ति के रूप में जाना जाता था। याचिका के अनुसार, यदि तिवारी ने वास्तव में आत्मसमर्पण कर दिया था, तो उनके खिलाफ घातक बल का प्रयोग कानून सम्मत पुलिस कार्रवाई की सीमा से बाहर माना जा सकता है और यह भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103 के तहत अपराध की श्रेणी में आ सकता है। प्रतिनिधित्व में सुप्रीम कोर्ट के वर्ष 2014 के पीयूसीएल बनाम महाराष्ट्र राज्य फैसले का हवाला देते हुए कहा गया है कि किसी भी पुलिस मुठभेड़ में मौत होने पर एफआईआर दर्ज करना, स्वतंत्र जांच कराना, मजिस्ट्रेट जांच, सबूतों का संरक्षण और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) या राज्य मानवाधिकार आयोग को रिपोर्ट देना अनिवार्य है।

केरल में अंग तस्करी की परतें खोलने के लिए ईडी की बड़ी कार्रवाई

विश्व केसरी

कोच्चि। केरल में अवैध अंग तस्करी मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नौ स्थानों पर छापेमारी की। इस दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए गए और आरोपियों से जुड़े बैंक खातों को फ्रीज कर दिया गया।

ईडी के कोच्चि जोनल कार्यालय ने 18 जून को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत यह कार्रवाई की। जांच के दायरे में केरल में फैला बड़े पैमाने का अवैध अंग तस्करी नेटवर्क और एर्नाकुलम के अस्पतालों में हुए अवैध अंग प्रत्यारोपण शामिल हैं। ईडी ने बताया कि अवैध अंग व्यापार को बढ़ावा देने वाले एजेंटों और बिचौलियों के बैंक खातों को भी फ्रीज करने के आदेश जारी किए गए हैं। आरोपियों और उनसे जुड़ी संस्थाओं के बैंक खातों की जानकारी जुटाई गई है और अब यह जांच की जा रही है कि अवैध कमाई का पैसा कहां-कहां और कैसे इस्तेमाल किया गया।

यह जांच केरल पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू की गई थी। पुलिस जांच में एक संगठित आपराधिक गिरोह का खुलासा हुआ था, जो फर्जी दस्तावेज तैयार करने, धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश और अवैध अंग तस्करी में शामिल था। यह गिरोह परोपकारी अंगदान और मेडिकल टूरिज्म की आड़ में काम कर रहा था। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि मोहम्मद नजीब के और उनकी सहयोगी रशीदा ए.ए. ने अपनी कंपनी कल्लाथारस मेडिकल टूरिज्म प्राइवेट लिमिटेड के जरिए 2021 से 2026 के बीच इस रैकेट को संचालित किया। ईडी के अनुसार, एजेंटों और बिचौलियों के नेटवर्क के माध्यम से आर्थिक तंगी से जूझ रहे लोगों को निशाना बनाया जाता था। उन्हें अंग दान के बदले 5 लाख से 15 लाख रुपए तक का लालच दिया जाता था, जबकि अंग प्राप्त करने वालों से 20 लाख से 35 लाख रुपए या उससे अधिक राशि वसूली जाती थी।

तुषार मेहता को तीन साल के लिए फिर से सॉलिसिटर जनरल नियुक्त किया गया

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने तुषार मेहता को भारत के सॉलिसिटर जनरल के रूप में तीन साल के लिए फिर से नियुक्त करने की मंजूरी दे दी है। यह नियुक्ति 1 जुलाई, 2026 से प्रभावी होगी।

कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) द्वारा जारी एक आदेश के अनुसार, कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने देश के दूसरे सर्वोच्च विधि अधिकारी के रूप में मेहता के पद पर बने रहने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

आदेश में कहा गया कि कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने तुषार मेहता को भारत के सॉलिसिटर जनरल के रूप में तीन साल के लिए फिर से नियुक्त करने की मंजूरी दी है। यह नियुक्ति 1 जुलाई 2026 से प्रभावी होगी या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो। मेहता को पहले अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के रूप में सेवा देने के बाद अक्टूबर 2018 में सॉलिसिटर जनरल नियुक्त किया गया था।

केंद्र सरकार ने बाद में उन्हें 1 जुलाई, 2020 से प्रभावी तीन साल के कार्यकाल के लिए और फिर 2023 में पुनः नियुक्त किया। नवीनतम कार्यकाल विस्तार के साथ, मेहता सॉलिसिटर जनरल के रूप में लगभग आठ वर्ष पूरे कर चुके हैं और नए कार्यकाल के अंत तक इस पद पर 11 वर्ष पूरे करने वाले हैं, जिससे वे देश के इतिहास में सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले विधि अधिकारियों में से एक बन जाएंगे। सॉलिसिटर जनरल के रूप में, मेहता ने सर्वोच्च न्यायालय और विभिन्न उच्च न्यायालयों के समक्ष कई महत्वपूर्ण संवैधानिक, नीतिगत और आपराधिक मामलों में केंद्र सरकार का प्रतिनिधित्व किया है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर उत्तराखंड में उत्साह

जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने योग अपनाने का दिया संदेश

विश्व केसरी

देहरादून। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को उत्तराखंड के विभिन्न जिलों में बड़े पैमाने पर योग कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन आयोजनों में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, योग प्रशिक्षकों और आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी वक्ताओं ने योग को स्वस्थ और संतुलित जीवन का आधार बताते हुए इसे दैनिक दिनचर्या में शामिल करने का आह्वान किया।

रामनगर में योग प्रशिक्षक तृप्ति शर्मा ने अपने 'योग रूट्स' स्टूडियो के माध्यम से लोगों को योग के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया। एक फैशन डिजाइनर से योग और वेलनेस क्षेत्र की प्रमुख हस्ती बनीं तृप्ति शर्मा ने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय लोगों के बीच स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।' उन्होंने रामनगर, उत्तराखंड और देशवासियों को योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

कार्यक्रम में शामिल रामनगर की निवासी मीना गर्ग ने बताया कि वह पिछले एक वर्ष से नियमित योग कर रही हैं और इससे उन्हें काफी लाभ मिला है।

महाराष्ट्र के राज्यपाल जिष्णुदेव वर्मा ने कोस्ट गार्ड के अधिकारियों के साथ किया योग

विश्व केसरी

मुंबई। महाराष्ट्र के राज्यपाल जिष्णुदेव वर्मा ने रविवार को मुंबई के लोकभवन में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर भारतीय तटरक्षक बल के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ योग किया।

इस साल लोकभवन में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस इंडियन कोस्टगार्ड के साथ मिलकर आयोजित किया गया। इंडियन कोस्टगार्ड के ऑफिसर और कर्मचारी, उनके परिवार के सदस्य और लोकभवन के अधिकारी कार्यक्रम में शामिल हुए।

यहां मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए गवर्नर ने महाराष्ट्र की सभी यूनिवर्सिटीज से योग को बड़े पैमाने पर प्रमोट करने और दुनिया के लिए योग ट्यूटर और ट्रेनर तैयार करने की अपील की। योग को मिली ग्लोबल पहचान की सराहना करते हुए गवर्नर ने कहा कि सदियों से योग ज्यादातर घरों, आश्रमों और विशेष संस्थानों में किया जाता रहा है। इस दिशा में एक ऐतिहासिक मोड़ तब आया जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र से 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित करने की अपील की। इस पहल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत ज्यादा सपोर्ट मिला, जिससे रिकॉर्ड संख्या में सदस्य देशों की मदद से यूएन में इंटरनेशनल योग डे को लेकर प्रस्ताव पास हुआ।

राज्यपाल जिष्णुदेव वर्मा ने 1977 में अपनी स्थापना के बाद से देश के लिए इंडियन कोस्टगार्ड के शानदार योगदान की सराहना की। स्थापना के 50 साल पूरे होने के माइलस्टोन पर फोर्स को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि देश समर्पण, पेशेवर रवैये और बिना स्वार्थ के देश सेवा में बनी इसकी शानदार यात्रा पर बहुत गर्व के साथ पीछे मुड़कर देखता है। इंडियन कोस्टगार्ड अनगिनत ऑपरेशन और लगातार निगरानी के जरिए भारत के समुद्री सुरक्षा ढांचे का एक जरूरी पिलर बनकर उभरा है। महाराष्ट्र अपनी बड़ी कोस्टलाइन, बिजी पोर्ट और स्ट्रेटेजिक समुद्री हितों के साथ कोस्ट गार्ड के कमिटमेंट से बहुत फायदा हुआ है। उन्होंने कहा कि फोर्स ने समुद्र में जान की सुरक्षा पक्का करने, मछुआरों और नाविकों की रक्षा करने, गैर-कानूनी गतिविधियों को रोकने और हमारे कोस्टलाइन पर सुरक्षा बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई है।

पश्चिम बंगाल में ट्रेलर से टकराई यात्री बस, 4 की मौत; 57 घायल

विश्व केसरी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले में रविवार को एक भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 57 यात्री घायल हो गए। इनमें से 10 की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसा राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर मयनागुड़ी क्षेत्र के उल्लाडाबाड़ी इलाके में हुआ, जहां यात्रियों से भरी नॉर्थ बंगाल स्टेट ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (एनबीएसटीसी) की बस सड़क किनारे खड़े एक ट्रेलर के पीछे जा टकराई।

पुलिस के अनुसार, दुर्घटना में घायल यात्रियों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। गंभीर रूप से घायल 10 यात्रियों का इलाज चल रहा है। चार लोगों ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। मृतकों में एक की पहचान साजल सरकार के रूप में हुई है, जबकि अन्य तीन की पहचान अभी नहीं हो सकी है। जलपाईगुड़ी की पुलिस अधीक्षक सुजाता कुमारी वीणापानी ने हादसे में चार लोगों की मौत की पुष्टि की है। पुलिस के मुताबिक, 37 घायलों का इलाज जलपाईगुड़ी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में चल रहा है, जबकि 20 अन्य घायलों को मयनागुड़ी ग्रामीण अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सिलिगुड़ी से कूचबिहार जा रही एनबीएसटीसी की बस तीस्ता पुल पार करने के बाद उल्लाडाबाड़ी इलाके में पहुंची थी। इसी दौरान तेज रफ्तार बस राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे खड़े एक ट्रेलर के पिछले हिस्से से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस का अगला हिस्सा ट्रेलर के पिछले हिस्से में बुरी तरह फंस गया। बस की आगे की सीटों पर बैठे कई यात्री वाहन के क्षतिग्रस्त हिस्से में फंस गए। हादसे की आवाज सुनकर स्थानीय लोग सबसे पहले मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। सूचना मिलने के बाद पुलिस, दमकल विभाग और एंबुलेंस की टीमें भी घटनास्थल पर पहुंचीं। कई घंटों तक चले बचाव अभियान के दौरान राहतकर्मियों ने बस के क्षतिग्रस्त हिस्सों को काटकर फंसे यात्रियों को बाहर निकाला। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों के अनुसार, कई यात्रियों के सिर, सीने और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। मयनागुड़ी थाने के प्रभारी सुबल चंद्र घोष ने बताया कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि बस पीछे से खड़े ट्रेलर से टकराई।

सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने में रेलवे कर्मचारियों की भूमिका को सराहा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 'विशेष जनसंपर्क अभियान' चलाया जा रहा है। इसके तहत भाजपा के नेता, मंत्री, सांसद, विधायक आदि तमाम संगठनों और लोगों से मुलाकात कर रहे हैं। इसी के तहत भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने रविवार को रेलवे कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों और सदस्यों से मुलाकात कर संवाद किया।

नई दिल्ली स्थित टी.एन. बाजपेयी स्मृति सभागार में आयोजित कार्यक्रम में सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने ऑल इंडिया रेलवेमेन्स फेडरेशन (एआईआरएफ) और नॉर्दर्न रेलवे मेंस यूनियन के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की। इस दौरान रेलवे कर्मचारियों के हितों, कर्मचारी संगठनों की भूमिका तथा विकसित भारत के निर्माण में भारतीय रेलवे के योगदान जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम में ऑल इंडिया रेलवे मेन्स फेडरेशन के महासचिव शिव गोपाल मिश्र, नॉर्दर्न रेलवे मेंस यूनियन के अध्यक्ष एस.के. त्यागी, कोषाध्यक्ष हरप्रीत सिंह, जितेंद्र सिंह, दिल्ली मंडल के अध्यक्ष विक्रम सिंह, मंडल मंत्री अनूप शर्मा, सहायक मंडल मंत्री पवन कुमारी, महिला कन्वीनर दिव्या शर्मा, रेल कोच फैक्ट्री रायबरेली के महासचिव एल.एन. पाठक तथा ईस्टर्न रेलवे मेन्स यूनियन के महासचिव अमित घोष

जल, जंगल और जमीन पर आंच आई तो बार-बार आएंगे छत्तीसगढ़- सचिन पायलट

विश्व केसरी

रायपुर । छत्तीसगढ़ कांग्रेस के 10 दिवसीय संगठन सृजन प्रशिक्षण शिविर में कांग्रेस नेता राहुल गांधी शामिल हुए। उनके शिविर में पहुंचने से कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों में खासा उत्साह देखने को मिला। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने कहा कि राहुल गांधी की मौजूदगी ने कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया है।

सचिन पायलट ने बताया कि दस दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का मुख्य उद्देश्य संगठन को जमीनी स्तर से मजबूत करना और पार्टी की कार्यप्रणाली को और प्रभावी बनाना है। शिविर के दौरान राहुल गांधी ने प्रदेश के सभी जिला कांग्रेस अध्यक्षों के साथ विस्तृत चर्चा की और संगठन को ऊपर से लेकर बूथ स्तर तक मजबूत बनाने पर जोर दिया। सचिन पायलट ने कहा कि कांग्रेस आने वाले समय में युवाओं और जेन-ज़ेड वर्ग को संगठन से जोड़ने पर विशेष ध्यान दे रही है। शिविर में इस विषय पर भी विस्तार से चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि पार्टी को नई पीढ़ी के साथ संवाद बढ़ाने और उनकी अपेक्षाओं को समझने की आवश्यकता है।

उन्होंने बताया कि शिविर में सभी नेताओं और पदाधिकारियों ने परिवार की तरह बैठकर संगठन की मजबूती, भविष्य की रणनीति और प्रदेश के राजनीतिक हालात पर चर्चा की।प्रशिक्षण शिविर के दौरान कांग्रेस नेताओं ने छत्तीसगढ़ की मौजूदा सरकार पर भी जमकर हमला बोला। सचिन पायलट ने आरोप लगाया कि पिछले ढाई वर्षों में सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतरी है।

उन्होंने कहा कि सरकार विकास कार्यों पर ध्यान देने के बजाय केवल अपने राजनीतिक हित साधने में लगी हुई है। प्रदेश की जनता को जिन मुद्दों पर राहत और समाधान की उम्मीद थी, उन पर सरकार गंभीरता से काम करती नजर नहीं आ रही है।

सचिन पायलट ने कहा कि राहुल गांधी ने स्पष्ट संदेश दिया है कि कांग्रेस हमेशा गरीब, आदिवासी और कमजोर वर्गों के साथ खड़ी रही है और आगे भी खड़ी रहेगी।

उन्होंने कहा, 'जब-जब जल, जंगल और जमीन पर खतरा आएगा, जब-जब लोगों की जमीन छीनी जाएगी ।

मुख्यमंत्री साय ने किया योगाभ्यास बोले- योग स्वस्थ जीवन की गारंटी

विश्व केसरी

रायपुर/अंबिकापुर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अंबिकापुर के पीजी कॉलेज मैदान में राज्य स्तरीय योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मंत्रियों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और सैकड़ों नागरिकों के साथ सामूहिक योगाभ्यास किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार 'मोदी की गारंटी' लोगों के विश्वास का प्रतीक बनी है, उसी प्रकार योग भी स्वस्थ जीवन की गारंटी देता है। योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन, मानसिक संतुलन और आरोग्य प्राप्त करने का प्रभावी माध्यम है।मुख्यमंत्री ने कहा कि अंबिकापुर में राज्य स्तरीय योग दिवस का आयोजन पूरे सरगुजा संभाग के लिए गौरव की बात है। उन्होंने बताया कि बच्चों को स्वस्थ, अनुशासित और सजग बनाने के उद्देश्य से योग को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है, ताकि नई पीढ़ी स्वस्थ और संस्कारित जीवनशैली अपना सके।

उन्होंने कहा कि जो लोग किसी कारणवश अब तक योग को अपने जीवन का हिस्सा नहीं बना पाए हैं, वे आज से इसकी शुरुआत करें। योग भारत की प्राचीन परंपरा है, जो आज पूरी दुनिया में भारत की पहचान बन चुकी है।

मुख्यमंत्री ने लोगों से आह्वान किया कि योग केवल एक दिन का आयोजन बनकर न रह जाए, बल्कि हर परिवार की दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बने। उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास आत्मविश्वास बढ़ाने, फिटनेस बनाए रखने और जीवन के हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने की प्रेरणा देता है।

उन्होंने कहा कि बढ़ते मोटापे को नियंत्रित करने, तनाव कम करने और स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने के लिए योग एक सरल, सुलभ और प्रभावी उपाय है। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने भी नियमित योग करने का संकल्प लिया।

23 जून से बदल जाएगा मौसम झमाझम बारिश के आसार

विश्व केसरी

रायपुर। भीषण गर्मी और उमस से परेशान छत्तीसगढ़वासियों के लिए राहत भरी खबर है। देश में पिछले दो सप्ताह से सुस्त पड़ा दक्षिण-पश्चिम मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार अगले पांच दिनों के भीतर छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, ओडिशा और झारखंड में मानसून के आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियां बन गई हैं।

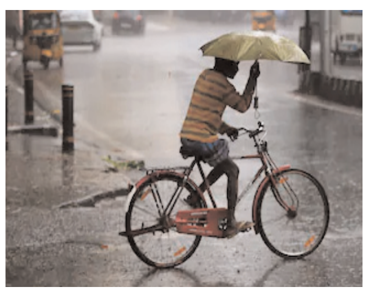

मौसम विभाग के मुताबिक, इस वर्ष मानसून की रफ्तार अपेक्षाकृत धीमी रही, जिसके कारण छत्तीसगढ़ में मानसून लगभग 10 दिन और मध्य प्रदेश में करीब 15 दिन की देरी से पहुंच रहा है। पहले छत्तीसगढ़ में मानसून के 12 जून तक पहुंचने की संभावना जताई गई थी, लेकिन अब नए मौसमीय संकेतों के अनुसार 23 जून तक बस्तर संभाग के रास्ते मानसून के प्रदेश में प्रवेश करने की प्रबल संभावना है।

सैटेलाइट तस्वीरों में दिखे सकारात्मक संकेत

आईएमडी के वैज्ञानिकों के अनुसार सैटेलाइट से प्राप्त ताजा तस्वीरों में मध्य भारत के ऊपर बादलों का विस्तार तेजी से बढ़ता दिखाई दे रहा है। वर्तमान में मानसूनी रेखा हरनाई, सोलापुर, हैदराबाद, भद्राचलम, कोरापुट, रांची और मुजफ्फरपुर से होकर गुजर रही है।

विशेषज्ञों का मानना है कि 23 जून के आसपास मानसून महाराष्ट्र, तेलंगाना, ओडिशा, झारखंड, बिहार और छत्तीसगढ़ के कई हिस्सों में तेजी से आगे बढ़ेगा। इसके प्रभाव से 21 से 26 जून के बीच छत्तीसगढ़, विदर्भ और मध्य प्रदेश के अनेक जिलों में प्री-मानसून और मानसूनी बारिश की गतिविधियां बढ़ेंगी।

नशे के कारोबार पर पुलिस का शिकंजा दो अंतर्राज्यीय तस्कर गिरफ्तार

11.4 किलो गांजा जब्त

विश्व केसरी

रायपुर। रायपुर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना पंडरी पुलिस ने दो अलग-अलग कार्रवाइयों में दो अंतर्राज्यीय आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से कुल 11.400 किलोग्राम अवैध गांजा, मोबाइल फोन और नगदी बरामद की है। दोनों मामलों में एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पहले मामले में थाना पंडरी पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कांपा रेलवे फाटक के पास एक व्यक्ति गांजा रखकर बिक्री के लिए ग्राहक तलाश रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और संदेही युवक को पकड़ लिया।

पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम मनीष गुप्ता (21 वर्ष) बताया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक बैग में रखा 7.330 किलोग्राम अवैध गांजा, वीवो कंपनी का मोबाइल फोन और 120 रुपये नकद बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना पंडरी में अपराध क्रमांक 174/2026 के तहत धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। मामले की विस्तृत जांच जारी है।

इसी तरह दूसरी कार्रवाई में थाना पंडरी पुलिस को सूचना मिली कि कांपा मालधक्का क्षेत्र में एक व्यक्ति गांजा लेकर बिक्री के लिए ग्राहक तलाश रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए घेराबंदी कर संदेही को पकड़ लिया।

प्रियदर्शिनी नगर नाले का महापौर मीनल चौबे ने किया निरीक्षण

विश्व केसरी

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर मीनल चौबे ने रविवार को निगम के जोन-6 अंतर्गत प्रियदर्शिनी नगर क्षेत्र में देवी लक्ष्मी हॉस्पिटल से सर्विस रोड तक स्थित नाले का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने नाले की जर्जर स्थिति पर नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को शीघ्र मरम्मत कार्य शुरू कराने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जोन-6 अध्यक्ष बद्री प्रसाद गुप्ता, वार्ड पार्षद स्वप्निल मिश्रा, स्थानीय नागरिक, जोन-6 के सहायक अभियंता आशीष श्रीवास्तव, उप अभियंता विद्या देशलहरे तथा जोन स्वास्थ्य अधिकारी आदिव्य हजारी उपस्थित रहे। महापौर मीनल चौबे ने नाले के कई हिस्सों में टूट-फूट और क्षति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक प्रस्ताव तैयार कर जल्द स्वीकृति प्राप्त करने तथा मरम्मत कार्य प्राथमिकता के आधार पर शुरू कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान आर्च ब्रिज के समीप लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधीन आने वाले क्षतिग्रस्त नाले का मामला भी सामने आया। इस पर महापौर ने संबंधित नाले की शीघ्र मरम्मत के लिए पीडब्ल्यूडी विभाग को तत्काल पत्र भेजने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

महापौर ने कहा कि बारिश के मौसम में जल निकासी व्यवस्था सुचारू बनाए रखना निगम की प्राथमिकता है। नालों की मरम्मत और सफाई से क्षेत्रवासियों को जलभराव और अन्य समस्याओं से राहत मिलेगी।

औद्योगिक क्षेत्र में पुलिस का सत्यापन अभियान बाहरी राज्यों के श्रमिकों की जांच

विश्व केसरी

रायपुर। रायपुर ग्रामीण पुलिस ने सिलतरा औद्योगिक क्षेत्र में शनिवार को व्यापक सत्यापन और सरप्राइज चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान श्रमिक बस्तियों, किराए के मकानों और विभिन्न फैक्ट्रियों में रह रहे लोगों के दस्तावेजों की गहन जांच की गई। अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखना, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखना और बाहरी राज्यों से आकर छिपने वाले अपराधियों की पहचान कर उन पर निगरानी रखना था।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाए गए इस विशेष अभियान को थाना धरसीवा और चौकी सिलतरा पुलिस की दो संयुक्त टीमों ने अंजाम दिया। पुलिस अधिकारियों ने श्रमिकों के पहचान पत्र, निवास संबंधी दस्तावेजों और अन्य आवश्यक रिकॉर्ड का सत्यापन कर जानकारी का मिलान किया। अभियान के दौरान उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, झारखंड, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश और राजस्थान समेत विभिन्न राज्यों से आए श्रमिकों का सत्यापन किया गया। पुलिस ने मकान मालिकों और उद्योग प्रबंधन को किरायेदारों तथा कर्मचारियों की पूरी जानकारी सुरक्षित रखने और उनका अनिवार्य पुलिस सत्यापन कराने की सलाह दी।

पुलिस ने क्षेत्र में रहने वाले लोगों को किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधियों से दूर रहने की चेतावनी देते हुए कहा कि बाहरी राज्यों से अपराध कर क्षेत्र में शरण लेने वाले आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस अथवा डायल-112 को देने की अपील की गई।

डीएसपी वीरेंद्र चतुर्वेदी ने बताया कि विशेष सत्यापन अभियान के दौरान कोई भी संदिग्ध रोहिंग्या या बांग्लादेशी नागरिक नहीं मिला। उन्होंने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और अपराध नियंत्रण को लेकर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

पुलिस के अनुसार इस कार्रवाई से उद्योग प्रबंधन, श्रमिकों और स्थानीय नागरिकों में सुरक्षा की भावना और मजबूत हुई है। आने वाले समय में भी ऐसे सत्यापन और जांच अभियान जारी रहेंगे।

सीजी रेरा का बड़ा फैसला : हर्षित नियोज सिटी के निवासियों को राहत

प्रमोटर को सिंकिंग फंड और कॉमन एरिया सौंपने के निर्देश

विश्व केसरी

रायपुर/दुर्ग। छत्तीसगढ़ भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण ने गृह क्रेताओं के हितों की रक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण और नजीर पेश करने वाला फैसला सुनाया है। प्राधिकरण ने दुर्ग जिले के ग्राम अमलेश्वर स्थित पंजीकृत आवासीय परियोजना 'हर्षित नियोज सिटी' के मामले में प्रमोटर को सिंकिंग फंड की पूरी राशि तथा कॉमन एरिया का प्रबंधन तत्काल संबंधित सहकारी आवासीय सोसायटी को हस्तांतरित करने का निर्देश दिया है।

रेरा के इस आदेश को राज्य के रियल एस्टेट क्षेत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। इससे न केवल हर्षित नियोज सिटी के निवासियों को राहत मिलेगी, बल्कि प्रदेशभर के उन हजारों गृह खरीदारों को भी मजबूती मिलेगी जो मकान या फ्लैट खरीदने के बाद मेंटेनेंस, साझा सुविधाओं और फंड हस्तांतरण से जुड़ी समस्याओं का सामना कर रहे हैं।

मामले की शुरुआत तब हुई जब हर्षित नियोज सिटी रेसिडेन्शियल को-ऑपरेटिव सोसायटी मर्यादित ने परियोजना के प्रमोटर सिंघनिया बिल्डॉन प्रा.लि. एवं मेसर्स हर्षित सिंघानिया बिल्डॉन के खिलाफ सी.जी. रेरा में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि परियोजना की साझा सुविधाओं के संचालन में अनियमितताएं बरती जा रही हैं तथा सोसायटी को सिंकिंग फंड की राशि और कॉमन एरिया का अधिकार नहीं सौंपा गया है। सोसायटी ने रेरा के समक्ष यह भी बताया कि परियोजना के निवासियों से वर्षों से मेंटेनेंस और अन्य मदों में राशि ली जाती रही, लेकिन नियमानुसार इन निधियों का हस्तांतरण नहीं किया गया। इसके अलावा पार्क, सड़क, सामुदायिक सुविधाओं सहित अन्य साझा क्षेत्रों का प्रबंधन भी सोसायटी को नहीं सौंपा गया था।

रेरा ने माना सोसायटी का पक्ष

मामले की सुनवाई के बाद सी.जी. रेरा ने उपलब्ध दस्तावेजों और दोनों पक्षों के तर्कों का परीक्षण किया। प्राधिकरण ने माना कि परियोजना के निवासियों और उनकी सोसायटी को वैधानिक अधिकारों से वंचित नहीं किया जा सकता।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस : छत्तीसगढ़ की सभी 33 जेलों में हुआ सामूहिक योगाभ्यास

हजारों बंदियों ने लिया स्वस्थ जीवन का संकल्प

विश्व केसरी

रायपुर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को छत्तीसगढ़ की सभी 33 जेलों में उत्साह और उल्लास के साथ योग कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रदेशभर की जेलों में हजारों बंदियों तथा जेल अधिकारियों-कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन का संदेश दिया और योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया।

राजधानी रायपुर स्थित केंद्रीय जेल में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में जेल महानिदेशक हिमांशु गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में जेल अधीक्षक योगेश सिंह क्षत्री, आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के प्रशिक्षक और बड़ी संख्या में बंदी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में सभी प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान की क्रियाएं कीं।

योग सत्र के दौरान बंदियों और कर्मचारियों ने पूरे उत्साह के साथ भागीदारी निभाई। कार्यक्रम का उद्देश्य शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक संतुलन, आत्मिक शांति और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना रहा। जेल प्रशासन ने बताया कि योग बंदियों के मानसिक तनाव को कम करने और उनमें सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रभावी माध्यम बन रहा है।

इस अवसर पर जेल महानिदेशक हिमांशु गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल से योग को वैश्विक पहचान मिली है और आज पूरी दुनिया योग की महत्ता को स्वीकार कर रही है।

उन्होंने कहा कि योग केवल शरीर को स्वस्थ रखने का साधन नहीं है, बल्कि यह मन, शरीर और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करने की एक समग्र प्रक्रिया है।

उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास से व्यक्ति में आत्मविश्वास बढ़ता है, मानसिक तनाव कम होता है और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। योग व्यक्ति को अनुशासित, स्वस्थ और संतुलित जीवन जीने की प्रेरणा देता है। उन्होंने बंदियों से भी योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया।

प्रदेश की सभी जेलों में आयोजित योग दिवस कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक संपन्न हुए। जेल प्रशासन का मानना है कि योग जैसी गतिविधियां बंदियों के पुनर्वास और व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं तथा उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने में भी सहायक साबित होती हैं।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर रायपुर रेल मंडल में सामूहिक योगाभ्यास

विश्व केसरी

रायपुर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर रेल मंडल में रेलवे सामुदायिक भवन, डब्ल्यूआरएस कॉलोनी में सामूहिक योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) दयानंद सहित रेलवे के अधिकारियों और कर्मचारियों ने योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। इस अवसर पर डीआरएम दयानंद ने कहा कि योग स्वस्थ, संतुलित और तनावमुक्त जीवन का आधार है। योग को दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाकर व्यक्ति न केवल शारीरिक रूप से स्वस्थ रह सकता है, बल्कि कार्यक्षमता और सकारात्मक सोच को भी विकसित कर सकता है। उन्होंने कर्मचारियों और उनके परिवारजनों से नियमित रूप से योग करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में अपर मंडल रेल प्रबंधक बजरंग अग्रवाल, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी राहुल गर्ग समेत अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास किया।

विश्व केसरी

संपादकीय

योग है दुनिया के लिए भारत का शाश्वत अवदान

ललित गर्ग

आज जब पूरी दुनिया युद्धों, आतंकवाद, हिंसा, मानसिक तनाव, पर्यावरणीय संकट और नई-नई बीमारियों की चुनौतियों से घिरी हुई है, तब मानवता एक ऐसे मार्ग की तलाश में है जो केवल शरीर को ही नहीं, बल्कि मन, बुद्धि और आत्मा को भी संतुलित कर सके। ऐसे संक्रमणकाल में योग केवल एक व्यायाम पद्धति या स्वास्थ्य विज्ञान नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के लिए आशा का प्रकाश-स्तंभ बनकर उभरा है। यही कारण है कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आज केवल भारत का नहीं, बल्कि सम्पूर्ण विश्व का उत्सव बन गया है। भारत अनादिकाल से योग की भूमि रहा है। इस भूमि के कण-कण में ऋषियों, मुनियों, तपस्वियों और योगियों की साधना की सुगंध समाई हुई है। वैदिक ऋषियों से लेकर भगवान महावीर, भगवान बुद्ध, आदि शंकराचार्य, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानन्द, महात्मा गांधी, श्री अरविन्द, आचार्य तुलसी और आचार्य महाप्रज्ञ तक, सभी ने योग को जीवन के उत्कर्ष और मानव कल्याण का आधार माना। योग ने भारत की आध्यात्मिक चेतना को ही नहीं गढ़ा, बल्कि विश्व को यह संदेश भी दिया कि मनुष्य का वास्तविक विकास भीतर से प्रारंभ होता है।

आज विश्व जिस दिशा में बढ़ रहा है, वह चिंता का विषय है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में संघर्ष, आतंकवाद की घटनाएं, साम्प्रदायिक तनाव और हथियारों की बढ़ती होड़ मानव सभ्यता को भय और असुरक्षा की ओर धकेल रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, विज्ञान और तकनीक ने अभूतपूर्व सुविधाएं दी हैं, लेकिन इनके साथ विनाश की संभावनाएं भी बढ़ी हैं। ऐसे समय में योग की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। योग मनुष्य को भीतर से शांत, संतुलित और संवेदनशील बनाता है। जब व्यक्ति के भीतर शांति होगी, तभी समाज और राष्ट्र में शांति का वातावरण निर्मित होगा। योग का मूल अर्थ ही है-जोड़ना। यह मनुष्य को मनुष्य से, आत्मा को परमात्मा से, व्यक्ति को समाज से और मानवता को सम्पूर्ण सृष्टि से जोड़ता है। योग विभाजन नहीं, एकता का दर्शन है। इसलिए वह हिंसा, घृणा, आतंक और संघर्ष का स्वाभाविक प्रतिरोधक है। जो व्यक्ति योग के माध्यम से अपने भीतर करुणा, प्रेम और अहिंसा का

विकास करता है, वह किसी के प्रति द्वेष नहीं रख सकता। यही कारण है कि महात्मा गांधी की अहिंसा और भगवान महावीर का जीव-दया का संदेश भी योग की व्यापक चेतना से जुड़ा हुआ दिखाई देता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार आज मानसिक तनाव, अवसाद, अनिद्रा, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग, मोटापा और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। आधुनिक जीवन की भागदौड़ में मनुष्य बाहरी उपलब्धियों के पीछे दौड़ रहा है, लेकिन भीतर से खाली और अशांत होता जा रहा है। ऐसी स्थिति में योग एक समग्र चिकित्सा-पद्धति के रूप में सामने आया है। योग शरीर, मन और भावनाओं के बीच संतुलन स्थापित करता है। नियमित आसन, प्राणायाम और ध्यान व्यक्ति की प्रतिरक्षा शक्ति को बढ़ाते हैं, तनाव को कम करते हैं तथा मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाते हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान भी दुनिया ने अनुभव किया कि स्वस्थ जीवनशैली और मजबूत प्रतिरोधक क्षमता कितनी महत्वपूर्ण है। उस समय योग, प्राणायाम और ध्यान ने करोड़ों लोगों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज भी चिकित्सक और स्वास्थ्य विशेषज्ञ स्वीकार करते हैं कि योग अनेक बीमारियों की रोकथाम और प्रबंधन में अत्यंत प्रभावी सहायक माध्यम है। यह दवाओं का विकल्प नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन का आधार है।

योग की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल रोगों से मुक्ति नहीं देता, बल्कि जीवन को दिशा देता है। पातंजलि ने योग को 'चित्तवृत्ति निरोध' कहा है। अर्थात् मन की चंचलता और विकारों पर नियंत्रण। जब मन नियंत्रित होता है, तब व्यक्ति में निर्णय क्षमता, धैर्य और आत्मविश्वास का विकास होता है। आज की पीढ़ी, जो तनाव, प्रतिस्पर्धा और डिजिटल व्यसनों के बीच जी रही है, उसके लिए योग मानसिक संतुलन का सबसे सशक्त माध्यम बन सकता है। योग का एक महत्वपूर्ण पक्ष उसका नैतिक और मानवीय आयाम भी है। यम और नियम जैसे सिद्धांत सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह, संयम और संतोष की शिक्षा देते हैं। यदि इन मूल्यों को व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में अपनाया जाए, तो हिंसा, भ्रष्टाचार, अपराध और सामाजिक विद्वेष जैसी समस्याओं में स्वाभाविक कमी आ सकती है। इसलिए योग केवल स्वास्थ्य का विषय नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और सामाजिक पुनर्निर्माण का भी अभियान है।

पानी की लड़ाई में क्यों घुला जातिवाद?

डॉ. प्रियंका सौरभ

हरियाणा के हांसी क्षेत्र के चैनत गाँव में पानी की समस्या को लेकर चल रहा आंदोलन एक महत्वपूर्ण सामाजिक और प्रशासनिक प्रश्न को सामने लाता है। किसी भी नागरिक समाज में पीने के पानी जैसी मूलभूत आवश्यकता के लिए लोगों को सड़क पर उतरना पड़े, यह अपने आप में शासन व्यवस्था के लिए चिंता का विषय है। पानी केवल एक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन का आधार है। इसलिए चैनत के ग्रामीणों द्वारा अपनी समस्या को लेकर आवाज उठाना पूरी तरह न्यायसंगत और लोकतांत्रिक अधिकारों के अनुरूप है। किंतु इसी आंदोलन के दौरान कुछ ऐसी टिप्पणियाँ सामने आईं, जिनमें एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के प्रति व्यक्तिगत और जातिगत आधार पर अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया गया। यह स्थिति हमें सोचने पर विवश करती है कि क्या किसी जायज़ मांग को मनवाने के लिए सामाजिक मर्यादा और संवैधानिक मूल्यों की सीमाएँ लांघी जा सकती हैं?

भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार देता है। सर्वोच्च न्यायालय ने भी अनेक अवसरों पर स्पष्ट किया है कि जीवन के अधिकार में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता भी शामिल है। यदि किसी गाँव में लोग पर्याप्त पानी से वंचित हैं, तो यह केवल एक स्थानीय समस्या नहीं, बल्कि नागरिक अधिकारों और प्रशासनिक उत्तरदायित्व का विषय है। ग्रामीणों की पीड़ा वास्तविक है और उसका समाधान करना सरकार तथा प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। जल संकट केवल असुविधा नहीं पैदा करता, बल्कि स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक जीवन पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। महिलाओं और बच्चों को अक्सर पानी की व्यवस्था के लिए अतिरिक्त श्रम करना पड़ता है, जिससे उनकी दिनचर्या और अवसर प्रभावित होते हैं।

भारत जैसे देश में जल संकट की समस्या नई नहीं है। बढ़ती जनसंख्या, भूमिगत जल का अत्यधिक दोहन, वर्षा के असमान वितरण, जल स्रोतों के संरक्षण की कमी और अव्यवस्थित शहरीकरण ने अनेक क्षेत्रों में जल संकट को गंभीर बनाया है। हरियाणा जैसे कृषि प्रधान राज्य में यह चुनौती और भी बड़ी हो जाती है क्योंकि कृषि, घरेलू उपयोग और औद्योगिक आवश्यकताओं के बीच जल संसाधनों पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। ऐसे में यदि किसी गाँव के लोग अपनी समस्या को लेकर आंदोलन कर रहे हैं, तो उनकी बात सुनना और समाधान निकालना प्रशासन का दायित्व है।

लोकतंत्र में विरोध और आंदोलन नागरिकों का वैध अधिकार है। जब जनता को लगता है कि उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा, तब वे ज्ञापन देते हैं, धरना-प्रदर्शन करते हैं और प्रशासन का ध्यान आकर्षित करते हैं। यह लोकतांत्रिक व्यवस्था की एक स्वस्थ प्रक्रिया है। लेकिन लोकतंत्र केवल अधिकारों का नाम नहीं है, यह जिम्मेदारियों का भी नाम है। विरोध का अधिकार उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि सामाजिक मर्यादा और पारस्परिक सम्मान बनाए रखना। यदि आंदोलन के दौरान भाषा की गरिमा समाप्त हो जाए और व्यक्तिगत या जातिगत टिप्पणियाँ होने लगें, तो आंदोलन का नैतिक आधार कमजोर पड़ जाता है।

भारतीय संविधान की मूल भावना समानता पर आधारित है। संविधान निर्माताओं ने एक ऐसे समाज की कल्पना की थी जहाँ किसी व्यक्ति का मूल्यांकन उसकी जाति, धर्म, भाषा या जन्म के आधार पर नहीं, बल्कि उसकी योग्यता और कर्म के आधार पर किया जाए। इसी उद्देश्य से संविधान में समानता का अधिकार दिया गया तथा अस्पृश्यता और जातिगत

पानी की मांग जायज़ है, लेकिन किसी अधिकारी का मूल्यांकन उसकी जाति से नहीं, उसके कार्यों से होना चाहिए

भेदभाव को समाप्त करने के लिए विशेष प्रावधान किए गए। इसके बावजूद आज भी समाज के अनेक हिस्सों में जातिगत सोच और पूर्वाग्रह मौजूद हैं। जब किसी अधिकारी या व्यक्ति के बारे में उसकी जाति के आधार पर टिप्पणी की जाती है, तो यह केवल एक व्यक्ति का अपमान नहीं होता, बल्कि संविधान की मूल भावना का भी अनादर होता है।

किसी अधिकारी, जनप्रतिनिधि या सार्वजनिक व्यक्ति की आलोचना करना लोकतंत्र का हिस्सा है। लेकिन आलोचना का आधार उसके निर्णय, कार्यशैली और नीतियाँ होनी चाहिए। जब आलोचना व्यक्ति की जाति, पहनावे, भाषा या सामाजिक पृष्ठभूमि पर केंद्रित हो जाती है, तब वह लोकतांत्रिक विमर्श नहीं रह जाती, बल्कि पूर्वाग्रह और भेदभाव का रूप ले लेती है। यह स्थिति न केवल संबंधित व्यक्ति को आहत करती है, बल्कि समाज में विभाजन और अविश्वास को भी बढ़ावा देती है।

यह समझना आवश्यक है कि किसी भी प्रशासनिक पद तक पहुँचने के पीछे वर्षों का कठिन परिश्रम और संघर्ष होता है। भारतीय प्रशासनिक सेवा, राज्य प्रशासनिक सेवा या अन्य उच्च पदों पर चयनित होने वाले अधिकारी लंबी प्रतियोगी प्रक्रिया से गुजरते हैं। वे कठिन परीक्षाएँ उत्तीर्ण करते हैं, प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं और सार्वजनिक सेवा के लिए स्वयं को तैयार करते हैं। इसलिए किसी अधिकारी का मूल्यांकन उसके सामाजिक या जातिगत परिचय से नहीं, बल्कि उसके कार्य और प्रदर्शन से होना चाहिए।

सार्वजनिक जीवन में गरिमा का महत्व अत्यंत बड़ा है। यदि समाज में यह प्रवृत्ति बढ़ने लगे कि किसी व्यक्ति की आलोचना उसके जन्मगत आधारों पर की जाए, तो इससे लोकतांत्रिक संवाद की गुणवत्ता प्रभावित होती है। ऐसी स्थिति में योग्य और प्रतिभाशाली लोग भी सार्वजनिक जीवन में आने से हिचक सकते हैं। इससे प्रशासनिक व्यवस्था और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर जनता का विश्वास भी कमजोर पड़ सकता है।

यह भी उतना ही सत्य है कि प्रशासन को जनता की भावनाओं और समस्याओं के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। कई बार समस्याओं के समाधान में देरी या संवाद की कमी के कारण लोगों में असंतोष बढ़ता है। इसलिए प्रशासन की जिम्मेदारी केवल आदेश जारी करने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। उसे लोगों से संवाद स्थापित करना चाहिए, उनकी शिकायतों को सुनना चाहिए और समाधान की दिशा में पारदर्शी प्रयास करने चाहिए। यदि ग्रामीणों को यह महसूस होगा कि उनकी बात सुनी जा रही है और समाधान के लिए ईमानदार प्रयास हो रहे हैं, तो तनाव और टकराव की स्थिति भी कम होगी।

चैनत के मामले में भी आवश्यक है कि प्रशासन और ग्रामीण आमने-सामने खड़े होने के बजाय संवाद की प्रक्रिया को मजबूत करें। जल संकट जैसी समस्या का समाधान केवल आरोप-प्रत्यारोप से नहीं निकल सकता। इसके लिए प्रशासनिक इच्छाशक्ति, तकनीकी योजना और सामुदायिक सहभागिता की आवश्यकता है। तत्काल राहत के रूप में जल टैंकरों की व्यवस्था, अतिरिक्त जल आपूर्ति और अस्थायी समाधान किए जा सकते हैं। लेकिन दीर्घकालिक समाधान के लिए जल स्रोतों का संरक्षण, वर्षा जल संचयन, पाइपलाइन नेटवर्क का विस्तार, जल भंडारण क्षमता में वृद्धि और भूजल पुनर्भरण जैसे उपाय आवश्यक हैं।

ग्रामीण समुदाय की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। जल संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। समाज को भी जल के विवेकपूर्ण उपयोग, वर्षा जल संचयन और स्थानीय जल स्रोतों के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। यदि समुदाय और प्रशासन मिलकर काम करें, तो जल संकट जैसी समस्याओं का स्थायी समाधान संभव है।

शिक्षा और सामाजिक जागरूकता भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। विद्यालयों, महाविद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं और मीडिया को ऐसी सोच विकसित करनी चाहिए जो समानता, सम्मान और संवैधानिक मूल्यों को बढ़ावा दे। जातिगत पूर्वाग्रहों को समाप्त करने के लिए केवल कानून पर्याप्त नहीं हैं; इसके लिए सामाजिक चेतना का विकास भी आवश्यक है। जब तक समाज के भीतर मानसिक परिवर्तन नहीं होगा, तब तक समानता के संवैधानिक आदर्श पूरी तरह साकार नहीं हो पाएंगे।

कश्मीर में गूंजते मंत्र और भाईचारे का संदेश

महेन्द्र तिवारी

कश्मीर को सदियों से विविध संस्कृतियों, परंपराओं और आस्थाओं की साझा भूमि के रूप में जाना जाता रहा है। यहाँ की पहचान केवल उसकी प्राकृतिक सुंदरता से नहीं, बल्कि उस सामाजिक ताने-बाने से भी रही है जिसमें अलग-अलग समुदायों ने लंबे समय तक एक साथ जीवन बिताया। कश्मीरी पंडित और मुसलमानों के बीच पीढ़ियों से विकसित हुए सामाजिक, सांस्कृतिक और मानवीय संबंध इस भूमि की सबसे बड़ी विशेषताओं में रहे हैं। हालांकि 1989 और 1990 के उथल-पुथल भरे दौर ने इस साझा जीवन को गहरी चोट पहुँचाई। बड़ी संख्या में कश्मीरी पंडितों को घाटी छोड़कर देश के विभिन्न भागों में विस्थापित जीवन बिताने के लिए मजबूर होना पड़ा। उस दौर की पीड़ा आज भी हजारों परिवारों की स्मृतियों में जीवित है। ऐसे समय में दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले के मुर्रान गाँव से आई एक खबर ने अनेक लोगों के मन में आशा का संचार किया है। लगभग 36 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद कश्मीरी पंडित अपनी कुलदेवी के मंदिर में हवन और पूजा-अर्चना के लिए लौटे और स्थानीय मुस्लिम समुदाय ने उनका स्वागत कर भाईचारे का संदेश दिया।

यह घटना केवल एक धार्मिक अनुष्ठान भर नहीं थी, बल्कि यह उन भावनाओं का संगम थी जो दशकों से लोगों के भीतर कहीं दबकर रह गई थीं। जब वर्षों पहले अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए लोग वापस अपने गाँव पहुँचे तो उनके सामने केवल मंदिर नहीं था, बल्कि उनकी स्मृतियाँ थीं, उनका बचपन था, उनके पूर्वजों की यादें थीं और वे रिश्ते थे जो समय और दूरी के बावजूद पूरी तरह समाप्त नहीं हुए थे। अनेक परिवारों के लिए यह यात्रा अतीत और वर्तमान के बीच एक भावनात्मक पुल बन गई। जिन गलियों में उन्होंने बचपन बिताया था, जिन घरों के आँगनों में खेला था और जिन पड़ोसियों के साथ जीवन के सुख-दुख साझा किए थे, उन सबको फिर से देखना उनके लिए अत्यंत भावुक अनुभव रहा। मुर्रान गाँव उन स्थानों में से एक है जहाँ कभी कश्मीरी पंडितों और मुसलमानों का जीवन एक-दूसरे से गहराई से जुड़ा हुआ था। दोनों समुदाय सामाजिक अवसरों, पारिवारिक आयोजनों और स्थानीय परंपराओं में सहभागिता करते थे। लेकिन 1989-90 के दौरान बढ़ी हिंसा और असुरक्षा की परिस्थितियों ने इस सामाजिक संतुलन को तोड़ दिया। बड़ी संख्या में पंडित परिवारों ने अपने घर, जमीन, व्यवसाय और सामाजिक परिवेश को छोड़कर पलायन किया। विस्थापन केवल भौगोलिक परिवर्तन नहीं होता, वह व्यक्ति की पहचान, स्मृतियों और सामाजिक संबंधों को भी प्रभावित करता है। इसलिए जब कोई परिवार दशकों बाद अपने मूल स्थान पर लौटता है तो वह केवल एक जगह पर नहीं लौटता, बल्कि अपनी जड़ों और इतिहास से पुनः जुड़ने का प्रयास करता है।

मुर्रान में आयोजित पूजा-अर्चना का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष स्थानीय मुस्लिम समुदाय की भागीदारी रही। उपलब्ध जानकारी के अनुसार स्थानीय लोगों ने मंदिर परिसर की सफाई, व्यवस्था और आयोजन की तैयारियों में सहयोग दिया। उन्होंने लौटकर आए कश्मीरी पंडितों का स्वागत किया और उनके साथ संवाद स्थापित किया। यह सहयोग केवल औपचारिक नहीं था, बल्कि उसमें उन पुराने रिश्तों की झलक दिखाई दी जो कभी इस क्षेत्र की सामान्य सामाजिक वास्तविकता हुआ करते थे। जब विभिन्न समुदायों के लोग एक-दूसरे के धार्मिक and सांस्कृतिक आयोजनों का सम्मान करते हैं, तब समाज में विश्वास का वातावरण मजबूत होता है। मुर्रान की घटना इसी विश्वास की पुनर्स्थापना का संकेत देती है।

बोध कथा

जाकी रही भावना जैसी प्रभु मूरत देखी तिन तैसी

एक महिला रोज मंदिर जाती थी ! एक दिन उस महिला ने पुजारी से कहा कि अब मैं मंदिर नही आया करूँगी !

इस पर पुजारी ने पूछा — क्यों तब महिला बोली — मैं देखती हूँ लोग मंदिर परिसर में अपने फोन से अपने व्यापार की बात करते हैं ! कुछ ने तो मंदिर को ही गपशप करने का स्थान चुन रखा है ! कुछ तो पूजा कम पाखंड, दिखावा ज्यादा करते हैं !

इस पर पुजारी कुछ देर तक चुप रहे , फिर कहा — सही है ! परंतु अपना अंतिम निर्णय लेने से पहले क्या आप मेरे कहने से कुछ कर सकती हैं ?

महिला बोली -आप बताइए क्या करना है ?

पुजारी ने कहा-एक गिलास पानी भर लीजिए और 2 बार मंदिर परिसर के अंदर परिक्रमा लगाइए , शर्त ये है कि गिलास का पानी गिरना नहीं चाहिये !

थोड़ी ही देर में उस महिला ने ऐसा कर दिखाया !

उसके बाद मंदिर के पुजारी ने महिला से 3 सवाल पूछे -

क्या आपने किसी को फोन पर बात करते देखा?

क्या आपने किसी को मंदिर में गपशप करते देखा?

क्या किसी को पाखंड करते देखा? महिला बोली — नहीं मैंने ऐसा तो कुछ भी नहीं देखा !

फिर पुजारी बोले — जब आप परिक्रमा लगा रही थीं - तब आपका पूरा ध्यान गिलास पर था कि इसमें से पानी न गिर जाए, इसलिए आपको और कुछ दिखाई नहीं दिया ।

अब अगली बार जब भी आप मंदिर आयें, तो वहां जिस काम के लिए आए हैं सिर्फ उसी बात पर ध्यान केंद्रित करें, अर्थात अपना ध्यान सिर्फ़ परमपिता परमात्मा में ही लगायें, फिर आपको दुनियादारी का और कुछ दिखाई नहीं देगा।

तीर तेवर — सागर कुमार

व्यंग्य केसरी

घपला, घोटालेबाजी में जानवर

रविंद्र गिन्नोरे

देश के भ्रष्ट नेताओं और अधिकारियों की ढाल कई जानवर बने हुए हैं। जब कोई घपला, घोटाला होता है तो कभी दीमक, कभी चूहा और अब बंदरों का नाम लिया जाता है और मामला रफा-दफा हो जाता है। देश के भ्रष्ट सिस्टम की धड़कनें ऐसे जानवरों की बदौलत चल निकली है।

चूहे तो भ्रष्टाचारियों बड़े चहेते हैं। बिहार के चूहों ने कीर्तिमान बनाया है। बांध टूटने पर पांच सौ लोग मारे गये तो मंत्री ने कहा दिया चूहों ने बांध पोला कर दिया था इसलिए हादसा हुआ। फिर पटना में जब्तशुदा लाखों लीटर शराब चूहे गटक गये।

चूहे तो जब तब सरकारी गोदाम में लाखों टन अनाज सफ़ाचट कर देते हैं। सर्वभक्षी चूहों की आड़ में सरकारी सिस्टम चलता है। देश के भ्रष्टाचारी नेता मालामाल होते हैं। फाइल नस्तीबद्ध हो जाती है। उसके फिर से खुलने की संभावना भी ख़त्म हो जाती है जब उसे दीमक चट कर जाते हैं। सरकारी मालखानों में रखे रुपयों को दीमक खाते रहते हैं।

खूब घोटाला करो, अमानत में ख़यानत करो और सारा दोष जानवरों पर मढ़ दो।घोटाले की फाइलों में ही दीमक का प्रकोप होता है।

देश दुनिया जैसे जैसे हाईटेक हो रही हैं वैसे वैसे भ्रष्टाचारी अपने खेमे में नये नये जानवरों को भर्ती करते जा रहे हैं। हांल ही में पुलिस ने चोर को ज़ेवर सहित गिरफ्तार किया। अदालत ने पुलिस को आदेश दिया कि जेवर मालिक को सौप दिया जाए।

पुलिस ने बड़ी मासूमियत से बताया, क्या करें साहब, जेवर की पोटली तो बन्दर ले गया। युद्ध स्तर पर उसकी तलाश जारी है

समाज में दीमक लग रही है। चूहे लोगों को कुतर रहें हैं। बंदर छीना झपटी कर रहें हैं। सरकारी सिस्टम जिस तरह जानवरों का दुरपयोग कर रहा है उसके खिलाफ कोई जीव दया संगठन ऐतराज तक नहीं करता।

सरकारी सिस्टम हर घोटाले की कहांनी में चूहे, दीमक और बंदरों शामिल कर लेता है,यह बात किसी के गले नहीं उतरती मगर फाइलों का पेट भर जाता है और उस नस्तीबद्ध कर दिया जाता है।

हमारे सिस्टम की किस्मत तो देखिए, उनको बहाना बनाने के लिए इस देश में अनेक जीव-जंतु विद्यमान है. समय-समय पर भी इनका नाम लेकर चालाक लोग पतली गली से निकल जाते हैं।

भाटापारा (छत्तीसगढ़)
ravindraginnore
58@gmail.com

इतिहास

21 जून का दिन इतिहास में विश्व संगीत दिवस, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस और ग्रीष्मकालीन संक्रांति के रूप में दर्ज है। इस विशेष तिथि पर दुनिया भर में महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और ऐतिहासिक घटनाओं के साथ-साथ प्रसिद्ध हस्तियों की उपलब्धियों को याद किया जाता है।21 जून की प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएं1756: नवाब सिराज-उद-दौला ने कलकत्ता (अब कोलकाता) पर अधिकार कर लिया था।1798: आयरलैंड के विद्रोह के दौरान विकलो में 'बल्लियामुलिन की लड़ाई' (Battle of Ballinamuck) लड़ी गई।1862: अमेरिका में तत्कालीन राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने पहली बार अश्वेतों के एक समूह से मुलाकात की थी।1948: सी. राजगोपालाचारी भारत के अंतिम गवर्नर जनरल बने और उन्होंने लॉर्ड माउंटबेटन का स्थान लिया।

संक्षिप्त खबरें

स्कूल से घर लौट रही छात्रा से दुष्कर्म, आरोपी फरार

विश्व केसरी

गौरेला। छत्तीसगढ़ के गौरेला से दुष्कर्म का एक मामला सामने आया है, जहां एक आरोपी ने स्कूली छात्रा को अपने हवस का शिकार बनाया है। शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। यह पूरा मामला गौरेला थाना क्षेत्र का है। मामले की जानकारी देते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अविनाश मिश्रा ने बताया कि पीड़िता ने गौरेला थाने में स्नङ्खक्र दर्ज कराई है। पीड़िता जब स्कूल से अपने घर लौट रही थी, तभी रास्ते में आरोपी ने उसे रोक लिया और उसके साथ जबरन गलत संबंध बनाए।

घटना के बाद से आरोपी फरार

एएसपी मिश्रा ने बताया कि पीड़िता की शिकायत के आधार पर गौरेला पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर लिया है। वारदात को अंजाम देने वाला आरोपी स्थानीय निवासी है, जो घटना के बाद से ही फरार चल रहा है।

आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

पुलिस द्वारा आरोपी की सरगर्मी से पतासाजी की जा रही है और उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में सभी आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है और जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

दिनदहाड़े किराना व्यवसायी का अपहरण

विश्व केसरी

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। जिले के मरवाही थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम उषाढ़ में एक सनसनीखेज घटना सामने आई, जहां बेखौफ बदमाशों ने दिनदहाड़े एक किराना व्यवसायी का उनके घर के सामने से ही अपहरण कर लिया। वारदात इतनी दुस्साहसिक थी कि आरोपियों ने परिजनों के सामने ही व्यवसायी को जबरन कार में बैठाकर फरार हो गए। घटना का पूरा घटनाक्रम घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है, जबकि पुलिस अपहृत व्यवसायी की तलाश में जुट गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम उषाढ़ निवासी गिरीश यादव शनिवार दोपहर अपने घर के सामने खड़े थे। इसी दौरान एक नीले रंग की बलेनो कार उनके घर के पास आकर रुकी। कार से दो अज्ञात युवक नीचे उतरे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों युवकों के पास हथियार जैसी वस्तु थी। युवकों ने पहले गिरीश यादव से उनका नाम पूछा और पहचान की पुष्टि होने के बाद उन्हें जबरन पकड़ लिया। इसके बाद दोनों आरोपियों ने गिरीश यादव को कार में बैठाने की कोशिश शुरू कर दी। घर के बाहर अचानक मची हलचल को देखकर परिजन मौके पर पहुंचे और विरोध करने लगे। परिजनों ने गिरीश यादव को छुड़ाने का प्रयास किया, लेकिन बदमाशों ने उन्हें धक्का देकर अलग कर दिया। इसके बाद आरोपियों ने गिरीश यादव को जबरन कार में ठूंस दिया और तेज रफ्तार से मौके से फरार हो गए। बताया जा रहा है कि घटना के समय गिरीश यादव अर्धनग्न अवस्था में थे, जिससे स्पष्ट है कि बदमाशों ने उन्हें संभलने तक का मौका नहीं दिया। घटना की सूचना मिलते ही मरवाही थाना पुलिस सक्रिय हो गई। पुलिस ने जिले के सभी सीमावर्ती थानों और चेकपोस्टों को तत्काल अलर्ट जारी किया। मध्य प्रदेश की सीमा नजदीक होने के कारण अंतरराज्यीय नाकों पर भी सघन चेकिंग अभियान शुरू कर दिया गया है। पुलिस संदिग्ध वाहनों की जांच कर रही है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

14 किमी दूर रेल लाइन, देवभोग वंचित

सांसद रूप कुमारी चौधरी से उठी धर्मगढ़-राजिम रेल लाइन विस्तार की मांग

विश्व केसरी

गरियाबंद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियां गिनाने देवभोग पहुंचीं महासमुंद लोकसभा क्षेत्र की सांसद रूप कुमारी चौधरी के सामने स्थानीय लोगों ने लंबे समय से लंबित रेल संपर्क की मांग जोरदार तरीके से उठाई। नगर पंचायत उपाध्यक्ष सुशील यादव के नेतृत्व में नगरवासियों ने सांसद को आवेदन सौंपकर देवभोग क्षेत्र को महज 14 किलोमीटर दूर स्थित धर्मगढ़ रेल नेटवर्क से जोड़ने की मांग की।

इस दौरान लोगों से चर्चा करते हुए सांसद ने कहा कि अब तक इस संबंध में किसी ने उनसे औपचारिक मांग नहीं की थी। उन्होंने कहा कि अब आवेदन प्राप्त हुआ है तो वे निश्चित रूप से रेल लाइन विस्तार की मांग संबंधित स्तर पर रखेंगी।

40 किमी के दायरे में रेल, फिर भी देवभोग क्षेत्र उपेक्षित

देवभोग क्षेत्र ओडिशा सीमा से लगा हुआ है। यहां से करीब 40 किलोमीटर की परिधि में ओडिशा के कालाहांडी और नुआपड़ा क्षेत्रों के लोग वर्षों से रेल सुविधा का लाभ उठा रहे हैं, जबकि छत्तीसगढ़ के देवभोग और आसपास के ग्रामीण आज भी रेल संपर्क से वंचित हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र के विकास, व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए रेल संपर्क बेहद जरूरी है। नगरवासियों ने सांसद के समक्ष यह भी उल्लेख किया कि एक माह पहले ओडिशा के राज्यसभा सांसद ने जूनागढ़ से राजिम तक रेल लाइन विस्तार का प्रस्ताव रेल मंत्रालय के समक्ष रखा था। इसके बावजूद स्थानीय स्तर पर इस मांग को अपेक्षित समर्थन नहीं मिला।

ओडिशा के सांसद ने रेल मंत्री से रखी थी मांग

दरअसल, ओडिशा के राज्यसभा सांसद सुजीत कुमार ने 8 मई को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर क्षेत्रीय रेल परियोजनाओं के विस्तार को लेकर चार प्रमुख मांगें रखी थीं। इनमें राजिम से धर्मगढ़ तक सिंगल रेल लाइन निर्माण की मांग भी शामिल थी।

प्रस्तावित रेल लाइन गरियाबंद और देवभोग क्षेत्र से गुजरते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग-130 को जोड़ सकती है। सांसद ने अपने प्रस्ताव में बल्धियमाल क्षेत्र को अभनपुर से जोड़ने की संभावनाओं का भी उल्लेख किया था। इस पहल को देवभोग क्षेत्र के लोगों ने क्षेत्रीय विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है।

क्षेत्रीय समाधान मंच ने जताई नाराजगी

ओडिशा सांसद की पहल का स्वागत करते हुए देवभोग क्षेत्रीय समाधान मंच ने उनका आभार व्यक्त किया है। मंच के प्रमुख कन्हैया मांझी ने कहा कि यह आश्चर्य की बात है कि जिस मांग को स्थानीय जनप्रतिनिधियों को स्वयं आगे बढ़ाना चाहिए था, उसके लिए आवेदन का इंतजार किया गया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में लगातार विभिन्न जनप्रतिनिधियों और सांसदों के दौरे होते रहे हैं।

गधहाभाटा बना सोनपुर ग्रामीणों में खुशी

विश्व केसरी

कवर्धा। कबीरधाम जिले के गधहाभाटा गांव का नाम आधिकारिक रूप से बदलकर सोनपुर कर दिया गया है। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा नाम परिवर्तन का राजपत्र में प्रकाशन होने के बाद ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। वर्षों से गांव के नाम को लेकर उपहास और शर्मिंदगी झेल रहे ग्रामीण अब नई पहचान मिलने पर गर्व महसूस कर रहे हैं।

नाम परिवर्तन की खुशी साझा करने उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ग्राम सोनपुर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों को राजपत्र की प्रति सौंपते हुए नई पहचान के लिए बधाई दी। इस अवसर पर उन्होंने गांव के विकास के लिए 7 लाख 50 हजार रुपये के विभिन्न विकास कार्यों की घोषणा भी की। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि गांव का केवल नाम ही नहीं बदला है, बल्कि अब सोनपुर के विकास की नई शुरुआत भी हुई है। गांव में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जाएगा। ग्रामीणों ने गांव का नाम बदलने पर उपमुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। उनका कहना है कि पहले गधहाभाटा नाम के कारण उन्हें कई जगह असहज परिस्थितियों का सामना करना पड़ता था। कई बार लोग मजाक उड़ाते थे, जिससे सामाजिक प्रतिष्ठा और रिश्तों पर भी असर पड़ता था। अब सोनपुर नाम मिलने से ग्रामीण सम्मान और आत्मविश्वास के साथ अपनी पहचान बता सकेंगे।

योग दिवस कार्यक्रम में नाराज हुए विधायक ईश्वर साहू

विश्व केसरी

बेमेतरा। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर बेमेतरा में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम के दौरान उस समय असहज स्थिति बन गई, जब साजा विधायक ईश्वर साहू कार्यक्रम स्थल पर लगाए गए पोस्टर में अपना फोटो नहीं होने से नाराज होकर मंच से उठकर चले गए। बाद में अधिकारियों के समझाने-बुझाने पर वे वापस मंच पर लौटे और कार्यक्रम में शामिल हुए।

जानकारी के अनुसार, जिले में आयोजित योग दिवस कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा, बेमेतरा विधायक दीपेश साहू, साजा विधायक ईश्वर साहू सहित जिले के अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे। कार्यक्रम की तैयारियों के तहत लगाए गए पोस्टरों में बेमेतरा और नवागढ़ क्षेत्र से जुड़े जनप्रतिनिधियों के फोटो शामिल किए गए थे, लेकिन साजा विधायक ईश्वर साहू का फोटो नहीं था।

कार्यक्रम के दौरान जब विधायक ईश्वर साहू की नजर पोस्टर पर पड़ी तो उन्होंने नाराजगी जताई और मंच छोड़कर चले गए। अचानक हुए इस घटनाक्रम से कुछ देर के लिए कार्यक्रम स्थल पर हलचल मच गई। स्थिति को संभालने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों ने विधायक से चर्चा की और उन्हें मनाने का प्रयास किया। काफी देर तक चली बातचीत और मान-मनौव्वल के बाद विधायक दोबारा मंच पर लौटे तथा कार्यक्रम में शामिल हुए। इसके बाद योग दिवस का कार्यक्रम निर्धारित कार्यक्रमानुसार संपन्न हुआ।

इस घटनाक्रम के बाद कार्यक्रम की तैयारियों और प्रशासनिक समन्वय को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों के जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी के बावजूद प्रचार सामग्री में एक विधायक का फोटो शामिल नहीं किए जाने को लेकर चर्चा शुरू हो गई है।

लोरमी में रिहायशी इलाके से दुर्लभ अहिराज सांप का रेस्क्यू

विश्व केसरी

लोरमी। क्षेत्र के एक रिहायशी इलाके में दुर्लभ और विशालकाय अहिराज सांप दिखाई देने से लोगों में हड़कंप मच गया। गली में खेल रहे बच्चों की नजर सांप पर पड़ते ही उन्होंने इसकी जानकारी परिजनों को दी, जिसके बाद पूरे मोहल्ले में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

स्थानीय लोगों ने समझदारी दिखाते हुए सांप को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया और तुरंत वन विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। टीम के सदस्य प्रदीप निषाद और सुरेश यादव ने सावधानीपूर्वक रेस्क्यू अभियान चलाते हुए विशालकाय अहिराज सांप को सुरक्षित पकड़ लिया।

रेस्क्यू के बाद सांप को उसके प्राकृतिक आवास के अनुरूप घने जंगल में ले जाकर सुरक्षित छोड़ दिया गया। वन विभाग की त्वरित कार्रवाई से क्षेत्रवासियों ने राहत की सांस ली।

वन विभाग ने इस अवसर पर लोगों से अपील की है कि यदि किसी रिहायशी क्षेत्र में सांप या अन्य वन्यजीव दिखाई दें तो स्वयं पकड़ने या नुकसान पहुंचाने का प्रयास न करें। ऐसी स्थिति में तत्काल वन विभाग को सूचना दें, ताकि सुरक्षित तरीके से रेस्क्यू कर वन्यजीवों और लोगों दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

वन विभाग ने कहा कि वन्यजीव पर्यावरण का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और उनकी सुरक्षा में आम नागरिकों का सहयोग बेहद जरूरी है।

कोयला चोरी और मिलावट मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी

बिलासपुर। कोयला चोरी और मिलावट के चर्चित मामले में फरार चल रहे एक आरोपी को सकरी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। इस मामले में पुलिस पहले ही छह आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, भाटिया एनर्जी एंड कोल बेनिफिकेशन, लोखंडी के प्रतिनिधि आर.के. पाण्डेय ने सिरगिट्टी थाना में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि 9 जून को दीपका कोल माइंस से एफ/जी ग्रेड का कोयला प्लांट के लिए मंगवाया गया था। 10 जून को यह कोयला अलग-अलग ट्रेलरों के माध्यम से प्लांट पहुंचा, लेकिन लैब परीक्षण के दौरान कोयले की गुणवत्ता निर्धारित एफ/जी ग्रेड की नहीं पाई गई। जांच के दौरान ट्रेलर चालकों से पूछताछ की गई। पूछताछ में खुलासा हुआ कि रास्ते में कोयले की चोरी कर उसकी जगह निम्न गुणवत्ता का कोयला मिलाया गया था। आरोप है कि इस पूरे खेल को बालाजी कोल ट्रेडिंग एंड कंस्ट्रक्शन के संचालक और प्लांट के सुपरवाइजर की मिलीभगत से अंजाम दिया गया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर झारखंड निवासी आशिक हुसैन अंसारी (23), फैजान रजा अंसारी (23), फुजैल अंसारी (28) तथा बिलासपुर निवासी गौरव राजपूत (28), सीबु खान (29) और दुर्ग निवासी दिलीप कुमार यादव (36) को गिरफ्तार कर पहले ही न्यायिक रिमांड पर भेजा जा चुका है।

झाड़-फूंक के बहाने मासूम का अपहरण पुलिस ने बच्चे को सकुशल लाया

विश्व केसरी

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में एक माह के मासूम बच्चे के अपहरण का सनसनीखेज मामला सामने आया है। जिला अस्पताल में इलाज के लिए पहुंचे एक पहाड़ी कोरवा परिवार को झाड़-फूंक के नाम पर झांसे में लेकर एक महिला नवजात को अपने साथ लेकर फरार हो गई। मामले की सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी महिला को बगीचा क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया और मासूम बच्चे को सकुशल बरामद कर उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश पाटनवार ने बताया कि बगीचा थाना क्षेत्र के ग्राम मरंगीपाठ निवासी एक पहाड़ी कोरवा दंपती अपने एक माह के बच्चे का इलाज कराने जिला अस्पताल जशपुर आए थे। इसी दौरान उनकी मुलाकात एक अज्ञात महिला से हुई। महिला ने बच्चे को झाड़-फूंक और टोने-टोटके के जरिए ठीक करने का दावा करते हुए परिवार का विश्वास जीत लिया। बताया जा रहा है कि आरोपी महिला इलाज के बाद परिवार को जशपुर बस स्टैंड ले गई। वहां उसने पहले परिजनों को हड़िया पिलाई और फिर एक होटल में भोजन कराने के लिए ले गई। जब बच्चे के माता-पिता खाना खाने में व्यस्त थे, उसी दौरान महिला मासूम को लेकर चुपचाप वहां से फरार हो गई। कुछ देर बाद जब परिजनों को बच्चे के गायब होने की जानकारी मिली तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। उन्होंने आसपास काफी खोजबीन की, लेकिन बच्चे और महिला का कोई पता नहीं चला। इसके बाद परिजनों ने सिटी कोतवाली जशपुर पहुंचकर मामले की शिकायत दर्ज कराई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की। पुलिस टीम ने बस स्टैंड, होटल और आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। तकनीकी साक्ष्यों, मुखबिरों से मिली जानकारी और पूछताछ के आधार पर पुलिस ने आरोपी महिला की पहचान कर ली। इसके बाद बगीचा क्षेत्र में दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी महिला के कब्जे से एक माह के मासूम बच्चे को सुरक्षित बरामद कर लिया। बच्चे की चिकित्सकीय जांच कराने के बाद उसे उसके माता-पिता को सौंप दिया गया। अपने बच्चे को सकुशल वापस पाकर परिजनों ने राहत की सांस ली और पुलिस का आभार जताया।

फिलहाल पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ अपहरण सहित संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि महिला ने बच्चे का अपहरण किस उद्देश्य से किया था और कहीं वह किसी बड़े गिरोह से तो जुड़ी नहीं है। मामले की विस्तृत जांच जारी है।

ट्रक हादसे में युवक की मौत, 10 लाख मुआवजे पर खत्म हुआ जाम

विश्व केसरी

मुंगेली। जिले के सरगांव तहसील अंतर्गत ग्राम रामबोड़ स्थित वासुदेव ट्रेड प्लांट में हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे के बाद शनिवार को जमकर बवाल मच गया। प्लांट परिसर में ट्रक की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। घटना से आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने मृतक का शव रायपुर-बिलासपुर नेशनल हाईवे पर रखकर चक्काजाम कर दिया। कई घंटों तक चले इस प्रदर्शन के कारण हाईवे पर यातायात पूरी तरह बाधित रहा और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। बाद में प्रशासन की मध्यस्थता और 10 लाख रुपये मुआवजा देने की सहमति बनने के बाद आंदोलन समाप्त हुआ।

जानकारी के अनुसार ग्राम करही निवासी धर्मेंद्र यादव वासुदेव ट्रेड प्लांट परिसर में कार्य के दौरान ट्रक की चपेट में आ गया था। हादसा इतना गंभीर था कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की खबर मिलते ही परिजन और ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए। मृतक के परिवार का आरोप था कि हादसे के बाद प्लांट प्रबंधन की ओर से न तो पर्याप्त सहायता दी गई और न ही मुआवजे को लेकर कोई स्पष्ट आश्वासन मिला। इसी बात को लेकर लोगों में भारी नाराजगी फैल गई।

आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने मृतक का शव रायपुर-बिलासपुर नेशनल हाईवे पर रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि मृतक परिवार को उचित मुआवजा, आर्थिक सहायता और न्याय मिलने तक आंदोलन जारी रहेगा। चक्काजाम के चलते हाईवे पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थिति को देखते हुए पुलिस और प्रशासन की टीम तत्काल मौके पर पहुंची।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेता आशुतोष पांडे, दिलीप कौशिक सहित कई स्थानीय जनप्रतिनिधि और सामाजिक कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने मृतक परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए उन्हें उचित मुआवजा और न्याय दिलाने की मांग का समर्थन किया। आंदोलनकारियों ने प्लांट प्रबंधन पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि औद्योगिक इकाइयों में श्रमिकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर लापरवाही बरती जा रही है, जिसके कारण इस तरह की घटनाएं सामने आ रही हैं।

बीएसपी स्कूल परिसर में लटका मिला कॉलेज छात्र का शव

सुसाइड नोट से मचा हड़कंप

विश्व केसरी

दुर्ग/भिलाई। भिलाई के टाउनशिप क्षेत्र में एक कॉलेज छात्र द्वारा आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। सेक्टर-4 स्थित बंद पड़े बीएसपी स्कूल परिसर में रविवार को 22 वर्षीय युवक का शव फंदे से लटका मिला। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और जांच शुरू कर दी है।

मृतक की पहचान दीपांशु वर्मा (22 वर्ष) के रूप में हुई है, जो कल्याण कॉलेज का छात्र था। उसके पिता भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) में कार्यरत हैं। बताया जा रहा है कि दीपांशु घर से लापता था, जिसके बाद परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। इसी दौरान उसका शव बंद पड़े बीएसपी स्कूल परिसर में फंदे से लटका मिला।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दीपांशु ने घटना से पहले अपनी मां से 100 रुपये मांगे थे। पुलिस को मिली जानकारी के अनुसार, उन्हीं पैसों से उसने रस्सी खरीदी थी। घटनास्थल से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है, जिसने मामले को और संवेदनशील बना दिया है। सुसाइड नोट में लिखा है, 'मुझसे इतनी नफरत के लिए धन्यवाद। मुझे दफनाना नहीं, मेरा अंतिम संस्कार करना।' इस संदेश के सामने आने के बाद आत्महत्या के पीछे पारिवारिक, सामाजिक या अन्य किसी मानसिक दबाव की आशंका जताई जा रही है।

शीर्ष 10 भारतीय कंपनियों में से नौ का मार्केटकैप 2.15 लाख करोड़ रुपए बढ़ा, भारती एयरटेल टॉप पर रहा

विश्व केसरी

मुंबई। वैश्विक अस्थिरता में कमी से भारतीय शेयर बाजार में जोरदार तेजी देखने को मिली है और इससे देश की शीर्ष 10 भारतीय कंपनियों में से नौ का मार्केटकैप 2.15 लाख करोड़ रुपए बढ़ा है।

15-19 जून की अवधि में सेंसेक्स 1,274.95 अंक या 1.69 प्रतिशत की मजबूती के साथ 76,802.90 और निफ्टी 390.20 अंक या 1.65 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,013.10 पर बंद हुआ।

इस दौरान भारतीय एयरटेल, एलआईसी, बजाज फाइनेंस, एलएंडटी, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक, एचयूएल और आईसीआईसीआई बैंक के मार्केट कैप में बढ़ोतरी हुई है। दूसरी तरफ आईटी कंपनी टीसीएस के मार्केटकैप में कमी देखी गई।

टॉप 10 कंपनियों में भारती एयरटेल के मार्केटकैप में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी हुई, जिससे इसका मूल्यांकन 52,432.67 करोड़ बढ़कर 11.63 लाख करोड़ रुपए हो गया।

सरकारी कंपनी लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एलआईसी) का मार्केटकैप 51,675.23 करोड़ रुपए बढ़कर 5.57 लाख करोड़ रुपए और बजाज फाइनेंस का बाजार मूल्यांकन 26,553.71 करोड़ रुपए बढ़कर 5.99 लाख करोड़ रुपए हो गया।

रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केटकैप 22,464.02 करोड़ रुपए बढ़कर 17.72 लाख करोड़ रुपए हो गया है।

समीक्षा अवधि के दौरान एलएंडटी का मार्केटकैप 21,929.12 करोड़ रुपए बढ़कर 5.79 लाख करोड़ रुपए, एसबीआई का बाजार पूंजीकरण 16,753.57 करोड़ रुपए बढ़कर 9.55 करोड़ रुपए हो गया है।

इसके साथ ही, एचडीएफसी बैंक का मार्केटकैप 11,948.72 करोड़ रुपए बढ़कर 12.01 लाख करोड़ रुपए हो गया है। हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केटकैप 6,661.10 करोड़ रुपए बढ़कर 5.16 लाख करोड़ रुपए हो गया है।

आईसीआईसीआई बैंक का मार्केटकैप 4,724.22 करोड़ रुपए बढ़कर 9.66 लाख करोड़ रुपए हो गया है।

दूसरी तरफ, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केटकैप 12,699.49 करोड़ रुपए बढ़कर 7.69 लाख करोड़ रुपए हो गया है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज भारत की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है। इसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

वैश्विक अस्थिरता में कमी से आरबीआई रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर रख सकता है स्थिर: रिपोर्ट

विश्व केसरी

नई दिल्ली। वैश्विक अस्थिर में कमी आने के बाद भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) रेपो रेट को लेकर अपनी वेट-एंड-वॉच नीति को जारी रख सकता है और आने वाली मौद्रिक नीति में ब्याज दर को 5.25 प्रतिशत पर स्थिर रखा जा सकता है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।

बैंक ऑफ अमेरिका (बोफा) सिक्योरिटीज की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका-ईरान शांति समझौते से ग्लोबल अनिश्चितता में बड़ी कमी आई है। इससे केंद्रीय बैंकों को एनर्जी की कीमतों में उतार-चढ़ाव पर प्रतिक्रिया देने के बजाय डेटा पर आधारित फैसले लेने की ज्यादा जगह मिली है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि आरबीआई पॉलिसी की दिशा में कोई भी बदलाव करने से पहले मानसून की प्रगति, खाने-पीने की चीजों की महंगाई के ट्रेंड और कच्चे तेल की कीमतों पर नजर रखना जारी रखेगा।

आरबीआई ने जून में हुई एमपीसी की बैठक में वैश्विक आर्थिक माहौल और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों को लेकर चिंताओं के बीच रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर बनाए रखा और अपनी न्यूट्रल पॉलिसी का रुख भी बरकरार रखा।

इसके अलावा, केंद्रीय बैंक ने अपने मैक्रो-इकोनॉमिक अनुमानों में बदलाव किया। मौसम से जुड़े जोखिमों और खाने-पीने की चीजो की कीमतों को लेकर अनिश्चितताओं का हवाला देते हुए, बैंक ने वित्त वर्ष 27 के लिए जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 30 आधार अंक घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया, जबकि महंगाई का अनुमान 50 आधार अंक बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत कर दिया।

एमपीसी की बैठक के मिनट्स से पता चला कि सभी सदस्य महंगाई के बढ़ते जोखिमों और अस्थिर आर्थिक माहौल को लेकर एकमत थे।हालांकि, रिपोर्ट के अनुसार, नीति निर्माताओं ने यह भी माना कि महंगाई नियंत्रण में है और व्यापक स्तर पर महंगाई का असर आगे भी बने रहने के कोई तत्काल संकेत नहीं हैं।

डॉलर के मुकाबले रुपये में रिकवरी से भारतीय बाजारों में हो सकती है एफपीआई की वापसी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर स्थिरता बढ़ने से डॉलर के मुकाबले रुपये में रिकवरी देखने को मिल सकती है और इससे विदेशी निवेशकों की वापसी फिर से भारतीय बाजारों में हो सकती है, जो कि पिछले कुछ समय से शुद्ध विक्रेता बने हुए हैं। यह जानकारी विश्लेषकों की ओर से रविवार को दी गई।

निफ्टी 500 के लिए वित्त वर्ष 26 में उम्मीद से बेहतर 15.6 प्रतिशत की आय वृद्धि बाजार को बुनियादी सपोर्ट और मजबूती दे रही है। विश्लेषकों ने आगे कहा कि इस साल अब तक खराब मानसून एक चिंता का विषय बना हुआ है।

15 जून के बाद से फॉरेन पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की गतिविधियों में साफ बदलाव आया है। 19 जून को खत्म हुए हफ्ते के दौरान, एफरीआई ने तीन सत्रों में इक्विटी में खरीदारी की, जबकि सिर्फ दो दिन इक्विटी में बिकवाली की।

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार डॉ. वी.के. विजयकुमार ने बताया, '19 जून को खत्म हुए हफ्ते में, एफपीआई ने कैश मार्केट में 3,386 करोड़ रुपये की इक्विटी की नेट खरीदारी की है। इससे यह नतीजा निकाला जा सकता है कि भारत में एफपीआई की लगातार बिकवाली का दौर खत्म हो गया है। एफपीआई की गतिविधियों में इस बदलाव की मुख्य वजह रुपये में स्थिरता और उसमें धीरे-धीरे हो रही बढ़त है।'

भारतीय रुपये ने डॉलर के मुकाबले 96.96 के निचले स्तर (जो 20 मई को देखा गया था) से 94.34 (19 जून को क्लोजिंग रेट) तक अच्छी रिकवरी की है।

विश्लेषक ने कहा, 'वित्त वर्ष 2027 में एफसीएनआर बी बॉन्ड के जरिए डॉलर का काफी इनफ्लो होने की उम्मीद है। इसके साथ ही ब्रेंट क्रूड की कीमतों में गिरावट (80 डॉलर के स्तर तक) से भारत को वित्त वर्ष 2027 में बिना किसी दबाव के चालू खाते घाटे को फंड करने में मदद मिलेगी।'

दक्षिण कोरिया और ताइवान में कुछ ही शेयरों में निवेश करने से जुड़ा कंसंट्रेशन रिस्क एफपीआई को थोड़ा परेशान कर रहा है।

भारत-यूरोपीय संघ एफटीए मार्च 2027 तक हो सकता है लागू : पीयूष गोयल

विश्व केसरी

मुंबई । भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) दिसंबर के अंत तक साइन हो जाएगा। इसके साथ, यह फरवरी-मार्च 2027 तक लागू हो सकता है। यह जानकारी केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को दी।

देश की आर्थिक राजधानी में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के एक कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि यह समझौता कई तरह के सामानों पर टैरिफ कम करके यूरोपीय बाजार तक भारत की पहुंच को काफी बढ़ा देगा।

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा, 'अब लगभग जीरो ड्यूटी के साथ, पूरा यूरोपीय बाजार हमारे लिए खुल जाएगा। ईयू के साथ एफटीए पर दिसंबर तक हस्ताक्षर हो जाएंगे और यह फरवरी-मार्च तक लागू हो जाएगा।'

भारत और 27 देशों वाले यूरोपीय संघ ने 27 जनवरी को एफटीए के लिए बातचीत पूरी होने की घोषणा की थी, जिसे गोयल ने 'मदर ऑफ ऑल डील' बताया था।

इस प्रस्तावित समझौते के तहत, भारत के लगभग 93 प्रतिशत निर्यात को यूरोपीय संघ के बाजार में बिना किसी शुल्क के पहुंच मिलने की उम्मीद है।

मंत्री ने वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की बढ़ती अहमियत पर जोर देते हुए कहा कि दुनिया भर के देश भारत के साथ आर्थिक साझेदारी मजबूत करने के इच्छुक हैं।

गोयल ने कहा, 'पूरी दुनिया भारत की ओर देख रही है।'

इसके अलावा, केंद्रीय मंत्री ने बताया कि अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर इस हफ्ते भारत का दौरा करने वाले हैं, ताकि दोनों देशों के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत हो सके।

संबोधन के दौरान, गोयल ने आर्थिक विकास के साथ-साथ भारत की सांस्कृतिक विरासत को बचाए रखने के महत्व पर भी जोर दिया। देश के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि विकास और विरासत साथ-साथ चलने चाहिए।

गोयल ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा हमसे कहते हैं कि देश को विकास की जरूरत है, और देश को अपनी विरासत की भी जरूरत है। कोई भी देश अपनी संस्कृति, विरासत और परंपराओं का ध्यान रखे बिना विकसित राष्ट्र नहीं बना है।

मार्केट आउटलुक : कच्चा तेल, अमेरिका-ईरान शांति वार्ता और घरेलू आर्थिक डेटा से निर्धारित होगी शेयर बाजार की चाल

विश्व केसरी

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार के लिए अलगा हफ्ता काफी अहम होगा। इस दौरान कच्चा तेल, अमेरिका-ईरान शांति वार्ता और घरेलू आर्थिक डेटा जैसे इन्फ्रास्ट्रक्चर आउटपुट, पीएमआई और फॉरेक्स डेटा से शेयर बाजार की दिशा तय होगी।

कच्चे तेल की कीमतों पर अगले हफ्ते निवेशकों की निगाहें होंगी। अमेरिका-ईरान शांति वार्ता के लिए एमओयू साइन होने के बाद कच्चे तेल में गिरावट देखने को मिली है और फिलहाल यह 80 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गई है। हालांकि, रिपोर्ट्स के मुताबिक, इजरायल द्वारा लेबनान पर हमले जारी रखने के कारण ईरान ने फिर से हॉर्मुज स्ट्रेट को बंद करने ऐलान किया है, जिससे अस्थिरता और बढ़ गई है।

इसके साथ ही, अमेरिका-ईरान की शांति वार्ता पर अगले हफ्ते निवेशकों की निगाहें होंगी और इससे जुड़ा कोई भी अपडेट बाजार की दिशा को प्रभावित कर सकता है।

घरेलू आर्थिक आंकड़े भी अगले हफ्ते बाजार का रुझान तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे। वाणिज्य मंत्रालय की ओर से 22 जून को इन्फ्रास्ट्रक्चर आउटपुट डेटा जारी किया जाएगा। 23 जून को पीएमआई और 26 जून को विदेशी मुद्रा भंडार का डेटा जारी किया जाएगा।

भारतीय शेयर बाजार के लिए बीता हफ्ता मुनाफे वाला रहा। इस दौरान सेंसेक्स 1,274.95 अंक या 1.69 प्रतिशत की मजबूती के साथ 76,802.90 और निफ्टी 390.20 अंक या 1.65 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,013.10 पर था।

15 से 19 जून के सत्र में मिडकैप और स्मॉलकैप दोनों में तेजी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 1,749.20 अंक या 2.88 प्रतिशत की मजबूती के साथ 62,517.30 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 587 अंक या 3.23 प्रतिशत की तेजी के साथ 18,784.45 पर था।

सूचकांकों में निफ्टी इंडिया डिफेंस (6.58 प्रतिशत), निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स (6.44 प्रतिशत), निफ्टी रियल्टी (5.50 प्रतिशत), निफ्टी कंजप्शन (3.50 प्रतिशत), निफ्टी एनर्जी (3.32 प्रतिशत), निफ्टी इन्फ्रा (2.98 प्रतिशत) और निफ्टी पीएसई (2.84 प्रतिशत) की मजबूती के साथ बंद हुआ। इस दौरान केवल निफ्टी आईटी ही (1.33 प्रतिशत) की कमजोरी के साथ बंद हुआ।

बाजार की पाठशाला: आईटीआर में गलती हो गई है? रिटर्न जमा करने के बाद भी कर सकते हैं सुधार, जानिए क्या कहता है नियम

विश्व केसरी

नई दिल्ली। इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) भरते समय छोटी-बड़ी गलतियां होना आम बात है। कई बार करदाता किसी बैंक खाते से मिले ब्याज को दिखाना भूल जाते हैं, गलत कटौती (डिडक्शन) क्लेम कर लेते हैं या फिर गलत आईटीआर फॉर्म का चयन कर बैठते हैं। हालांकि आयकर विभाग ऐसे मामलों में करदाताओं को राहत देता है। आयकर अधिनियम की धारा 139(5) के तहत करदाता अपनी पहले से दाखिल रिटर्न में सुधार कर सकते हैं। इसे रिवाइज्ड रिटर्न कहा जाता है, जो गलतियों को ठीक करने का कानूनी और आसान तरीका है।

यदि किसी व्यक्ति ने अपनी मूल रिटर्न समय पर या विलंबित रिटर्न के रूप में दाखिल की है और बाद में कोई त्रुटि सामने आती है, तो वह संशोधित रिटर्न दाखिल कर सकता है। इसके जरिए छूटी हुई आय जोड़ना, गलत आय को सही करना, डिडक्शन में सुधार करना, टैक्स कैलकुलेशन की गलती ठीक करना या गलत आईटीआर फॉर्म बदलना संभव है। संशोधित रिटर्न दाखिल होने के बाद वही अंतिम और वैध रिटर्न मानी जाती है और पुरानी रिटर्न स्वत: निरस्त हो जाती है। विशेषज्ञों के अनुसार, रिवाइज्ड रिटर्न दाखिल करने में समयसीमा का विशेष ध्यान रखना जरूरी है। करदाता केवल निर्धारित अवधि के भीतर ही अपनी रिटर्न में बदलाव कर सकते हैं। यदि आयकर विभाग द्वारा असेसमेंट पूरा कर लिया जाता है, तो संशोधित रिटर्न दाखिल करने का विकल्प समाप्त हो जाता है। ऐसे मामलों में बाद में केवल अपडेटेड रिटर्न (आईटीआर-यू) का विकल्प बचता है, जिसमें अतिरिक्त टैक्स और ब्याज का भुगतान करना पड़ सकता है। रिवाइज्ड रिटर्न का सबसे बड़ा फायदा यह है कि केवल गलती सुधारने के लिए कोई अलग जुर्माना नहीं लगाया जाता। हालांकि यदि मूल रिटर्न ही समयसीमा के बाद दाखिल की गई थी, तो संबंधित लेट फीस और अन्य शुल्क लागू हो सकते हैं। इसलिए समय पर रिटर्न दाखिल करना हमेशा बेहतर माना जाता है।

करदाताओं के लिए एक और राहत की बात यह है कि निर्धारित समय सीमा के भीतर वे एक से अधिक बार भी रिवाइज्ड रिटर्न दाखिल कर सकते हैं।

हालांकि टैक्स विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि सभी आवश्यक सुधार एक साथ करके एक ही बार संशोधित रिटर्न दाखिल करना अधिक सुविधाजनक और सुरक्षित रहता है।

देश की आर्थिक स्थिति पर चर्चा के लिए संसदीय समिति की जल्द होगी बैठक

विश्व केसरी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट से पैदा हुई अनिश्चितताओं के बीच, देश में बदलती आर्थिक स्थिति पर चर्चा करने के लिए संसदीय वित्त समिति जल्द ही बैठक करेगी।

समिति के चेयरमैन भर्तृहरि महताब ने कहा, 'गंभीर चुनौतियों के बावजूद, भारत की अर्थव्यवस्था मजबूती से उभर रही है। कुछ बहुत अच्छे संकेत भी हैं, जैसे कि पिछले साल की तुलना में परिवारों की बचत में भी बढ़ोतरी हुई है।'

उन्होंने कहा कि चुनौती यह है कि आर्थिक विकास दर को बढ़ाने के लिए सरकारी निवेश तो बढ़ रहा है, लेकिन निजी निवेश में तेजी नहीं आ रही है।

समिति ने इस महीने के तीसरे हफ्ते के आस-पास फिर से बैठक करने का फैसला किया है और सरकार के लिए सुझावों के साथ एक रिपोर्ट भी तैयार करेगी।

लोकसभा बुलेटिन के अनुसार, वित्त मामलों की स्थायी समिति ने 2025-26 के दौरान विस्तार से जांच के लिए 'देश में बदलती आर्थिक स्थितियां' को एक अतिरिक्त विषय के तौर पर चुना है।

संसदीय समितियां गठन के तुरंत बाद चर्चा के लिए विषय चुनती हैं, लेकिन उन्हें बदलती परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त विषय चुनने की भी आजादी होती है।

इस अलावा, शुक्रवार को जारी आरबीआई की मॉनेटरी पॉलिसी कमिटी की बैठक के मिनट्स में बताया गया कि अर्थव्यवस्था के मजबूत आधार की वजह से भारत पश्चिम एशिया संकट से पैदा हुई दिक्कतों का सामना करने में सफल रहा है।

मौद्रिक नीति कमेटी (एमपीसी) के सदस्य नागेश कुमार ने कहा, 'पिछले ज्यादातर आर्थिक संकटों (जैसे ग्लोबल फाइनेंशियल क्राइसिस, टेपर टैंट्रम या कोविड-19) के मुकाबले, पश्चिम एशिया संकट के समय भारतीय अर्थव्यवस्था के व्यापक आधार कहीं अधिक मजबूत थे।'

उन्होंने कहा कि फरवरी के आखिर में टकराव शुरू होने से पहले, भारतीय अर्थव्यवस्था जबरदस्त ग्रोथ और बहुत कम महंगाई वाले 'गोल्डीलॉक्स मोमेंट' में थी। देश के पास लगभग 11 महीने के आयात को कवर करने वाला करीब 700 अरब डॉलर का मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार और बेहतर निर्यात स्थिति, साथ ही सर्विसेज के अच्छे निर्यात की वजह से चालू खाता घाटा भी ठीक-ठाक स्तर पर था। हालांकि 10 साल के औसत से 20 प्रतिशत अधिक पानी वाले बांधों के स्तर से मानसून में होने वाली संभावित कमी को कम करने में मदद मिल सकती है।

खुदा का दूसरा रूप हैं मेरे पापा फादर्स डे पर अपने डैड को भेजें ये चुनिंदा शुभकामना संदेश

आज यानी 21 जून का भारत समेत दुनिया के कई देशों में फादर्स डे सेलिब्रेट किया जा रहा है. यह जून महीने के तीसरे रविवार को पड़ता है. फादर्स डे पिता के प्यार, समर्पण, त्याग, सम्मान, उनके योगदानों को सराहने के लिए मनाया जाता है. आज का दिन सभी पिता के प्रति आभार व्यक्त करने का खास मौका है. एक पिता ना सिर्फ घर का मुखिया होता है, बल्कि अपने परिवार, बच्चों की देखभाल, उनकी परवरिश, मार्गदर्शन, पालन-पोषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. फादर्स डे के दिन पिता के त्याग, मेहनत, परिवार के प्रति उनकी जिम्मेदारियों को सम्मान देने के लिए मनाया जाता है. आज के दिन भले आप अपने पापा से दूर हैं, लेकिन उन्हें स्पेशल महसूस कराने के लिए आप उन्हें प्यारे बधाई संदेश तो भेज ही सकते हैं. यहां आपके लिए हम लाएं कुछ चुनिंदा फादर्ड डे पर बधाई संदेश, डालें एक नजर...

पिता वह मजबूत छाया हैं, जो हर मुश्किल में हमारा साथ निभाते हैं. आपके प्यार, त्याग और मार्गदर्शन के लिए दिल से धन्यवाद. हैप्पी फादर्स डे!

पिता घर की नींव होते हैं, जो खुद संघर्ष करके परिवार के सपनों को पूरा करते हैं. ऐसे सभी समर्पित और प्रेरणादायक पिताओं को फादर्स डे की हार्दिक शुभकामनाएं.

पिता का प्यार शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता. वह परिवार की ताकत, बच्चों की प्रेरणा और घर की पहचान होते हैं. आपको फादर्स डे की बहुत-बहुत बधाई.

मेरी पहचान, मेरा आत्मविश्वास और मेरी सफलता, सब आपके संस्कारों की देन है. जीवन के हर मोड़ पर साथ देने वाले मेरे प्यारे पापा को फादर्स डे की ढेरों शुभकामनाएं.

पिता वह अनमोल रिश्ता हैं, जो बिना किसी स्वार्थ के हमेशा हमारे साथ खड़े रहते हैं. उनके प्यार, त्याग और मार्गदर्शन का कोई मूल्य नहीं लगाया जा सकता. फादर्स डे के इस खास अवसर पर आपका स्नेह और आशीर्वाद हमेशा बना रहे. सभी पिताओं को इस दिन की हार्दिक शुभकामनाएं!

आपने अपने सपनों को पीछे रखकर हमारे सपनों को उड़ान दी. आपके त्याग और समर्पण को मेरा नमन. हैप्पी फादर्स डे, पापा!

मेरी हर सफलता के पीछे आपका विश्वास और आशीर्वाद है. आप जैसा पिता मिलना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सौभाग्य है. फादर्स डे की हार्दिक शुभकामनाएं!

Travel Tips: प्लेन में फोन का फ्लाइट मोड ऑन करने के लिए क्यों कहा जाता है? अगर मोबाइल ऑफ न करें तो क्या होगा, यहां जानें

अगर आप एयर प्लेन से ट्रैवल करते हैं, तो आपने हर उड़ान में यह घोषणा जरूर सुनी होगी कि अपने मोबाइल फोन को एयरप्लेन मोड पर कर लें. लेकिन कई लोगों के मन में सवाल आता है कि अगर हम ऐसा नहीं करें तो क्या होगा? क्या विमान को कोई खतरा हो सकता है? चलिए इस लेख में समझते हैं.

एयर प्लेन में ट्रैवल करना सबसे ज्यादा सेफ माना जाता है. लेकिन इसमें ट्रैवल करते वक्त आप मोबाइल पर किसी से बात नहीं कर सकते हैं. एविएशन गाइडलाइन्स के अनुसार, उड़ान के दौरान प्लेन में मौजूद सभी मोबाइल फोन्स को बंद रखना जरूरी होता है. टेकऑफ से पहले ही एयर होस्टेस सभी यात्रियों से अपने-अपने फोन को स्वीच ऑफ करने के लिए रिक्वेस्ट करती हैं. लेकिन ज्यादातर लोग इसके पीछे की वजह नहीं जानते हैं.

विशेषज्ञों और पायलटों के अनुसार, अगर किसी एक यात्री का फोन गलती से एयरप्लेन मोड पर नहीं है, तो आमतौर पर कोई बड़ी समस्या नहीं होती. विमान तुरंत खराब नहीं होगा और न ही कोई दुर्घटना होने की संभावना होती है. लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि इस नियम को नजरअंदाज किया जा सकता है.

फोन ऑफ क्यों करवाया जाता है?

जब मोबाइल फोन नेटवर्क सिग्नल खोजता है, तो वह रेडियो फ्रीक्वेंसी सिग्नल भेजता है. जमीन से लगभग 30,000 फीट की ऊंचाई पर फोन लगातार नेटवर्क पकड़ने की कोशिश करता है. यदि विमान में मौजूद सैकड़ों फोन एक साथ ऐसा करें, तो इससे पायलट और एयर ट्रैफिक कंट्रोल के बीच होने वाले रेडियो संचार में हल्का हस्तक्षेप या शोर पैदा हो सकता है.

हालांकि आधुनिक विमान काफी एडवांस टेक्नोलॉजी से लैस होते हैं और उनके सिस्टम सेफ होते हैं, फिर भी विमानन विशेषज्ञ किसी भी तरह का अनावश्यक जोखिम नहीं लेना चाहते. यही कारण है कि एयरप्लेन मोड को एक सुरक्षा नियम के रूप में लागू किया गया है.

बैटरी की बचत होती है

यात्रियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि एयरप्लेन मोड लगाना बेहद आसान है और इसमें केवल कुछ सेकंड लगते हैं. इससे आपका फोन भी बैटरी बचाता है क्योंकि वह लगातार नेटवर्क खोजने की कोशिश नहीं करता.

यात्रा के दौरान ध्यान रखें ये बाते

विमान में बैठते ही फोन को एयरप्लेन मोड पर कर दें. यदि एयरलाइन अनुमति दे, तो एयरप्लेन मोड में रहते हुए वाई-फाई का उपयोग कर सकते हैं. सुरक्षा निर्देशों को हमेशा गंभीरता से लें. छोटे नियम भी सामूहिक सुरक्षा के लिए बनाए जाते हैं।

अगली बार जब फ्लाइट में एयरप्लेन मोड ऑन करने की घोषणा सुनें, तो याद रखें कि यह नियम किसी एक यात्री के लिए नहीं बल्कि पूरे विमान में मौजूद सभी लोगों की सुरक्षा और बेहतर व्यवस्था को ध्यान में रखकर बनाया गया है।

मेंढक की टर्र-टर्र से जुगनुओं की चमक तक...इन 5 संकेतों से जानिए मानसून अभी कितना दूर?

गर्मी अपने पीक पर है. मानसून दस्तक दे चुका है, लेकिन अभी उत्तर भारत नहीं पहुंचा है. मौसम विभाग ने 25 जून तक बारिश का अनुमान लगाया है. जब आधुनिक मौसम विज्ञान इतना विकसित नहीं था, तब किसान प्रकृति के संकेतों को देखकर ही मौसम का अनुमान लगाया करते थे. आज भी गांवों में कई लोग मानते हैं कि बारिश आने से पहले प्रकृति अलग-अलग संकेत देने लगती है. इन संकेतों में क्या-क्या शामिल हैं आइये लखीमपुर खीरी के वन्य जीव विशेषज्ञ प्रतीक कश्यप से जानते हैं. लोकल 18 से प्रतीक बताते हैं कि ये ऐसे संकेत हैं जिन्हें लोग सदियों से मानसून के आगमन से जोड़ते आए हैं.

लखीमपुर खीरी के वन्य जीव विशेषज्ञ प्रतीक कश्यप लोकल 18 से बताते हैं कि जब आधुनिक मौसम विज्ञान इतना विकसित नहीं था, तब किसान बारिश का अनुमान लगाने के लिए प्रकृति के कुछ संकेतों को पकड़ते थे. इनमें मेंढकों की टर्र-टर्र, टिटहरी की तेज आवाज, जुगनुओं की चमक, चींटियों का व्यवहार, पक्षियों की गतिविधियां और मोर का नृत्य शामिल है. ये ऐसे संकेत हैं जिन्हें लोग सदियों से मानसून के आगमन से जोड़ते आए हैं.

भीषण गर्मी से तप रहे उत्तर भारत में मानसून का इंतजार केवल किसानों को ही नहीं बल्कि पशु-

पक्षियों और कीट-पतंगों को भी है. जैसे-जैसे वातावरण में नमी बढ़ती है, प्रकृति में कई बदलाव दिखाई देने लगते हैं, जिन्हें देखकर अनुभवी किसान बारिश का अनुमान लगाने लगते हैं. लखीमपुर खीरी जिले में भी इन दोनों भीषण गर्मी का सितम जारी है.

ग्रामीण क्षेत्रों में मान्यता है कि जब मेंढक जोर-जोर से टर्राने लगें तो समझ लेना चाहिए कि बारिश नजदीक है. मेंढक उभयचर जीव है. उन्हें जीवित रहने के लिए नमी की आवश्यकता होती है. मानसून से पहले वातावरण में आर्द्रता बढ़ने पर उनकी सक्रियता बढ़ जाती है. यही कारण है कि वे अधिक संख्या में बाहर निकलते हैं और आवाज करने लगते हैं. कई दिनों तक मेंढकों की आवाज सुनाई देने लगे तो कुछ ही दिनों में वर्षा होने की संभावना बढ़ जाती है. गांवों में मेंढकों की टर्राहट को वर्षा का प्राकृतिक संकेत माना जाता है.

टिटहरी एक ऐसा पक्षी है, जिसे ग्रामीण मौसम का प्रहरी मानते हैं. मानसून के आगमन से पहले टिटहरी की आवाज में बढ़ोतरी देखी जाती है. खेतों और खुले स्थानों में यह पक्षी लगातार आवाज करता दिखाई देता है. जब टिटहरी बार-बार बोलने लगे तो समझिए मौसम बदलने वाला होता है. हालांकि वैज्ञानिक दृष्टिकोण से यह उसके प्रजनन और सुरक्षा व्यवहार का हिस्सा हो सकता है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में इसे वर्षा के संकेत के रूप में देखा जाता है.

ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी बारिश से पहले चींटियां अपने बिलों से अंडे और भोजन बाहर निकालकर ऊंचे स्थानों की ओर ले जाती दिखाई देती हैं. ऐसा माना जाता है कि वे पहले ही आने वाली नमी और जलभराव का आभास कर लेती हैं. गांवों में यह धारणा काफी लोकप्रिय है कि यदि बड़ी संख्या में चींटियां कतार बनाकर स्थान बदल रही हों तो जल्द ही बारिश हो सकती है.

गर्मी के अंतिम दिनों और मानसून के आगमन से पहले रात के समय जुगनुओं की संख्या बढ़ जाती है. खेतों, बागों और झाड़ियों के आसपास उनकी टिमटिमाती रोशनी देखने को मिलती है. जुगनुओं की सक्रियता नमी और तापमान पर निर्भर करती है. वातावरण में नमी बढ़ने पर वे अधिक सक्रिय हो जाते हैं. यही कारण है कि बारिश से पहले रातों में जुगनुओं की चमक बढ़ जाती है.

भारतीय संस्कृति में मोर और बारिश का संबंध बहुत पुराना है. मानसून से पहले जब वातावरण में नमी बढ़ती है ।

क्या है ये 'दोहरा' नशा? जौनपुर के लोगों को ले जा रहा मौत के करीब, रेड जोन में पहुंचा जिला

जौनपुर के युवा इन दिनों नशीले पदार्थ के चंगुल में फंस रहे हैं और अस्पतालों में कैंसर के मरीजों की संख्या तेजी से फैल रही है. सबसे खराब नशा है जौनपुर में बनने वाला 'दोहरा'. स्वास्थ्य विभाग की हालिया स्क्रीनिंग में केवल तीन महीनों के भीतर 284 संदिग्ध मरीज सामने आए हैं

जिले के लोगों के लिए यह खबर किसी चेतावनी से कम नहीं है. दरअसल जिले में तेजी से बढ़ रहे मुंह के कैंसर के मामलों ने स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा दी है. हालात इतने गंभीर हो चुके हैं कि मुंबई के प्रसिद्ध कैंसर संस्थान में जौनपुर को मुंह के कैंसर के मामले में 'रेड जोन' की श्रेणी में रखा गया है. यदि आप भी दोहरा, पान मसाला, गुटखा या तंबाकू का सेवन करते हैं, तो समय रहते सतर्क हो जाना जरूरी है.

स्वास्थ्य विभाग की हालिया स्क्रीनिंग में केवल तीन महीनों के भीतर 284 संदिग्ध मरीज सामने आए हैं. इनमें अधिकांश लोगों में मुंह के कैंसर के शुरुआती लक्षण पाए गए हैं. डॉक्टरों का कहना है कि यह संख्या वास्तविक मामलों से कहीं अधिक हो सकती है, क्योंकि कई लोग समय पर जांच नहीं कराते.

ऐसे तैयार हो रहा नशीला दोहरा

जौनपुर में 'दोहरा' नामक नशे का बढ़ता चलन कैंसर के मामलों की बड़ी वजह बन रहा है. दोहरा बनाने के लिए खराब गुणवत्ता वाली सुपारी को चूने के पानी में भिगोया जाता है. इसके बाद उसमें लौंग, पिपरमिंट और कच्ची तंबाकू मिलाई जाती है. कई जगह नशे को और तेज करने के लिए डोडा पानी भी मिलाया जाता है. लंबे समय तक इसका सेवन करने से मुंह के अंदर की त्वचा प्रभावित होने लगती है, मुंह खुलना कम हो जाता है और धीरे-धीरे कैंसर का खतरा बढ़ जाता है.

हर महीने बढ़ रहे मरीज

चिंता की बात यह भी है कि जौनपुर में कैंसर की जांच और इलाज के लिए कोई विशेष केंद्र उपलब्ध नहीं है. जिले के ईएनटी और दंत रोग विशेषज्ञों के पास हर महीने बड़ी संख्या में नए मरीज पहुंचते हैं, जिनमें मुंह के कैंसर के लक्षण मिलते हैं. ऐसे मरीजों को आगे के इलाज के लिए वाराणसी, लखनऊ या मुंबई जैसे बड़े अस्पतालों में भेजना पड़ता है.

लोगों को किया जा रहा जागरूक

गांव-गांव में स्क्रीनिंग अभियान चलाया जा रहा है और लोगों को तंबाकू और दोहरा छोड़ने के लिए जागरूक किया जा रहा है. मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. गंगाराम गौतम ने कहा कि दोहरा, पान मसाला और तंबाकू का सेवन मुंह के कैंसर की प्रमुख वजह है. समय पर जांच और नशे से दूरी ही इस बीमारी से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका है.

यदि आपके मुंह में लंबे समय से छाला है, सफेद या लाल धब्बे दिखाई दे रहे हैं, मुंह पूरा नहीं खुल रहा है या निगलने में परेशानी हो रही है, तो इसे नजरअंदाज न करें. जौनपुर के लोगों के लिए यह सिर्फ एक स्वास्थ्य खबर नहीं, बल्कि एक गंभीर चेतावनी है. आज की सावधानी कल आपकी जिंदगी बचा सकती है।

लिवर पर जमा फैट मक्खन की तरह पिघला देंगी ये 3 हरी पत्तियां, रोज सुबह खाली पेट चबाएं

फैटी लिवर की समस्या आजकल तेजी से बढ़ रही है. हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार फैटी लिवर को अच्छी लाइफस्टाइल और हेल्दी खानपान से काफी हद तक सुधारा जा सकता है. कई रिसर्च में नीम, करी पत्ता और पुदीना जैसी हरी पत्तियों को लिवर हेल्थ बूस्ट करने और लिवर में जमा चर्बी कम करने में सहायक माना गया है.

लिवर हमारे शरीर का जरूरी ऑर्गन है, जो बॉडी फंक्शन को ठीक बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है. लिवर में जरा सी गड़बड़ी होने पर पूरा सिस्टम बिगड़ जाता है. आजकल खराब लाइफस्टाइल, अनहेल्दी खानपान और फिजिकल एक्टिविटी की कमी से फैटी लिवर की समस्या

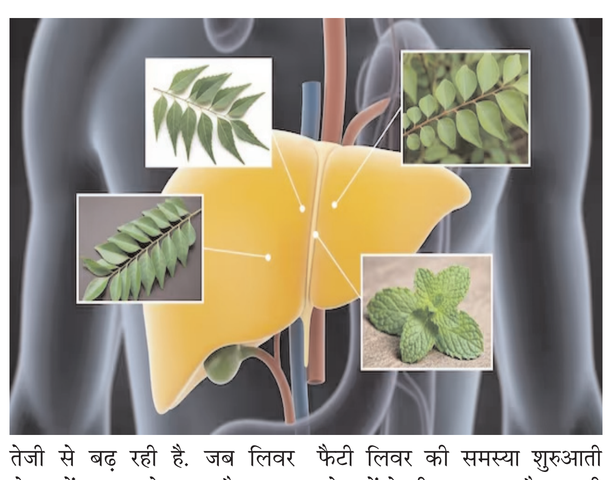

तेजी से बढ़ रही है. जब लिवर सेल्स में जरूरत से ज्यादा फैट जमा हो जाता है, तब इसका कामकाज बिगड़ जाता है. यह समस्या आज के दौर में तेजी से बढ़ रही है.

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो फैटी लिवर की समस्या शुरुआती स्टेज में हेल्दी खानपान और अच्छी लाइफस्टाइल से कंट्रोल की जा सकती है. अगर यह लंबे समय तक बनी रहे, तो आगे चलकर गंभीर परेशानियां पैदा हो जाती हैं. कई रिसर्च में कुछ हरी पत्तियों को लिवर की सेहत के लिए फायदेमंद माना गया है. इनका सुबह खाली पेट सेवन करने से लिवर की सेहत बूस्ट हो सकती है और फैटी लिवर से भी राहत मिल सकती है. इन पत्तों को आयुर्वेद में भी औषधीय गुणों से भरपूर माना गया है.

फैटी लिवर में फायदेमंद हैं ये 3 पत्तियां

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन की रिपोर्ट के मुताबिक नीम की पत्तियों को सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है. इसमें एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो शरीर को फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से बचाने में मदद कर सकते हैं. कुछ रिसर्च में नीम को लिवर को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाने में सहायक माना गया है. सुबह 4 से 5 ताजा नीम की पत्तियां चबाना शरीर की प्राकृतिक डिटॉक्स प्रक्रिया को सपोर्ट कर सकता है.

करी पत्ता केवल खाने का स्वाद बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह कई पोषक तत्वों और एंटीऑक्सीडेंट्स का भी अच्छा स्रोत माना जाता है. कुछ रिसर्च बताती हैं कि करी पत्ते में मौजूद कंपाउंड शरीर में फैट मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं. नियमित रूप से 8 से 10 ताजा करी पत्तों का सेवन लिवर के लिए बेहद लाभकारी माना जाता है. यह कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड्स लेवल को कंट्रोल रखने में भी सहायक हो सकता है।

बिहार का इकलौता गंगा आइलैंड, अब शर्तों के साथ खुलेगा, इनपर लग गया बैन, लाइसेंसी नाव से ही होगी एंट्री

अगर आप भी गर्मी में घूमने का प्लान कर रहे हैं और आप बिहार का आइलैंड घूमना चाह रहे हैं तो यह खबर आपके लिए बेहद महत्वपूर्ण है. आपको बता दें कि अब यहां का आइलैंड आप पहले की तरह नहीं घूम पाएंगे. क्योंकि अब आप यहां कुछ शर्तों के साथ यहां घूम पाएंगे. यहां सुरक्षा व्यवस्था का हवाला देकर इस आइलैंड को बंद कर दिया गया था, लेकिन यह जिले का एक अद्भुत पर्यटन स्पॉट है.

इसलिए इसे शर्तो के साथ खोला गया है. इसको लेकर जिला प्रशासन ने नाविक को कड़ी हिदायत देते हुए कहा कि जिनके पास लाइसेंस है. वही नाव गंगा में जाएगी. वहीं, आइलैंड पर पानी में उतरना साफ मना है. ऐसा करने वाले लोगों के ऊपर कार्रवाई की

जाएगी. आप यहां पर पॉलीथिन युक्त खाद्य सामग्री भी नहीं ले जा सकते हैं. इन कड़े शर्तो के साथ आप इस आइलैंड को घूम पाएंगे.

अगर हम विशेष रूप से कहलगांव क्षेत्र की बात करें तो यह पर्यटन स्थल के लिए काफी खास है. यहां गंगा के बीचों-बीच आइलैंड है, जो पूरे बिहार में कहीं और नहीं है. जब आप कहलगांव के पास गंगा के किनारे जाएंगे तो वहां का दृश्य आपको अचरज में डाल देगा. यहां तीन पहाड़ियां हैं, जो गंगा के बीच में स्थित हैं. इन पहाड़ियों की अपनी-अपनी अलग कहानियां हैं. अब सरकार इन्हें रॉक कट टेंपल के रूप में सुरक्षित घोषित करने जा रही है.

जब आप भागलपुर आएंगे और कहलगांव के पास गंगा किनारे पहुंचेंगे तो वहां का दृश्य देखकर आपका मन इन पहाड़ियों को नजदीक से देखने का करेगा. कहलगांव राजघाट से आगे गंगा नदी में ये तीनों पहाड़ियां स्थित हैं, जो बिहार के लोगों के लिए अद्भुत आकर्षण का केंद्र बन चुका है.

पहली पहाड़ी शांति बाबा का पहाड़ है. दूसरी बंगाली बाबा पहाड़ और तीसरी पंजाबी बाबा पहाड़ है।

जब प्रीति जिंटा ने 'कल हो ना हो' के लिए दूसरी पसंद होने पर दी प्रतिक्रिया

मुंबई। जब फिल्म निर्माता करण जौहर ने अभिनेत्री प्रीति जिंटा से पूछा कि कल हो न हो में करीना कपूर के बाद दूसरी पसंद होने पर उन्हें कैसा महसूस हुआ, तो उन्होंने इस सवाल का बेहद गरिमा और सौम्यता के साथ जवाब दिया। 'कॉफी विद करण' में अपनी उपस्थिति के दौरान, प्रीति जिंटा ने इस भूमिका की तुलना उस जींस की एक जोड़ी से की, जिसे किसी ने पहनकर देखा हो लेकिन खरीदा न हो।

उन्होंने कहा, 'यह फिल्म मेरी किस्मत में थी।' एपिसोड के दौरान, करण जौहर ने प्रीति से पूछा, 'करीना इस फिल्म के लिए पहली पसंद थीं। वास्तव में, करीना कपूर की जगह लेने पर आपको कैसा महसूस हुआ?'

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रीति जिंटा ने कहा, 'किसी ने मुझसे बहुत पहले यही सवाल पूछा था। मैंने कहा था कि अगर आप किसी दुकान में जाते हैं, एक जींस पहनकर देखते हैं, वह आप पर अच्छी फिट बैठती है लेकिन आप उसे खरीदते नहीं हैं, तो इसका मतलब यह नहीं कि वह जींस आपकी है। फिर कोई दूसरा व्यक्ति आता है, उसे पहनकर देखता है और खरीद लेता है।'

उन्होंने कहा, 'मुझे याद है जब आपने मुझे फोन किया था। मैंने कहा, ठीक है, क्या मैं स्क्रिप्ट सुन सकती हूं? और जब मैंने स्क्रिप्ट सुनी, तो मेरा पहला सवाल था, 'करीना यह फिल्म क्यों नहीं करना चाहती थीं?' उसके बाद हर जगह यही चर्चा होने लगी कि करीना पहली पसंद थीं।' नवोदित निर्देशक निखिल आडवाणी द्वारा निर्देशित 'कल हो ना हो' की कहानी करण जौहर और निरंजर अयंगर ने लिखी थी।

यश जौहर द्वारा धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले निर्मित इस फिल्म में शाहरुख खान, सैफ अली खान और प्रीति जिंटा मुख्य भूमिकाओं में थे।

फिल्म के बारे में

- निर्देशन: निखिल आड़वाणी
- कहानी: करण जौहर और निरंजर अयंगर
- निर्माण: यश जौहर, धर्मा प्रोडकशन
- मुख्य कलाकार: शाहरुख खान, सैफ अली खान, प्रीति जिंटा
- अन्य कलाकार: जया बच्चन, सुषमा सेठ, रीमा लागु, लिलिट दुबे, ड़ेलनाज इरानी

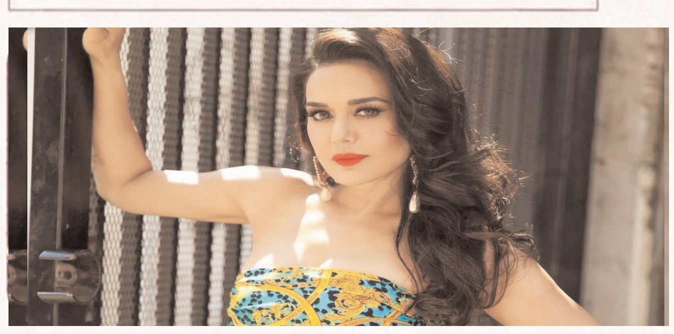

पिता की कमी आज भी महसूस होती है, लेकिन उनका आशीर्वाद हमेशा साथ है : रजत बेदी

विश्व केसरी ■

मुंबई। जाने-माने अभिनेता रजत बेदी ने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में बचपन, अपने पिता की यादों और परिवार की फिल्मी विरासत को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि बहुत कम उम्र में पिता को खो देने का दर्द आज भी है और यही अनुभव उन्हें हर कदम पर मजबूत और भावुक दोनों बनाता है।

मीडिया से बात करते हुए रजत बेदी ने कहा, ''मेरे जीवन में पिता का साथ बहुत कम समय के लिए रहा। मैं जब 9 साल का था, तब मैंने अपने पिता को खो दिया था। इतनी छोटी उम्र में मुझे इस बात की समझ नहीं थी कि पिता का जीवन में क्या महत्व होता है, लेकिन जैसे-जैसे मैं बड़ा हुआ और जब दूसरे बच्चों को उनके पिता के साथ देखता था, तब जीवन में एक खालीपन महसूस होता था। यह एहसास धीरे-धीरे मेरे अंदर गहराई से बैठ गया कि पिता का प्यार जीवन में कितना जरूरी होता है।''

उन्होंने कहा, ''समय के साथ मेरे अंदर यह भावना और मजबूत होती गई कि भले ही मेरे पिता अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनका आशीर्वाद हमेशा मेरे साथ है। जब भी मैं किसी मुश्किल में होता हूं या फिर असफलता से गुजरता हूं, तो मुझे ऐसा लगता है जैसे मेरे पिता अदृश्य रूप से मुझे संभाल रहे हैं और आगे बढ़ने की ताकत दे रहे हैं। वह हर मुश्किल से उबरने में मदद कर रहे हैं।''

अपने बचपन की यादों को साझा करते हुए उन्होंने बताया, ''मेरे पिता के साथ समय बहुत सीमित रहा, लेकिन जितना भी समय मिला वह मेरे लिए बहुत खास था। कभी-कभी मैं अपने पिता के साथ शूटिंग पर जाया करता था और उनके साथ कुछ पल बिताने का मौका मिलता था। वह मुझे प्यार से गले लगाते थे और मेरे साथ खेलते भी थे। हालांकि वह काफी व्यस्त रहते थे, क्योंकि वे फिल्म इंडस्ट्री में एक बड़े निर्माता और निर्देशक थे, लेकिन उन थोड़े से पलों की यादें आज भी मेरे दिल में ताजा हैं।''

रजत बेदी ने अपने परिवार की फिल्मी और साहित्यिक विरासत के बारे भी विस्तार से बताया। उन्होंने कहा, ''मेरा परिवार कला और सिनेमा की दुनिया में काफी सम्मानित रहा है। मेरे दादा राजिंदर सिंह बेदी एक प्रसिद्ध उर्दू साहित्यकार थे।

इस दिन रिलीज होगी यश की 'टॉक्सिक', मेकर्स ने नए पोस्टर के साथ की बड़ी घोषणा

विश्व केसरी ■

मुंबई। कन्नड़ सुपरस्टार यश की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' को लेकर चल रही तमाम अटकलों पर आखिरकार विराम लग गया है।

पिछले कुछ हफ्तों से फिल्म की रिलीज डेट को लेकर लगातार चर्चाएं हो रही थीं। वहीं कुछ रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया था कि फिल्म को बंद कर दिया गया है। लेकिन अब निर्माताओं ने आधिकारिक रूप से फिल्म की नई रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। यह फिल्म अब 26 अगस्त 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रविवार को मेकर्स ने फिल्म का एक नया पोस्टर जारी करते हुए रिलीज डेट की घोषणा की। पोस्टर में यश दो अलग-अलग अवतारों में नजर आ रहे हैं, जिनके नाम 'राया' और 'टिकट' बताए जा रहे हैं। पोस्टर ने फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ा दिया है। फिल्म की कहानी को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन पोस्टर को देख लोग अंदाजा लगा रहे हैं कि यह एक गंभीर और रहस्यमयी कहानी होगी। फिल्म में यश के अलावा, नयनतारा, कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी, रुक्मिणी वसंत, और तारा सुतारिया जैसे सितारे अहम किरदार में नजर आएंगे। मेकर्स ने फिल्म की रिलीज के लिए ऐसा समय चुना है, जो बॉक्स ऑफिस के लिहाज से काफी फायदेमंद माना जा रहा है। अगस्त 2026 के दौरान ओणम, ईद और रक्षाबंधन जैसे कई प्रमुख त्योहार पड़ रहे हैं।

'योग कीजिए, निरोगी रहिए', अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर फिल्मी हस्तियों ने दिया स्वस्थ जीवन का संदेश

विश्व केसरी ■

बेंगलुरु/मुंबई। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर देशभर में योग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में छात्रों, युवाओं, बुजुर्गों और अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े लोगों ने योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन का संदेश दिया। बेंगलुरु और मुंबई में आयोजित कार्यक्रमों में फिल्म जगत की कई हस्तियों ने भी हिस्सा लिया और योग को जीवनशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया।

बेंगलुरु में आयोजित योग दिवस कार्यक्रम में टॉलीवुड अभिनेत्री करुण्या गौड़ा ने कहा, 'मुझे इस योग कार्यक्रम का हिस्सा बनने और भारतीय नागरिक होने पर बहुत गर्व महसूस हो रहा है। योग की शुरुआत लगभग 5,000 साल पहले हुई थी। स्वामी विवेकानंद ने इसे दुनिया भर में पहचान दिलाई थी। इंटरनेशनल योग डे का यह 12वां एडिशन है, इसे बेंगलुरु में बीजेपी पार्टी ऑफिस के सामने मनाया जा रहा है। इस कार्यक्रम में स्टूडेंट्स, बड़े-बुजुर्ग और हमारी तरह जेन-जी के युवा बड़ी संख्या में हिस्सा ले रहे हैं। हर कोई इस सेलिब्रेशन का हिस्सा है और लोगों में इतना उत्साह देखकर अच्छा लग रहा है, क्योंकि हाल के समय में बहुत सारे लोग जिम जाने के प्रति ज्यादा आकर्षित हो रहे हैं।'

उन्होंने अपने रोजमर्रा के जीवन में योग की भूमिका के बारे में बताया और कहा, 'मैं रोज सुबह 20 मिनट और रात को सोने से पहले 20 मिनट मेडिटेशन करती हूं। यह मेरे लिए अनिवार्य है। मैं लगभग 20 बार सूर्य नमस्कार भी करती हूं। मुझे जिम जाना ज्यादा पसंद नहीं है। अगर आप मुझसे पूछें, तो इंडस्ट्री में एक दशक से ज्यादा समय बिताने के बावजूद ऐसा कोई साल नहीं रहा, जब मैं रेगुलर जिम गई हूं, लेकिन योग रोजाना करती हूं, इसलिए मैं गर्व से कह सकती हूं कि मैंने योग को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बना लिया है।'

वहीं, योग दिवस के मौके पर मुंबई में एक विशेष आयोजन किया गया, जिसमें दिवंगत किसानों के 1,000 से ज्यादा बच्चों और बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) स्कूलों के स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस और अभिनेता जैकी श्रॉफ ने योगाभ्यास किया। साथ ही फिटनेस, स्वास्थ्य और योग को नियमित जीवनशैली का हिस्सा बनाने का संदेश दिया। इस कार्यक्रम में शाहिद कपूर भी शामिल हुए।

इस अवसर पर अमृता फडणवीस ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा, 'योग कीजिए, निरोगी रहिए। आज का युवा बेहद स्मार्ट है।' वहीं नीट परीक्षा को लेकर उन्होंने छात्रों को शुभकामनाएं दी।

अभिनेता जैकी श्रॉफ ने भी लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया।

टॉम अल्टर : अभिनय में भी रचा इतिहास, 15 वर्षीय सचिन तेंदुलकर का पहला टीवी इंटरव्यू किया

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। टॉम अल्टर का जन्म 22 जून 1950 को मसूरी में हुआ। उनके दादा-दादी एम्मेट और मार्था अल्टर नवंबर 1916 में अमेरिका के ओहियो से बतौर ईसाई मिशनरी भारत आए थे। 1947 के विभाजन ने इस परिवार को भी बांट दिया। दादा-दादी नवनिर्मित पाकिस्तान के लाहौर में ही रह गए जबकि टॉम अल्टर के माता-पिता भारत आ गए और मसूरी के पास राजपुर में बस गए।

फिल्म 'आराधना' की प्रेरणा ने उन्हें पुणे के फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट (एफटीआईआई) पहुंचाया, जहां से वे 1974 में अभिनय का स्वर्ण पदक लेकर निकले।

मुंबई की फिल्मी दुनिया ने उनकी गोरी रंगत को देखकर उन्हें 'विदेशी खलनायक' या 'ब्रिटिश अधिकारी' के सांचे में ढालने की कोशिश की लेकिन टॉम अल्टर ने अपनी संवाद अदायगी और शुद्ध हिंदी-उर्दू के दम पर इन किरदारों को एक अभूतपूर्व मानवीय गरिमा दी।

सत्यजीत रे की मास्टरपीस 'शतरंज के खिलाड़ी' (1977) में कैप्टन वेस्टन के रूप में अवध की तहजीब और शायरी से प्यार करने वाले अंग्रेज अफसर का उनका किरदार हो या फिर 'क्रांति' (1981) और 'गांधी' (1982) के ऐतिहासिक रोल, टॉम अल्टर ने हर जगह अपनी अमिट छाप छोड़ी।

जब करिश्मा कपूर ने ठुकरा दी थी 'पहचान', तब अभिनेत्री मधु ने निभाया था किरदार

विश्व केसरी ■

मुंबई। 90 के दशक की मशहूर अभिनेत्री मधु ने अपनी फिल्म 'पहचान' को लेकर एक दिलचस्प खुलासा किया। उन्होंने बताया कि साल 1993 में रिलीज हुई इस एक्शन-ड्रामा फिल्म में उनका किरदार पहले कई बड़ी अभिनेत्रियों को ऑफर किया गया था, लेकिन सभी ने इसे करने से इनकार कर दिया था। इन्हीं अभिनेत्रियों में करिश्मा कपूर का नाम भी शामिल था।

मीडिया से बातचीत के दौरान मधु ने कहा कि जब उन्हें पता चला कि कई मुख्य अभिनेत्रियां इस भूमिका को ठुकरा चुकी हैं, तो उनका इस किरदार को निभाने का उत्साह और बढ़ गया। उन्होंने बताया कि वह शायद इस रोल के लिए पहली पसंद नहीं थीं। फिल्म निर्माताओं ने उस समय कई अभिनेत्रियों से संपर्क किया था, लेकिन सभी ने मना कर दिया। इसके बाद यह भूमिका उनके पास आई।

मधु ने कहा, 'जितना मुझे बताया गया कि कई बड़ी अभिनेत्रियों ने इस रोल को ठुकराया है, उतना ही मेरा विश्वास बढ़ता गया कि मुझे यह फिल्म करनी चाहिए। मुझे इस फिल्म का हिस्सा बनने पर गर्व है।'

जब उनसे पूछा गया कि किन अभिनेत्रियों ने यह रोल ठुकराया था, तो उन्होंने बताया कि जिन नामों की जानकारी उन्हें मिली थी, उनमें करिश्मा कपूर का नाम शामिल था। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें बाकी अभिनेत्रियों के नामों की पूरी जानकारी नहीं है, लेकिन 2-3 अभिनेत्रियों ने इस भूमिका को करने से मना कर दिया था।

निर्देशक दीपक शिवदासानी के निर्देशन में बनी फिल्म 'पहचान' में सुनील शेट्टी, सैफ अली खान, शिल्पा शिरोडकर, और मधु ने अहम भूमिकाएं निभाई थीं। फिल्म का निर्माण ए.के. अब्दुल और जीवत ए.टी. ने किया था। वहीं सिनेमैटोग्राफी थॉमस ए. जेवियर और एडिटिंग ए. मुथु ने संभाली थी। फिल्म का संगीत आनंद-मिलिंद ने दिया था। यह फिल्म 8 अक्टूबर 1993 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

मधु ने अपने हिंदी फिल्मी करियर की शुरुआत 1991 में अजय देवगन के साथ फिल्म 'फूल और कांटे' से की थी। इसके बाद उन्होंने रोजा, अल्लारी प्रियुडु, योद्धा और जेंटलमैन जैसी कई सफल फिल्मों में काम कर अपनी अलग पहचान बनाई।

श्रीलंका से ऑस्ट्रेलिया तक मनाया जा रहा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

भारत में इजरायली राजदूत ने दी बधाई

विश्व केसरी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर भारतीय मिशनों ने दुनिया के अलग-अलग देशों में योग कार्यक्रमों का आयोजन किया। ऑस्ट्रेलिया, इजरायल और श्रीलंका जैसे देशों के भारतीय मिशनों ने योग शिविर लगाया। भारत में इजरायल के राजदूत रेवेन्यू अजार ने योग दिवस की बधाई दी।

ऑस्ट्रेलिया में भारतीय दूतावास ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'कैनबरा के ओल्ड पार्लियामेंट हाउस में जब हम अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने के लिए एक साथ आए, तो बहुत ज्यादा लोग आए। योग ऑस्ट्रेलिया के सीईओ जोश प्रायर के एक घंटे के योगा सत्र ने हमारी व्यस्त जिंदगी के बीच शांति, माइंडफुलनेस और कनेक्शन का एक खास पल दिया। यह एक शानदार याद दिलाता है कि योग सिर्फ अभ्यास नहीं है, यह जिंदगी जीने का एक तरीका है जो शरीर और मन दोनों को स्वस्थ्य रखता है।'

भारत में इजरायली दूतावास ने योग दिवस मनाया और एक्स पर लिखा, 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं! हममें से कुछ लोग योग के लिए आए थे। कुछ लोग ट्रीट के लिए आए थे। दोनों ही तरह से, सभी ने अपना संतुलन बना लिया।'

तुर्किस्तान में भी योग दिवस के मौके पर सत्र का आयोजन किया गया। तुर्किस्तान में भारतीय दूतावास ने लिखा, 'स्वास्थ्य सुविधाओं और मेडिकल इंडस्ट्री के उपमंत्री अजात ओवेजोव, भारतीय समुदाय के सदस्यों और वहां के स्थानीय भारतीय मित्रों ने आज अश्गाबात में हुए 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के सेलिब्रेशन में जोश के साथ हिस्सा लिया।'

श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त संतोष झा ने लिखा, 'योग के जरिए भारत और श्रीलंका के लिए एक स्वस्थ्य भविष्य अपनाना। कोलंबो के इंडिपेंडेंस स्क्वायर में 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह में मंत्रियों क्रिसंथा अबेसेना, डिप्टी स्पीकर डॉ. रिज़वी सालेह, उपमंत्री प्रदीप सुंदरलिंगम और निशांत जयवीरा, सांसदों और दूसरे खास मेहमानों के साथ हिस्सा लिया।'

बर्गेनस्टॉक टॉक्स में गालिबाफ और अराघची शामिल : ईरान

विश्व केसरी

तेहरान/जिनेवा। ईरान के विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि ईरान और अमेरिका के प्रतिनिधिमंडल रविवार दोपहर स्विट्जरलैंड में होने वाली एक बैठक में शामिल होंगे। इस वार्ता में कतर और पाकिस्तान की मध्यस्थ टीम भी मौजूद रहेगी, जो बातचीत प्रक्रिया को सुगम बनाने में भूमिका निभाएगी।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने ईरानी समाचार एजेंसी आईआरएनए को बताया कि यह एक दिवसीय बैठक होगी। उन्होंने कहा कि सुबह के सत्र में ईरानी प्रतिनिधिमंडल की कतर और पाकिस्तान के मध्यस्थों के साथ द्विपक्षीय बैठकें होंगी।

इसके बाद दोपहर में ईरान और अमेरिका के प्रतिनिधिमंडलों के बीच कतर और पाकिस्तान के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में चार-पक्षीय वार्ता आयोजित की जाएगी। यह वार्ता क्षेत्रीय तनाव और विभिन्न कूटनीतिक मुद्दों के समाधान के प्रयासों का हिस्सा मानी जा रही है। आईआरएनए की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने स्विट्जरलैंड के विदेश मंत्री इग्नाजियो कैसिस से भी मुलाकात की।

यह मुलाकात स्विट्जरलैंड में ईरानी प्रतिनिधिमंडल के आधिकारिक कार्यक्रमों की शुरुआत के रूप में हुई। स्विस विदेश मंत्रालय लगातार बैठक को लेकर अपडेट दे रहा है, हालांकि गोपनीयता का हवाला दे बैठक में शामिल प्रतिनिधियों का पहले नाम नहीं बताया जा रहा था, लेकिन रविवार को कुछ तस्वीरों के साथ कुछ नाम जाहिर किए गए।

बैठक में शामिल हो रहे देशों की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कौन शामिल होगा और कौन नेतृत्व करेगा इसकी जानकारी दी जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बर्गेनस्टॉक टॉक्स में तेहरान की ओर से गालिबाफ और अराघची के अलावा अमेरिका से जेडी वेंस, विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर शामिल होंगे।

संक्षिप्त खबर

यूएस-ईरान डील से कतर में फंसे 6 अरब डॉलर वापस मिलेंगे : पेजेश्कियन

विश्व केसरी

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने अमेरिका के साथ चल रही वार्ताओं को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने दावा किया है कि स्विट्जरलैंड में जारी कूटनीतिक बातचीत के तहत एक प्रारंभिक समझौते के अंतर्गत कतर में रखे गए ईरान के लगभग 6 अरब डॉलर के फ्रीज्ड फंड को वापस किया जाएगा। ईरानी न्यूज एजेंसी तस्नीम के मुताबिक, पेजेश्कियन ने कहा कि समझौता ज्ञापन (एमओयू) की सभी शर्तें ईरान के पक्ष में हैं और इन बातचीतों के नतीजे जल्द दिखाई देंगे। राष्ट्रपति पेजेश्कियन ने कहा कि इस समझौते के सभी प्रावधान ईरान के हित में हैं और बातचीत के परिणाम जल्द ही स्पष्ट रूप से सामने आएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने हालिया बयानों में जिन प्रतिबंधों और प्रतिबंधात्मक नीतियों का उल्लेख किया था, उनमें से कई अब वार्ता प्रक्रिया में मूल अधिकारों के रूप में स्वीकार किए जा रहे हैं। पेजेश्कियन ने दावा किया कि कतर में मौजूद ईरान के 6 अरब डॉलर जल्द ही वापस किए जाएंगे। उन्होंने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर भी टिप्पणी की। कहा कि वे इस वार्ता प्रक्रिया से सबसे अधिक असंतुष्ट होंगे।

पाकिस्तान पीएम शहबाज ईरान-अमेरिका वार्ता की मध्यस्थता करने पहुंचे स्विट्जरलैंड

विश्व केसरी

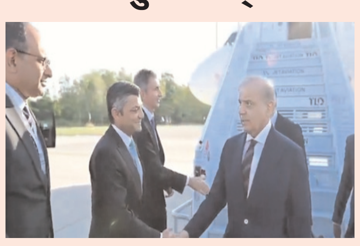

जिनेवा। अमेरिका और ईरान के बीच अगले चरण की बातचीत रविवार शाम को होने की उम्मीद है। अमेरिका और ईरान के बाद प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के साथ पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल भी स्विट्जरलैंड पहुंच चुका है। स्विट्जरलैंड के विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। पाकिस्तानी पीएम के साथ फील्ड मार्शल असीम मुनीर भी मौजूद हैं। स्विट्जरलैंड के विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'हम स्विट्जरलैंड में पाकिस्तानी डेलीगेशन के आने का स्वागत करते हैं। अमेरिका और ईरान के बीच हस्ताक्षर किए गए समझौते के मीडिएटर में से एक के तौर पर, पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल अगले चरण की बातचीत के लिए बर्गेनस्टॉक जा रहा है।' वहीं, पाकिस्तान के पीएम कार्यालय ने लिखा, 'प्रधानमंत्री और फील्ड मार्शल 21 जून 2026 को स्विट्जरलैंड के बर्गेनस्टॉक में हो रही इस्लामाबाद ज्ञापन समझौते को लागू करने को लेकर उच्च-स्तरीय बातचीत में हिस्सा लेंगे। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ ज्यूरिख पहुंच गए हैं।' पाकिस्तानी पीएम ऑफिस ने आगे लिखा कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सीओएएस और सीडीएफ फील्ड मार्शल सैयद असीम मुनीर समझौते को लागू करने को लेकर होने वाली बातचीत में शामिल होंगे। इससे पहले, अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ईरान के साथ बातचीत के लिए रविवार को स्विट्जरलैंड पहुंचे। ईरानी प्रतिनिधिमंडल शनिवार देर रात को ही स्विट्जरलैंड पहुंचा हुआ है। स्विस विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'हम स्विट्जरलैंड में ईरानी प्रतिनिधिमंडल के आने का स्वागत करते हैं।

तीन भारतीय तेल टैंकर होर्मुज से सुरक्षित निकले 8.6 लाख मीट्रिक टन माल लेकर पहुंच रहे

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत की समुद्री और ऊर्जा सुरक्षा को बड़ी कामयाबी मिली है। तीन भारतीय झंडे वाले कच्चे तेल के टैंकर होर्मुज स्ट्रेट को सफलतापूर्वक पार कर गए और अब बड़ी मात्रा में स्ट्रेटेजिक कार्गो लेकर भारतीय बंदरगाहों के रास्ते में हैं।

यह विकास होर्मुज समेत इलाके में भू-राजनीतिक बदलावों के बीच हुआ है। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने समुद्री हितों की सुरक्षा के लिए समन्वित सरकारी प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए सफल मार्ग की घोषणा की।

केंद्रीय मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'सुरक्षित मार्ग! तीन भारतीय ध्वज वाले कच्चे तेल के टैंकर, देश वैभव, देश विभोर और सनमार हेराल्ड, 94 भारतीय चालक दल के सदस्यों के साथ 8.6 लाख मीट्रिक टन से अधिक माल लेकर आज होर्मुज स्ट्रेट को सफलतापूर्वक पार कर गए हैं और भारत के रास्ते पर हैं।'

उन्होंने कहा, 'पीएम मोदी के निर्णायक नेतृत्व में, भारत सरकार भारत के समुद्री हितों को सुरक्षित करने के लिए सबसे ज्यादा प्राथमिकता पर काम कर रही है। हमारा मंत्रालय भारत के नाविकों और ऊर्जा लाइफलाइन की पूरी सुरक्षा की गारंटी देने के लिए सभी संबंधित एजेंसियों के साथ सक्रिय रूप से तालमेल बिठा रहा है।'

अधिकारियों के अनुसार, तीन जहाज 'देश वैभव', 'देश विभोर', और 'सनमार हेराल्ड' 24 जून से 1 जुलाई के बीच भारतीय बंदरगाहों पर पहुंचने की उम्मीद है। यह भारत के ऊर्जा क्षेत्र के लिए एक जरूरी सप्लाई चेन मूवमेंट के पूरा होने का प्रतीक है। देश वैभव के 24 जून को वाडिनार पोर्ट पर पहुंचने की उम्मीद है, जबकि देश विभोर के उसी दिन सिक्का पोर्ट पहुंचने की संभावना है। इसके अलावा, तीसरा जहाज, सनमार हेराल्ड, जो 20 जून को होर्मुज स्ट्रेट को पार कर गया था, 1 जुलाई को पारादीप पोर्ट पर पहुंचने वाला है। यह ट्रांजिट ऐसे समय में हो रहा है जब इलाके में तनाव कम हो रहा है। अमेरिका ने इससे पहले, 18 जून को, इलाके के झगड़े को कम करने के मकसद से एक छोटी सी डिप्लोमैटिक कामयाबी के बाद होर्मुज स्ट्रेट के जरिए समुद्री आवाजाही पर लगी रोक हटा दी थी।

दक्षिण कोरिया में राष्ट्रपति ली ने किया प्रमुख प्रशासनिक फेरबदल

विश्व केसरी

सोल। दक्षिण कोरिया की राजनीति पिछले एक-डेढ़ साल से काफी उथल पुथल भरी रही है। इसी बीच राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने अपने प्रशासन में कई वरिष्ठ सचिवों और सहयोगियों की नई नियुक्तियां की हैं। यह बदलाव उनके कार्यकाल के दूसरे वर्ष में प्रवेश के साथ किया गया है, जिसका उद्देश्य शासन और जनसंपर्क तंत्र को और अधिक प्रभावी बनाना बताया जा रहा है।

रविवार को राष्ट्रपति कार्यालय के चीफ ऑफ स्टाफ ने जानकारी दी कि योनहाप न्यूज एजेंसी के पूर्व सीईओ और अध्यक्ष सेओंग जी-होंग को राष्ट्रपति का संचार और जनसंपर्क सचिव नियुक्त किया गया है। वहीं, पूर्व वरिष्ठ अभियोजक हान चान-सिक को नागरिक मामलों का सचिव बनाया गया है। योनहाप न्यूज एजेंसी के अनुसार, देश के सबसे बड़े श्रमिक संगठन 'कोरियन कन्फेडरेशन ऑफ ट्रेड यूनियन्स' की पूर्व उपाध्यक्ष किम क्यॉन्ग-जा को सामाजिक मामलों की सचिव नियुक्त किया गया है। राष्ट्रीय सुरक्षा कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी सांग की-हो और पूर्व सेना कमांडर कांग गन-जैक को क्रमशः प्रथम और तृतीय उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार नियुक्त किया गया है। राष्ट्रपति कार्यालय के चीफ ऑफ स्टाफ कांग हुन-सिक ने नए संचार सचिव सेओंग जी-होंग को एक अनुभवी पत्रकार बताया, जिनके पास तीन दशकों का अनुभव है।

संस्थागत विफलताओं के बीच पाकिस्तान में नशे का जाल गहराया, रिपोर्ट में गंभीर सवाल

विश्व केसरी

कोलंबो। पाकिस्तान में मादक पदार्थों की बढ़ती समस्या अब केवल कानून-व्यवस्था तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि यह शासन व्यवस्था, सार्वजनिक स्वास्थ्य, सीमा सुरक्षा, शिक्षा और आर्थिक असुरक्षा जैसे कई क्षेत्रों को प्रभावित कर रही है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पाकिस्तान में नशीले पदार्थों का नेटवर्क संस्थागत विफलताओं, कमजोर कानून-प्रवर्तन और अधिकारियों की कथित मिलीभगत के कारण लगातार मजबूत होता जा रहा है।

श्रीलंका के समाचार पत्र 'डेली मिरर' में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, बलूचिस्तान के तस्करी मार्गों से लेकर कराची के संपन्न इलाकों में कोकीन वितरण नेटवर्क तक, पूरे देश में एक ऐसा संगठित तंत्र विकसित हो चुका है जिसने आधुनिक तकनीक, बदलती मांग और क्षेत्रीय परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढाल लिया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि कराची की व्यस्त सड़कों पर अब नशीले पदार्थ केवल अपराधियों के गुप्त ठिकानों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि स्मार्टफोन ऐप, कूरियर जैसी डिलीवरी सेवाओं और संगठित सप्लाई चेन के जरिए पॉश कॉलोनियों, विश्वविद्यालय परिसरों और रिहायशी इलाकों तक आसानी से पहुंच रहे हैं। वहीं दूसरी ओर अफगानिस्तान, ईरान और बलूचिस्तान से जुड़ी पाकिस्तान की पश्चिमी सीमा पर तस्कर कमजोर सीमा निगरानी का फायदा उठाकर मादक पदार्थों की तस्करी कर रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, हाल ही में कराची की कथित ड्रग तस्कर अनमोल उर्फ 'पिंकी' की गिरफ्तारी ने पाकिस्तान के नारकोटिक्स नेटवर्क को लेकर नई बहस छेड़ दी है। इसे केवल एक आपराधिक मामला नहीं माना जा रहा, बल्कि इसने राज्य संस्थाओं की कार्यप्रणाली और ड्रग माफिया के प्रभाव को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पीओके में बढ़ता जनाक्रोश, इस्लामाबाद के हस्तक्षेप के खिलाफ गहराया असंतोष : रिपोर्ट

विश्व केसरी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में महंगाई, राजनीतिक अधिकारों की कमी और शासन व्यवस्था को लेकर जनता का असंतोष लगातार बढ़ता जा रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, क्षेत्र में इस्लामाबाद के बढ़ते हस्तक्षेप के खिलाफ लोगों में गहरी नाराजगी है और यही असंतोष अब बड़े जनआंदोलन का रूप लेता दिखाई दे रहा है।

ऑनलाइन पत्रिका 'द डिप्लोमैट' की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस महीने प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई हिंसक झड़पों ने क्षेत्र में लंबे समय से पनप रहे जनाक्रोश को उजागर कर दिया है। शासन सुधार की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों पर पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की कार्रवाई में कई लोगों की मौत हुई, जिससे इस्लामाबाद के सामने राजनीतिक संकट खड़ा हो गया और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इसकी आलोचना हुई। रिपोर्ट के मुताबिक, जुलाई के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले पीओके में पैदा हुई अशांति पाकिस्तान सरकार के लिए बड़ी घरेलू चुनौती बन गई है, जिसे कूटनीतिक प्रयासों या शांति समर्थक छवि पेश करके छिपाया नहीं जा सकता। 5 जून को अधिकारियों ने 27 जुलाई को चुनाव कराने की घोषणा की। इसी के साथ वकीलों, व्यापारियों, परिवहन कर्मियों और नागरिक समाज के कार्यकर्ताओं के संगठन जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) पर आतंकवाद में संलिप्तता का आरोप लगाते हुए प्रतिबंध लगा दिया गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि चुनावों की घोषणा और जेएएसी पर प्रतिबंध एक साथ किया जाना महज संयोग नहीं माना जा सकता। आशंका जताई गई है कि चुनावों के विरोध में संभावित आंदोलन को रोकने के लिए स्थानीय प्रशासन ने, इस्लामाबाद और विशेष रूप से पाकिस्तान की सैन्य व्यवस्था के निर्देश पर, क्षेत्र के सबसे प्रभावशाली जनआंदोलन को कमजोर करने की कोशिश की।

अमेरिका के लॉस एंजिल्स में गोदाम में लगी आग इमरजेंसी के ऐलान के बाद इलाका किया जा रहा खाली

विश्व केसरी

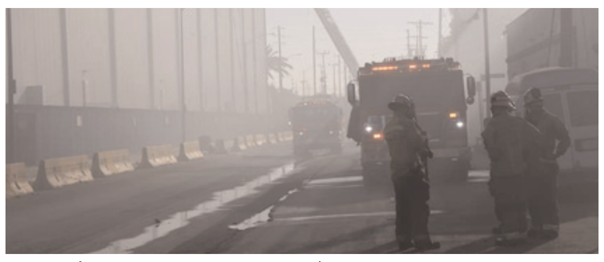

लॉस एंजिल्स। अमेरिका के लॉस एंजिल्स शहर की मेयर कैरन बास ने रविवार को एक गोदाम में लगी आग के बाद इलाके में इमरजेंसी घोषित कर दी। यह आग बुधवार को लगी थी और इससे बहुत ज्यादा धुआं निकला, जो कई दिनों से लॉस एंजिल्स मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र में फैल रहा है।

बास ने एक बयान में कहा, 'मैं एक इमरजेंसी की घोषणा कर रही हूं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि इस ऑपरेशन के दौरान शहर के पास जरूरी रिसोर्स हों और समुदाय सुरक्षित रहे। हम गवर्नर के संपर्क में हैं क्योंकि यह एक ऐसी समस्या बन गई है जहां हम वहां रहने वाले समुदाय के स्वास्थ्य को लेकर बहुत चिंतित हैं।' इमरजेंसी की घोषणा का मकसद एक मुश्किल ऑपरेशन के लिए राज्य के और रिसोर्स को अनलॉक करना है, जिसे शहर के अधिकारियों ने एक रेगुलर स्ट्रक्चर में आग लगने से बड़ा बताया है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, आग बुधवार दोपहर एक लिनेज लॉजिस्टिक्स कोल्ड-स्टोरेज फैसिलिटी में लगी, जहां अधिकारियों ने कहा कि लॉस एंजिल्स शहर के पास एक बड़ी रेफ्रिजेरेटेड बिल्डिंग में लाखों पाउंड फ्रोजन फूड स्टोर किया गया है।

दमकल अधिकारियों ने कहा कि लगभग 46,000 स्क्वायर मीटर में फैली यह बिल्डिंग अपनी बनावट और सामान की वजह से अजीब खतरा पैदा करती है।

जापान में बारिश भी नहीं रोक सकी योग का उत्साह, 2100 लोग जुट

विश्व केसरी

दुबई/ब्रातिस्लावा/टोक्यो। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 के अवसर पर विश्वभर में उत्साह, ऊर्जा और सामुदायिक सहभागिता के साथ योगोत्सव मनाया गया। इस वर्ष की थीम 'स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग' (योग फॉर हेल्दी एजिंग) रही, जिसमें सभी आयु वर्ग के लोगों को स्वस्थ, संतुलित और सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। दुनिया के पूर्वी छोर से लेकर पश्चिमी छोर तक योग साधना में जुटे लोग दिखे।

यूएई की राजधानी दुबई में कॉन्सुलेट जनरल ऑफ इंडिया ने पुलिस के सहयोग से दुबई पुलिस ऑफिसर्स क्लब में विशेष योग सत्र का आयोजन किया। कार्यक्रम में मेजर जनरल मोहम्मद इस्सा अल अधब की गरिमामयी उपस्थिति रही। दुबई पुलिस कर्मियों, योग साधकों, विद्यार्थियों और समुदाय के सदस्यों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। दुबई पुलिस बैंड की विशेष प्रस्तुति ने कार्यक्रम को और भी आकर्षक बना दिया।

इसी प्रकार, स्लोवाकिया की राजधानी ब्रातिस्लावा के प्रतिष्ठित 'ह्लावने नामेस्तिए' में आयोजित समारोह में स्थानीय समुदाय ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। इस अवसर पर भारत की स्लोवाक गणराज्य में राजदूत अपूर्वा श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में प्रतिभागियों को योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने और अपने परिवार और मित्रों को भी इसे अपनाने के लिए प्रेरित किया। जापान में त्सुकिजी होंगन-जी टेंपल में आयोजित योग कार्यक्रम में 2,100 से अधिक योग प्रेमियों ने भाग लिया। बारिश के बावजूद 'योग साथ-साथ, बारिश हो या धूप' के उत्साहपूर्ण संदेश के साथ प्रतिभागियों ने योगाभ्यास किया। पूरे आयोजन स्थल पर सकारात्मक ऊर्जा, उत्साह और मुस्कान का वातावरण देखने को मिला।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दुनिया भर में लगभग 2,500 स्थानों पर 210 से अधिक भारतीय मिशनों ने योग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस वैश्विक उत्सव का मुख्य आयोजन कोलकाता के प्रतिष्ठित रेड रोड पर हुआ, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल हुए।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक है, क्योंकि पूरा विश्व योग के माध्यम से एक सूत्र में बंधा हुआ दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा, 'योग ने सीमाओं, भाषाओं और संस्कृतियों से परे जाकर पूरी मानवता को जोड़ने का कार्य किया है। हिमालय से लेकर हिंद महासागर तक योग की ऊर्जा देखने को मिल रही है।'

'कुछ अफसरों को लोगों के काम रोकने में मजा आता है', शिवराज सिंह चौहान ने चेताया

विश्व केसरी

सीहोर। मध्य प्रदेश के सीहोर जिले में रविवार को आयोजित जनकल्याण शिविर में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रशासनिक अधिकारियों पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ अफसरों को जनता का काम रोकने में मजा आता है। उन्होंने मंच से सीहोर के कलेक्टर का जिक्र करते हुए कहा कि वह सरकार की मंशा पर पलीता न लाए।

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कुछ अफसरों को जनता के काम रोकने में मजा आता है। कलेक्टर को सरकार की मंशा पर पलीता नहीं लगाना चाहिए। सरकार जिस मंशा से काम कर रही है, अफसरों को भी उसी भावना से लागू करना चाहिए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार का उद्देश्य विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाना और आम जनता को सुविधाएं उपलब्ध कराना है। इसमें अफसरों को बाधा डालने के बजाय सहयोग करना चाहिए। शिवराज सिंह चौहान ने अधिकारियों को पीएम आवास योजना का जिक्र करते हुए चेताया। उन्होंने कहा कि अगर किसी का पक्का मकान नहीं है और उसने आवेदन किया है तो उसकी जांच कीजिए, फिजिकल वेरिफिकेशन कीजिए। ऐसा नहीं होना चाहिए कि आवेदन ज्यादा आए तो उसे कोई न कोई बहाना बनाकर निरस्त कर दें। इससे जनता परेशान होती है। सरकार की नीति साफ है कि योग्य लोगों को सरकार की योजनाओं का लाभ मिलेगा।

उन्होंने कहा कि उनके पास शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों से कई शिकायत आई हैं, जिनमें दावा किया गया है कि आवेदन सही होने पर भी अधिकारियों ने लोगों को केंद्र की योजनाओं का लाभ लेने से वंचित कर दिया।

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सरकार की मंशा साफ है कि केंद्र की योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचे। अधिकारी इस बात को भलीभांति समझ लें।

उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना का जिक्र करते हुए बताया कि 21 हजार लोगों का सर्वेक्षण पूरा हो चुका है। फिजिकल वेरिफिकेशन के बाद चेक किया जाएगा कि अगर किसी के पास आवास नहीं है तो उसका आवास बनाकर दिया जाएगा। किसी का कच्चा मकान है तो उसे पक्का बनाने के लिए योजना के तहत सहायता राशि दी जाएगी।

शिवराज सिंह चौहान ने अधिकारियों से सख्ती से कहा कि मैं सभी अधिकारियों से कहना चाहता हूं कि पॉजिटिव माइंडसेट रखें। हमारा काम जनता की समस्याओं का समाधान करना है।

नीट परीक्षा केंद्र पर हिजाब को लेकर विवाद, पुलिस ने स्थिति को संभाला

विश्व केसरी

अहमदाबाद। अहमदाबाद में रविवार को नीट री-एग्जाम सेंटर पर ड्रेस कोड और सुरक्षा नियमों के पालन को लेकर हुए विवाद के बाद तनाव की स्थिति बन गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित कर लिया।

यह घटना वस्त्रापुर इलाके में स्थित आर.जे. टिबरेवाल कॉमर्स कॉलेज में हुई, जो राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) री-एग्जाम के केंद्रों में से एक था।

स्थिति तब तनावपूर्ण हो गई जब एक महिला छात्रा हिजाब पहनकर परीक्षा देने आई। अधिकारियों के अनुसार जांच के दौरान उसे हिजाब हटाने को कहा गया। छात्रा की मां ने इस पर आपत्ति जताई और कहा कि उनकी बेटी को हिजाब पहनकर परीक्षा देने की अनुमति दी जाए। इसके बाद कॉलेज प्रिंसिपल, परीक्षा स्टाफ और पुलिस की बातचीत के बाद छात्रा को हिजाब पहनकर परीक्षा में शामिल होने की अनुमति दे दी गई।

इस फैसले के बाद वहां मौजूद कुछ अभिभावकों ने आपत्ति जताई। उनका कहना था कि हिंदू धार्मिक प्रतीक जैसे कलावा, कंठी और कंगन आदि भी जांच के दौरान उतरवाए गए थे, तो फिर कुछ मामलों में छूट क्यों दी जा रही है।

विवाद की खबर फैलने के बाद केंद्र के बाहर भीड़ जमा हो गई और विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। बजरंग दल से जुड़े कुछ लोग और एआईएमआईएम से जुड़े कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंच गए, जिससे स्थिति थोड़ी तनावपूर्ण हो गई। इस दौरान हल्की झड़प की भी खबरें सामने आईं। पुलिस ने तुरंत हस्तक्षेप कर स्थिति को नियंत्रित किया। असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ पुलिस जयेश भ्रम भट्ट सहित वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और भीड़ को नियंत्रित किया। पुलिस के अनुसार, सार्वजनिक व्यवस्था भंग करने वाले कुछ लोगों को मौके से हटा दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि परीक्षा नियमों के तहत धार्मिक वस्तुओं को हटाने की प्रक्रिया मानक है और जो लोग आपत्ति कर रहे थे, उन्हें समझाया गया। अधिकारियों ने यह भी बताया कि संबंधित छात्रा को परीक्षा देने की अनुमति मिल गई और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में रही।

संक्षिप्त खबर

खूंटी में पुलिस के साथ मुठभेड़ में उग्रवादी को लगी गोली, हथियार बरामद

विश्व केसरी

रांची/खूंटी। झारखंड के खूंटी जिले में रविवार सुबह पुलिस और प्रतिबंधित संगठन पीएलएफआई (पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया) के एक उग्रवादी के बीच मुठभेड़ हुई। पुलिस के अनुसार, हाल ही में गिरफ्तार किए गए उग्रवादी श्रवण दास को हथियारों की बरामदगी के लिए कर्रा-जरियागढ़ सीमा क्षेत्र के जंगल में ले जाया गया था। इसी दौरान उसने एक पुलिसकर्मी का हथियार छीनकर भागने और फायरिंग करने का प्रयास किया, जिसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। इस कार्रवाई में श्रवण दास के पैर में गोली लगी।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि श्रवण दास को हाल के दिनों में जिले में फायरिंग, वाहनों में आगजनी और ठेकेदारों से लेवी वसूली की घटनाओं में संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पूछताछ के दौरान उसने खुलासा किया था कि जरियागढ़ इलाके के जंगलों में बड़ी मात्रा में हथियार छिपाकर रखे गए हैं। इसी सूचना के आधार पर पुलिस की एक विशेष टीम रविवार सुबह उसे लेकर हथियारों की बरामदगी के लिए गई थी। बताया गया कि जंगल में पहुंचने के बाद श्रवण दास ने अचानक एक पुलिसकर्मी का हथियार छीन लिया और जंगल की ओर भागते हुए फायरिंग शुरू कर दी। स्थिति को नियंत्रित करने और आत्मरक्षा के लिए पुलिस टीम ने जवाबी फायरिंग की, जिसमें उसके पैर में गोली लग गई।

विजयवाड़ा के युवक की पुलिस हिरासत में मौत की जांच के लिए एसआईटी गठित

विश्व केसरी

विजयवाड़ा। आंध्र प्रदेश पुलिस ने विजयवाड़ा में 25 साल के युवक साई कृष्णा की हिरासत में मौत मामले की जांच के लिए एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) बनाई है। इंस्पेक्टर जनरल (लॉ एंड ऑर्डर) एम. रवि प्रकाश गाडे एसआईटी को हेड करेंगे। चीफ सेक्रेटरी साई प्रसाद द्वारा जारी एक सरकारी ऑर्डर के अनुसार, वेस्ट गोदावरी के पुलिस सुपरिटेंडेंट अदनान नईम अस्मी और अल्लूरी सीतारामाराजू के एसपी अमित बरदार इसके मेंबर होंगे। बापटला जिले के एडिशनल एसपी एल. सुधाकर को इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर बनाया गया है। सरकार ने एसआईटी को इन्वेस्टिगेशन करने के लिए पुलिस डिपार्टमेंट के अलग-अलग विंग से जरूरी एक्स्ट्रा स्टाफ, टेक्निकल और फोरेंसिक सपोर्ट लेने के अधिकार दिए हैं। जांच दल कृष्णलंका पुलिस स्टेशन के निलंबित सर्किल इंस्पेक्टर नगराजू के खिलाफ गैरकानूनी हिरासत, हत्या और सबूत मिटाने के आरोपों की जांच करेगा। साई कृष्णा की मां गाडे विजया लक्ष्मी की शिकायत पर 19 जून को नागराजू के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। टास्क फोर्स पुलिस सोमवार सुबह से सिंह नगर स्थित नगराजू के आवास पर उनसे पूछताछ कर रही है। पूछताछ के बाद निलंबित एसएचओ की गिरफ्तारी की संभावना है। पुलिस ने साई कृष्णा को 9 मई को एक केस में पूछताछ के लिए उठाया था और वह तब से वापस नहीं आया।

बीमारियों को दूर रखने का रामबाण इलाज है योग : सीएम फडणवीस

विश्व केसरी

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि योग लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियों को रोकने का रामबाण इलाज है। खासकर ऐसे समय में जब हाल के दिनों में बीमारियों से जुड़े मामले काफी बढ़ गए हैं।

उन्होंने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए सभी लोगों को नियमित तौर पर योग करना चाहिए। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस जुहू बीच पर फूड कोर्ट के पास आयोजित 12वें इंटरनेशनल योग डे प्रोग्राम में बोल रहे थे। इस दौरान महाराष्ट्र विधान परिषद के सभापति प्रो. राम शिंदे, एमपी रवींद्र वायकर, विधायक अमित साटम और भाजपा नेता शिवप्रकाश, केशव उपाध्याय, पवन त्रिपाठी, दीप्ति वायकर भी मंच पर योग अभ्यास में शामिल हुए।

उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति नियमित तौर पर योग करता है, वह किसी भी मानसिक हालात में चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना कर सकता है। उन्होंने योग के साइंस को प्रमोट करने और लोकप्रिय बनाने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने लोगों से अपने शरीर को स्वस्थ और मन को शांत व खुश रखने के लिए नियमित योग करने की भी अपील की।

योग को ग्लोबल पहचान दिलाने में भारत के योगदान को याद करते हुए उन्होंने कहा कि भारत ने संयुक्त राष्ट्र में 21 जून को इंटरनेशनल योग डे मनाने का प्रस्ताव दिया था। यह यूनाइटेड नेशंस के इतिहास में सबसे तेजी से मंजूर हुए प्रस्तावों में से एक है और इसे बिना किसी विरोध के अपनाया गया। उन्होंने कहा कि आज भारत के प्रस्ताव के हिसाब से पूरी दुनिया में योग किया जाता है। दुनिया ने शारीरिक और मानसिक सेहत के लिए योग की अहमियत को पहचाना है। योग साइंस और योग थेरेपी में दुनियाभर में दिलचस्पी बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि इंसान सिर्फ एक शरीर नहीं है बल्कि उसमें मन और आत्मा भी शामिल हैं। इंसान का मन अंदर से प्रकृति से जुड़ा हुआ है। इसलिए, योग का साइंस शरीर, मन और आत्मा को एक साथ मानता है। योग मन और प्रकृति के तत्वों के बीच के रिश्ते को ठीक करने में मदद करता है। योग की रेगुलर प्रैक्टिस न सिर्फ सेहत को बेहतर बनाती है बल्कि मानसिक तौर पर भी मजबूत करती है। इस मौके पर शिवप्रकाश ने भी लोगों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आयोजन के दौरान कई योगासन किए। योग इंस्ट्रक्टर और बड़ी संख्या में नागरिक भी इस इवेंट में हिस्सा लिया।

देश की आर्थिक स्थिति पर चर्चा के लिए संसदीय समिति की जल्द होगी बैठक

विश्व केसरी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संकट से पैदा हुई अनिश्चितताओं के बीच, देश में बदलती आर्थिक स्थिति पर चर्चा करने के लिए संसदीय वित्त समिति जल्द ही बैठक करेगी।

समिति के चेयरमैन भर्तृहरि महताब ने कहा, 'गंभीर चुनौतियों के बावजूद, भारत की अर्थव्यवस्था मजबूती से उभर रही है। कुछ बहुत अच्छे संकेत भी हैं, जैसे कि पिछले साल की तुलना में परिवारों की बचत में भी बढ़ोतरी हुई है।'

उन्होंने कहा कि चुनौती यह है कि आर्थिक विकास दर को बढ़ाने के लिए सरकारी निवेश तो बढ़ रहा है, लेकिन निजी निवेश में तेजी नहीं आ रही है।

समिति ने इस महीने के तीसरे हफ्ते के आस-पास फिर से बैठक करने का फैसला किया है और सरकार के लिए सुझावों के साथ एक रिपोर्ट भी तैयार करेगी।

लोकसभा बुलेटिन के अनुसार, वित्त मामलों की स्थायी समिति ने 2025-26 के दौरान विस्तार से जांच के लिए 'देश में बदलती आर्थिक स्थितियां' को एक अतिरिक्त विषय के तौर पर चुना है।

संसदीय समितियां गठन के तुरंत बाद चर्चा के लिए विषय चुनती हैं, लेकिन उन्हें बदलती परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त विषय चुनने की भी आजादी होती है।

इस अलावा, शुक्रवार को जारी आरबीआई की मॉनेटरी पॉलिसी कमिटी की बैठक के मिनट्स में बताया गया कि अर्थव्यवस्था के मजबूत आधार की वजह से भारत पश्चिम एशिया संकट से पैदा हुई दिक्कतों का सामना करने में सफल रहा है।

मौद्रिक नीति कमेटी (एमपीसी) के सदस्य नागेश कुमार ने कहा, 'पिछले ज्यादातर आर्थिक संकटों (जैसे ग्लोबल फाइनेंशियल क्राइसिस, टेपर टैंट्रम या कोविड-19) के मुकाबले, पश्चिम एशिया संकट के समय भारतीय अर्थव्यवस्था के व्यापक आधार कहीं अधिक मजबूत थे।'

महाराष्ट्र मानसून सत्र सोमवार से 'ऑपरेशन टाइगर' से सियासी पारा चढ़ा

विश्व केसरी

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा का तीन सप्ताह का मानसून सत्र सोमवार से शुरू होने जा रहा है। 10 जुलाई तक चलने वाला यह सत्र राजनीतिक उठापटक और मौसम संबंधी चुनौतियों के बीच काफी हंगामेदार रहने की संभावना है। एक ओर कथित 'ऑपरेशन टाइगर' को लेकर सियासी माहौल गर्म है, वहीं दूसरी ओर अनियमित मानसून और किसानों की समस्याएं सरकार के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई हैं।

सत्र से पहले राज्य की राजनीति में 'ऑपरेशन टाइगर' चर्चा का केंद्र बना हुआ है। विपक्ष का आरोप है कि सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) के कुछ लोकसभा सांसदों को अपने पक्ष में लाने की कोशिश कर रहा है। शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने हाल ही में पार्टी के 60वें स्थापना दिवस पर कथित बागी नेताओं को 'बेशर्म और एहसान फरामोश' बताते हुए तीखा हमला बोला था। इस बार विधानसभा और विधान परिषद, दोनों सदनों में आधिकारिक नेता प्रतिपक्ष नहीं होने की संभावना है। ऐसे में सत्ता पक्ष इस स्थिति का लाभ उठाकर अपने विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाने की कोशिश करेगा। वहीं, शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने 'ऑपरेशन टाइगर' के जवाब में 'ऑपरेशन वुल्फ' शुरू करने की चेतावनी दी है, जिससे सदन में विपक्ष के आक्रामक रुख के संकेत मिल रहे हैं। सत्तारूढ़ गठबंधन मानसून सत्र के पहले सप्ताह में विधान परिषद के उपसभापति पद के लिए चुनाव कराने की तैयारी में है। शिवसेना नेता नीलम गोरहे के दोबारा विधान परिषद सदस्य चुने जाने के बाद उन्हें फिर से इस पद पर बैठाने की संभावना जताई जा रही है।

सदन के भीतर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बीच राज्य के किसानों की समस्याएं भी प्रमुख मुद्दा रहेंगी। महाराष्ट्र में अनियमित और लंबे समय तक कमजोर मानसून ने कृषि क्षेत्र की चिंताएं बढ़ा दी हैं। सरकार किसानों को जल्दबाजी में बुवाई न करने और मौसम विभाग की अगली सलाह का इंतजार करने की अपील कर चुकी है। राज्य के 3,000 से अधिक जलाशयों में जलस्तर लगातार घट रहा है, जिसके चलते सरकार ने कई राहत और बचाव उपाय शुरू किए हैं। हालांकि विपक्ष का आरोप है कि एल नीनो के कारण पैदा हुई सूखे जैसी स्थिति से निपटने के लिए सरकार ने पर्याप्त तैयारी नहीं की।

महुआ मोइत्रा ने एनसीपीआई का उड़ाया मजाक काकोली घोष दस्तीदार ने किया पलटवार

विश्व केसरी

कोलकाता। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने रविवार को नेशनल सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) के सोशल मीडिया हैंडल पर उसके गरीबों के हितैषी होने के दावों का मजाक उड़ाया।

रविवार को अपने सोशल मीडिया पोस्ट में मोइत्रा ने इस बात पर भी शक जताया कि एनसीपीआई अपनी गरीबों के हक वाली इमेज कब तक बनाए रख पाएगी, जबकि 20 बागी तृणमूल कांग्रेस के लोकसभा सदस्य त्रिपुरा की लगभग न के बराबर पॉलिटिकल पार्टी में शामिल हो गए हैं।

महुआ के पोस्ट पर बागी टीएमसी सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने पलटवार किया। उन्होंने आर जी कर मामले का जिक्र करते हुए लिखा कि अभया के लिए न्याय मांगता है बंगाल, अभया के लिए न्याय मांगता है भारत, अभया के लिए न्याय मांगता है मानवता। हम असली बलात्कारी के लिए मौत की सजा चाहते हैं। दूसरी ओर, मोइत्रा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि एनसीपीआई अब टीएमसी के सिंबल पर चुने गए 20 सांसदों की नई पार्टी है। इसके फेसबुक पेज पर लिखा है, 'यह हमारे समाज के गरीब लोगों की मदद करती है।' सच में उम्मीद है कि यह इन 20 लोगों, जो इतने गरीब नहीं हैं, गद्दारों की भी मदद करेगी। महुआ तृणमूल कांग्रेस के उन कुछ लोकसभा सदस्यों में से एक हैं जो पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी के प्रति अपनी वफादारी बनाए हुए हैं। जब से चार बार के लोकसभा सदस्य डॉ. काकोली घोष दस्तीदार और शताब्दी रॉय के नेतृत्व में 20 बागी लोकसभा सदस्य टीएमसी से अलग होकर एनसीपीआई में शामिल हुए हैं। मोइत्रा इसकी सबसे मुखर आलोचना कर रही हैं, चाहे वह सोशल मीडिया पर हो या मीडियाकर्मियों से बात करते समय।

इस बीच, मोइत्रा ने राज्य पुलिस द्वारा तृणमूल कांग्रेस के तीन ऑफिशियल बैंक अकाउंट फ्रीज करने के कदम की भी आलोचना की है। तृणमूल कांग्रेस के पूर्व ट्रेजरर और पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री, अरूप बिस्वास द्वारा संबंधित बैंक अधिकारियों को लिखे गए एक लेटर के बाद ये अकाउंट फ्रीज किए गए थे, जिसमें इन बैंक अकाउंट को फ्रीज करने का अनुरोध किया गया था। बिस्वास का बैंक अधिकारियों को लिखा गया लेटर विधानसभा में तृणमूल कांग्रेस के कुछ बागी विधायकों द्वारा पुलिस में की गई शिकायतों के बाद आया।

सीएम चंद्रबाबू नायडू ने बैंकरों से आंध्र प्रदेश में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने का किया आग्रह

विश्व केसरी

अमरावती। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को बैंकरों से राज्य भर में आर्थिक गतिविधियों को आसान बनाने के लिए सहयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने सचिवालय में आयोजित 235वीं राज्य स्तरीय बैंकर समिति (एसएलबीसी) की बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में 2026-27 के लिए वार्षिक ऋण योजना पर चर्चा की गई और कृषि क्षेत्र, एमएसएमई, स्वयं सहायता समूहों (सीएचजी) और बटाईदार किसानों को दिए गए ऋण की समीक्षा की गई।

बैंकों ने बताया कि उन्होंने 2025-26 में कृषि क्षेत्र को 3,86,249 करोड़ रुपए का ऋण दिया। उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि एमएसएमई क्षेत्र को 1,17,357 करोड़ रुपए और प्राथमिकता वाले क्षेत्र को 5,19,693 करोड़ रुपए का ऋण दिया गया। बैंकरों ने बताया कि आंध्र प्रदेश में ऋण वितरण दक्षिण भारत के अन्य राज्यों की तुलना में 137 प्रतिशत अधिक है।

बैठक में मुख्य सचिव साई प्रसाद, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के एमडी और सीईओ आशीष पांडे, केंद्रीय वित्त मंत्रालय की निदेशक नीलम अग्रवाल, आरबीआई के क्षेत्रीय निदेशक एओ बशीर, नाबार्ड के जीएम केवीएस प्रसाद और अन्य लोग शामिल हुए।

इस बीच, मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू शनिवार को पलनाडू जिले के चिलकलुरिपेट मंडल के लिंगंगुंटला गांव से 'अन्नदाता सुखीभव-पीएम किसान' योजना के तहत 3,125.47 करोड़ रुपए जारी करेंगे, जिससे कुल 46,85,838 किसानों को लाभ होगा।

तेलंगाना परिवहन निगम की इलेक्ट्रिक बस में लगी आग

बाल-बाल बची 40 लोगों की जान

विश्व केसरी

हैदराबाद। तेलंगाना के करीमनगर जिले में रविवार को एक इलेक्ट्रिक बस में अचानक आग लग जाने से उसमें सवार 40 से अधिक यात्रियों की जान बाल-बाल बच गई।

तेलंगाना के करीमनगर जिले में रविवार को एक बड़ा हादसा टल गया, जब तेलंगाना स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (टीजीएसआरटीसी) की एक इलेक्ट्रिक बस में आग लग गई। बस करीमनगर से हैदराबाद जा रही थी।

यह दुर्घटना अलुगुनूर के पास टिम्मापुर मंडल में हुई। पुलिस के अनुसार, बस के अलुगुनूर के निकट पहुंचने पर इंजन से धुआं निकलता दिखाई दिया। चालक ने तुरंत बस रोक दी और यात्रियों को सतर्क किया,

जिसके बाद सभी यात्री फौरन बस से उतर गए। कुछ ही देर में बस पूरी तरह आग की चपेट में आ गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया लेकिन तब तक पूरी बस जलकर खाक हो चुकी थी।

बस में कुल 41 यात्री सवार थे। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हाल के समय में टीजीएसआरटीसी की इलेक्ट्रिक बसों में आग लगने की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले 29 मार्च को हनुमाकोंडा के एक बस डिपो में खड़ी एक इलेक्ट्रिक बस शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने से पूरी तरह जल गई थी।

इस बीच, रविवार को तेलंगाना के यदाद्रि भुवनागिरि जिले में भी एक कंटेनर ट्रक पलटने से भारी यातायात जाम लग गया। यह हादसा बोरालागुडम में चौटुपल मंडल के पास हुआ।

हालांकि इस दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन सड़क के बीचों-बीच ट्रक पलट जाने से हैदराबाद-विजयवाडा नेशनल हाईवे पर यातायात बुरी तरह प्रभावित हो गया। पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा से हैदराबाद आने वाले वाहनों की आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई।

सौर ऊर्जा उपकरण लेकर ष्द्धद्दठ्ठड्ढ जा रहा कंटेनर ट्रक हटाने के लिए पुलिस ने दो क्रेन तैनात कीं। साथ ही, कुछ स्थानों पर यातायात को डायवर्ट कर वाहन चालकों को राहत देने का प्रयास किया गया।

विश्व केसरी

22 जून: जब भारत ने अंतरिक्ष में रचा था इतिहास, एक साथ 20 सैटेलाइट भेजकर दुनिया को दिखाया दम

नई दिल्ली। भारत के अंतरिक्ष इतिहास में 22 जून की तारीख स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज है। यह वह दिन है, जब भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपनी तकनीकी क्षमता, विश्वसनीयता और बढ़ती वैश्विक साख का ऐसा प्रदर्शन किया, जिसने दुनिया को भारत की अंतरिक्ष शक्ति का नया परिचय दिया। साल 2016 में इसी दिन इसरो ने अपने रॉकेट पीएसएलवी-सी34 के जरिए एक साथ 20 सैटेलाइटों की सफल लॉन्चिंग कर नया इतिहास रचा था।

यह उपलब्धि सिर्फ एक सफल लॉन्चिंग भर नहीं थी बल्कि अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की बढ़ती ताकत और वैश्विक स्तर पर उसकी स्वीकार्यता का प्रतीक थी। उस समय एक ही मिशन में 20 सैटेलाइट की लॉन्चिंग भारत के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी गई थी।

आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से सुबह 9 बजकर 26 मिनट पर पीएसएलवी-सी34 ने उड़ान भरी। मिशन की मुख्य सैटेलाइट 727.5 किलोग्राम वजनी कार्टोसैट-2 कैटेगरी की सैटेलाइट थी। इसके साथ 19 सह-यात्री सैटेलाइट भी अंतरिक्ष में भेजी गई।

उड़ान के दौरान रॉकेट के सभी चरण तय योजना के अनुसार सफलतापूर्वक पूरे हुए। लगभग 16 मिनट 30 सेकेंड बाद कार्टोसैट-2 को उसकी निर्धारित कक्षा में स्थापित कर दिया गया और अगले कुछ मिनटों में बाकी सभी 19 सैटेलाइट भी सफलतापूर्वक अलग हो गए। इस तरह मिशन पूरी तरह सफल रहा।

इस मिशन की सबसे महत्वपूर्ण पेलोड कार्टोसैट-2 कैटेगरी की सैटेलाइट थी। यह अत्याधुनिक कैमरों से लैस थी, जो पृथ्वी की हाई-रिजॉल्यूशन तस्वीरें लेने में सक्षम है।

इसके जरिए शहरी और ग्रामीण उपयोग, सड़क नेटवर्क की निगरानी, जल संसाधन प्रबंधन, तटीय क्षेत्रों का अध्ययन, भूमि उपयोग मानचित्र तैयार करने और भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) जैसे कई क्षेत्रों में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

आसान शब्दों में कहें तो यह सैटेलाइट विकास योजनाओं से लेकर संसाधनों के बेहतर प्रबंधन तक में अहम भूमिका निभाने वाली साबित हुई।

मिशन की एक खास बात यह भी थी कि इसमें भारत के छात्रों की ओर से बनाए गए सैटेलाइट को भी अंतरिक्ष में भेजा गया। 'सत्यभामासैट' और 'स्वयं' नाम की इन सैटेलाइट को बनाने में चेन्नई के सत्यभामा विश्वविद्यालय और पुणे के इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्रों ने योगदान दिया था। इन सैटेलाइट की लॉन्चिंग इसका भी संदेश था कि भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम सिर्फ वैज्ञानिकों तक सीमित नहीं है, बल्कि युवा प्रतिभाओं को भी बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने का अवसर दे रहा है।

इस मिशन में पीएसएलवी-सी34 के साथ भेजी गई 17 अन्य सैटेलाइट कनाडा, जर्मनी, इंडोनेशिया और अमेरिका की थीं। इनमें सबसे अधिक 13 सैटेलाइट अमेरिका की थीं, जबकि कनाडा की दो, जर्मनी और इंडोनेशिया की एक-एक सैटेलाइट को भेजा गया था।

इस मिशन की सफलता से साफ है कि भारत ने अंतरिक्ष में अपनी उड़ान को नई ऊंचाई दी और दुनिया को बता दिया कि उसका आसमान अब पहले से कहीं ज्यादा विशाल है।

बांग्लादेश को डरा रहा डेंगू: अब तक 9 लोगों की मौत

ढाका । बांग्लादेश में डेंगू का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। रविवार सुबह तक इस मच्छर जनित बीमारी से दो और लोगों की मौत दर्ज की गई, जिससे इस वर्ष कुल डेंगू मौतों की संख्या बढ़कर नौ हो गई है।

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के अनुसार, इसी अवधि में 220 नए मरीजों को अस्पताल में भर्ती किया गया, जिससे कुल संक्रमण मामलों की संख्या 4,900 तक पहुंच गई है।

पहली मौत ढाका दक्षिण सिटी कॉरपोरेशन (डीएससीसी) क्षेत्र और दूसरी बारिशाल डिवीजन में दर्ज की गई। अधिकारियों के अनुसार, देश के विभिन्न हिस्सों में डेंगू के मामलों में निरंतर बढ़ोतरी देखी जा रही है, जिससे स्वास्थ्य व्यवस्था पर दबाव बढ़ रहा है।

डीजीएचएस के आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष दर्ज किए गए कुल डेंगू मरीजों में 60 प्रतिशत पुरुष और 40 प्रतिशत महिलाएं शामिल हैं। यह बीमारी अब शहरी और अर्ध-शहरी दोनों क्षेत्रों में तेजी से फैल रही है।

बांग्लादेश में डेंगू के मामलों को लेकर हाल के वर्षों के आंकड़े यह दिखाते हैं कि बीमारी का प्रकोप लगातार गंभीर बना हुआ है, हालांकि मौतों की संख्या में कुछ उतार-चढ़ाव देखा गया है।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025 में 1 जनवरी से 31 दिसंबर के बीच देश में कुल 1,02,861 डेंगू के मामले दर्ज किए गए, जबकि इस दौरान 413 लोगों की मौत हुई। यह आंकड़ा दर्शाता है कि संक्रमण का स्तर ऊंचा बना रहा, लेकिन पिछले वर्ष की तुलना में मृत्यु दर में गिरावट देखी गई।

वहीं, वर्ष 2024 में स्थिति और भी गंभीर थी, जब देश में 1,01,214 डेंगू मामले दर्ज किए गए थे। हालांकि मामलों की संख्या लगभग समान रही, लेकिन इस वर्ष मृतक संख्या अधिक थी, जो 575 तक पहुंच गई थी।

विशेषज्ञों का मानना है कि डेंगू बांग्लादेश के लिए एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बना हुआ है। शहरीकरण, जलभराव और मच्छरों के प्रजनन स्थलों की वृद्धि ने इस बीमारी के नियंत्रण को कठिन बना दिया है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि रोकथाम के उपायों को और मजबूत नहीं किया गया, तो आने वाले वर्षों में भी डेंगू का खतरा बना रह सकता है। बांग्लादेशी नागरिकों से ये भी अपील की गई है कि वे मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए सावधानी बरतें और समय पर इलाज के लिए अस्पतालों से संपर्क करें। लगातार बढ़ते मामलों ने सरकार और स्वास्थ्य एजेंसियों के लिए चुनौती खड़ी कर दी है।

केंद्रीय मंत्री रक्षा खडसे ने मुंबई में आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में हिस्सा लिया

विश्व केसरी ■

मुंबई। युवा मामले और खेल राज्य मंत्री, रक्षा खडसे, ने स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) के क्षेत्रिय केंद्र कांदिवली, मुंबई में आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। कार्यक्रम में 300 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया, जिसमें एथलीट, कोच, अधिकारी, सहयोगी स्टाफ और स्थानीय लोग शामिल थे।

कार्यक्रम में लोकसभा के पूर्व सदस्य रहे डॉ. हीना गावित और डॉ. प्रीतम गोपीनाथ मुंडे के अलावा, मुंबई साई के क्षेत्रिय अधिकारी पांडुरंग चाटे, साई के अधिकारी, सहयोगी स्टाफ मौजूद थे।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुरुआत में प्रतिभागियों ने विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में अलग-अलग योग आसन, सासों से जुड़े आसन और ध्यान का अभ्यास किया। बड़ी संख्या में योग करते लोगों ने एकता, अनुशासन और सबकी भलाई की भावना को

दिखाया। स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से अहम योग के इस संदेश का प्रसार वैश्विक स्तर पर हुआ।

कार्यक्रम में ताकत, लचीलेपन और धैर्य को दिखाने वाले विशेष योग का प्रदर्शन भी किया गया। योग के शारीरिक, मानसिक और धार्मिक फायदों और सभी उम्र के लोगों के लिए इसकी जरूरत पर जोर दिया गया।

रक्षा खडसे ने मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा, 'आज की तेज रफ्तार दुनिया में शारीरिक फिटनेस, मानसिक और भावनात्मक संतुलन बेहद अहम है। युवाओं और एथलीटों को अपनी दिनचर्या में योग को शामिल करना चाहिए।'

उन्होंने कहा, 'ध्यान जिंदगी की चाबी है, और इसे पाने के लिए योग जरूरी है। योग सिर्फ शारीरिक फिटनेस के लिए ही नहीं, बल्कि मानसिक शांति, अंदरूनी संतुलन और पूरी सेहत का रास्ता भी है।'

जरूरत से ज्यादा सोना सेहत के लिए खतरनाक, शरीर देता है गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं की चेतावनी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। अच्छी सेहत के लिए नींद बेहद जरूरी है। स्वस्थ रहने के लिए रोजाना लगभग 7 से 9 घंटे की नींद लेनी चाहिए, लेकिन समस्या तब शुरू होती है जब नींद कम नहीं, बल्कि जरूरत से ज्यादा आने लगे। अगर कोई व्यक्ति रोज 10 घंटे या उससे ज्यादा सोता है और फिर भी खुद को थका हुआ महसूस करता है, तो यह सामान्य नहीं है।

बच्चों, किशोरों, गर्भवती महिलाओं या बीमारी से ठीक हो रहे लोगों में नींद की जरूरत थोड़ी अधिक हो सकती है, लेकिन स्वस्थ वयस्कों में लगातार बहुत ज्यादा नींद किसी छिपी समस्या का संकेत हो सकती है।

वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि जरूरत से ज्यादा सोने से शरीर की गतिविधियां कम हो सकती हैं। जब व्यक्ति ज्यादा समय बिस्तर पर बिताता है, तो इससे वजन बढ़ने की संभावना बढ़ती है। लंबे समय तक ऐसा चलने पर शरीर का मेटाबॉलिज्म भी धीमा हो सकता है। इसके अलावा कई लोग ज्यादा सोने के बाद भी भारीपन, सुस्ती और सिरदर्द महसूस करते हैं।

डॉक्टर बताते हैं कि बहुत ज्यादा नींद आना कई बार किसी अंदरूनी स्वास्थ्य समस्या का संकेत हो सकता है। नींद से जुड़ी कुछ बीमारियां जैसे नींद में सांस रुकना, मस्तिष्क से जुड़ी नींद की समस्याएं या शरीर में बेचैनी की स्थिति नींद को बार-बार बाधित कर सकती हैं। इसी वजह से व्यक्ति ज्यादा देर तक सोने के बाद भी थका हुआ महसूस करता है। इसके अलावा अनियमित दिनचर्या, लगातार तनाव, गलत खानपान, बहुत ज्यादा कैफीन या शराब का सेवन भी नींद के पैटर्न को बिगाड़ सकता है।

कुछ मामलों में यह स्थिति शरीर के हार्मोनल बदलाव या पुरानी बीमारियों से भी जुड़ी हो सकती है। जैसे थायरॉयड की समस्या, ब्लड शुगर का असंतुलन या कुछ तंत्रिका तंत्र से जुड़ी बीमारियों में भी व्यक्ति को ज्यादा सोने के लिए मजबूर करती हैं। इसलिए अगर किसी व्यक्ति की नींद अचानक बढ़ जाए या वह लंबे समय तक थकान महसूस करता रहे, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

डॉक्टरों की सलाह है कि अगर ज्यादा नींद के साथ तेज खर्राटे, सांस लेने में परेशानी, अचानक वजन बढ़ना या याददाश्त कमजोर होने जैसे लक्षण दिखें तो तुरंत जांच करानी चाहिए।

विश्वभर में योगोत्सव: हेलसिंकी से लेबनान तक योग की वैश्विक गूंज

विश्व केसरी ■

बेरूत/हेलसिंकी/बाकू/म्बाबाने। काकेशस क्षेत्र के अजरबैजान, पश्चिम एशिया के लेबनान, नॉर्डिक देश फिनलैंड और दक्षिणी अफ्रीकी देश एस्वातिनी में भी योगासन और प्राणायाम किया गया। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 के अवसर पर 'योग के माध्यम से स्वस्थ वृद्धावस्था' थीम पर लोग मन, आत्मा और शरीर के बीच संतुलन बनाने का प्रयास करते दिखे।

इन देशों में मौजूद भारतीय एंबेसी और उच्चायोगों ने तस्वीरों के माध्यम से इसकी झलक दिखाई। फिनलैंड की राजधानी हेलसिंकी में भारतीय दूतावास ने प्रतिष्ठित ओड़ी लाइब्रेरी में विशेष योग सत्र का

आयोजन किया, जो फिनलैंड की संसद भवन के सामने स्थित है। इस कार्यक्रम में राजनयिकों, फिनलैंड के अधिकारियों, भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्यों और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। भारतीय राजदूत ने योग के समग्र स्वास्थ्य लाभों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि हाल ही में भारत में आयोजित एक ऐतिहासिक योग कार्यक्रम में 4 लाख से अधिक लोगों ने भाग लेकर विश्व रिकॉर्ड बनाया।

वहीं, अजरबैजान की प्रसिद्ध बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. आयतेन इस्माइलजादा का एक प्रेरणादायक वीडियो क्लिप शेयर किया गया। आयतेन पिछले तीन वर्षों से योग का अभ्यास कर रही हैं। उन्होंने योग के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक लाभ गिनाए और अपने जीवन पर पड़े प्रभाव का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि योग को नियमित रूप से अपनाने से लोग प्राकृतिक रूप से स्वस्थ रह सकते हैं और संतुलित जीवन जी सकते हैं। उन्होंने यह भी आशा व्यक्त की कि अजरबैजान में योग और अधिक लोकप्रिय होगा और अधिक लोग इसके लाभों से जुड़ेंगे।

इसी क्रम में लेबनान के दक्षिणी क्षेत्र में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन (यूएनआईएफआईएल) के तहत भारतीय बटालियन ने भी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया।

वायु प्रदूषण से याददाश्त होती है कमजोर, 10 साल की उम्र बढ़ने जितना नुकसान: स्टडी में खुलासा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। वायु प्रदूषण का असर हमारे दिल पर ही नहीं बल्कि दिमाग पर भी पड़ता है। ऐसा कि याददाश्त कमजोर हो सकती है और सोचने-समझने की क्षमता भी घट जाती है। एक नए अध्ययन में दावा किया गया है कि लंबे समय तक वायु प्रदूषण के संपर्क में रहने से इंसान की याददाश्त और कॉग्निटिव क्षमताओं पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। शोधकर्ताओं के अनुसार, इसका असर लगभग 10 वर्ष की प्राकृतिक उम्र बढ़ने के बराबर हो सकता है।

यह अध्ययन अमेरिकी संस्थानों यूसी डेविस हेल्थ और कैसर परमानेंटे के शोधकर्ताओं द्वारा किया गया। इसमें सूक्ष्म कणों (फाइन पार्टिकुलेट मैटर) के लंबे समय तक संपर्क का मस्तिष्क स्वास्थ्य पर प्रभाव जांचा गया।

शोधकर्ताओं ने बताया कि जंगल की आग, जीवाश्म ईंधन आधारित बिजली संयंत्रों, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) डेटा सेंटरों और अधिक ईंधन खपत करने वाले वाहनों से उत्पन्न प्रदूषण वायु गुणवत्ता को लगातार खराब कर रहा है। अध्ययन के अनुसार, ये प्रदूषक केवल पर्यावरण के लिए ही नहीं, बल्कि मानव मस्तिष्क के लिए भी गंभीर खतरा पैदा कर रहे हैं।

अध्ययन में पाया गया कि लगभग 20 वर्षों तक अत्यधिक प्रदूषित वातावरण में रहने वाले लोगों की स्मरण शक्ति अपेक्षाकृत कमजोर थी। प्रतिभागियों की तथ्यों, शब्दों और सामान्य जानकारी को याद रखने की क्षमता का परीक्षण किया गया। परिणामों में सामने आया कि अधिक प्रदूषित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के अंक स्वच्छ वातावरण में रहने वालों की तुलना में लगातार कम रहे।

शोधकर्ताओं के अनुसार, प्रदूषण का सबसे अधिक असर 'सिमेंटिक मेमोरी' पर देखा गया। यह वह क्षमता है जिसके माध्यम से व्यक्ति शब्दों, उनके अर्थ, अवधारणाओं और सामान्य ज्ञान को याद रखता है।

असुरक्षित खाना बन सकता है कई बीमारियों की वजह, डब्ल्यूएचओ ने पांच आसान और जरूरी उपाय बताए

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। हर साल 7 जून को विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य लोगों को सुरक्षित और स्वच्छ भोजन के महत्व के प्रति जागरूक करना है। विशेषज्ञों का मानना है कि स्वस्थ जीवन के लिए, केवल पौष्टिक भोजन ही नहीं, बल्कि उसका सुरक्षित और स्वच्छ होना भी उतना ही जरूरी है। इसी अवसर पर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने लोगों को खाद्य जनित बीमारियों से बचाने के लिए पांच महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं।

डब्ल्यूएचओ के अनुसार,

असुरक्षित भोजन खाने से 200 से अधिक प्रकार की बीमारियां हो सकती हैं। दूषित भोजन में मौजूद बैक्टीरिया, वायरस, परजीवी और हानिकारक रसायन शरीर में कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकते हैं। ऐसे में भोजन तैयार करने, रखने और खाने के दौरान कुछ जरूरी सावधानियां अपनाना बेहद महत्वपूर्ण है।

संगठन का पहला सुझाव है कि भोजन बनाते समय और खाने से पहले हाथों की अच्छी तरह सफाई की जाए। रसोईघर, बर्तन और खाने वाली चीजों को भी साफ रखना चाहिए। अच्छी स्वच्छता कई प्रकार के संक्रमणों को रोकने में मदद करती है। दूसरा महत्वपूर्ण सुझाव भोजन को सही तापमान पर सुरक्षित रखने का है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, जल्दी खराब होने वाले खाद्य पदार्थों को 5 डिग्री सेल्सियस या उससे कम तापमान पर संग्रहित करना चाहिए।

एफआईएच हॉकी विमेंस नेशंस कप 2025-26

भारत ने रचा इतिहास!

न्यूज़ीलैंड को 2-0 से हराकर जीता खिताब

ऑकलैंड। भारत ने एफआईएच हॉकी विमेंस नेशंस कप 2025-26 का खिताब अपने नाम कर लिया है। भारतीय टीम ने रविवार को खिताबी मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ 2-0 से जीत दर्ज की। इस कामयाबी पर हॉकी इंडिया ने प्राइज मनी का ऐलान किया है।

मुकाबले के चौथे मिनट में नवनीत कौर ने भारत के लिए पहला गोल किया, जिसके बाद सुनीलिता टोप्पो (15वें मिनट) ने दूसरा गोल दागा। टीम ने शानदार डिफेंसिव खेल दिखाते हुए जीत हासिल की और खिताब अपने नाम किया। इसके साथ ही अगले सीजन के एफआईएच हॉकी महिला प्रो लीग में अपनी जगह भी पक्की कर ली।

फाइनल में लालरेम्सियामी को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का अवॉर्ड मिला, जबकि दीपिका छह गोल के साथ टूर्नामेंट की टॉप स्कोरर रहीं; उन्होंने यह सम्मान यूएसए की एशले सेसा के साथ साझा किया।

यह भारत की दूसरी नेशंस कप जीत है। इससे पहले उन्होंने साल 2022 में हुए पहले टूर्नामेंट में जीत हासिल की थी। भारत इस इवेंट में अजेय रहा और पूल-ए के मुकाबलों में यूएसए (3-2), जापान (2-1) और उरुग्वे (3-2) को शिकस्त दी थी। इसके बाद उन्होंने सेमीफाइनल में चिली के खिलाफ 6-0 से हराया। ??फाइनल में, उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड को 2-0 से हराकर खिताब जीता।

रविवार को फाइनल मैच की शुरुआत में मेजबान टीम का बॉल पर ज्यादा कब्जा रहा और वे बढ़त बनाने की कोशिश कर रहे थे। हालांकि, मेहमान टीम ने पहला बड़ा मौका तब बनाया जब नवनीत को पेनाल्टी कॉर्नर मिला। उन्होंने चौथे मिनट में एक जबरदस्त स्ट्राइक के साथ इस सेट-पीस से गोल किया और भारत को बढ़त दिलाई।

भारत ने ट्रांजिशन में शानदार खेल दिखाया और अपनी ऊर्जा से न्यूजीलैंड के डिफेंस के लिए कई मुश्किलें खड़ी कीं। उन्होंने पहले क्वार्टर में मिले पांचवें पेनल्टी कॉर्नर पर अपनी बढ़त बढ़ाई। 15वें मिनट में सुनीलिता टोप्पो ने दीपिका के तेज शॉट को दिशा देकर स्कोर 2-0 कर दिया।

दूसरे क्वार्टर में भारत ने अनुशासित खेल जारी रखा, जबकि न्यूजीलैंड ने अपनी लय हासिल की और वापसी की कोशिश की। मेहमान टीम को भी अंतर कम करने के कुछ मौके मिले, लेकिन कोई भी टीम दोबारा गोल नहीं कर सकी, जिससे हाफटाइम तक भारत के पास दो गोल की बढ़त बरकरार रही।

तीसरे क्वार्टर में भारत ने मजबूती बनाए रखी और जबरदस्त डिफेंस का प्रदर्शन किया, जिससे मेजबान टीम गोल करने का कोई स्पष्ट मौका नहीं बना सकी। उनके तेजतर्रार खेल ने न्यूजीलैंड के डिफेंस से गलती करवाई, लेकिन नवनीत के रिवर्स शॉट को गोलकीपर ने रोक लिया।

चौथे क्वार्टर की शुरुआत में ही न्यूजीलैंड को पेनाल्टी कॉर्नर मिला। हालांकि, सविता ने उस सेट-पीस को बचा लिया और भारत की दो गोल की बढ़त बनाए रखी। मेहमान टीम ने अपने अनुशासित डिफेंस का शानदार प्रदर्शन जारी रखा और आखिरकार 2-0 से जीत हासिल कर खिताब अपने नाम किया।

टीम की इस कामयाबी का जश्न मनाने के लिए, हॉकी इंडिया ने प्रत्येक खिलाड़ी के लिए 3 लाख रुपए और सपोर्ट स्टाफ के सदस्यों के लिए 1.5 लाख रुपए के नकद इनाम की घोषणा की है।

हॉकी इंडिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, 'शान, आभार और सम्मान। टीम इंडिया की एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप 2025-26 खिताब जीत का सम्मान करते हुए, हॉकी इंडिया हर खिलाड़ी के लिए 3 लाख रुपए और सपोर्ट स्टाफ के हर सदस्य के लिए 1.5 लाख रुपए के नकद इनाम का ऐलान करता है। उस टीम के लिए एक सही इनाम जिसने देश का मान बढ़ाया है।

हॉकी इंडिया ने किया प्राइज मनी का ऐलान

प्रत्येक खिलाड़ी को ₹3 लाख | प्रत्येक सपोर्ट स्टाफ सदस्य को ₹1.5 लाख

"उस टीम के लिए एक सही इनाम जिसने देश का मान बढ़ाया है।"
– हॉकी इंडिया

जय हिंद!
भारतीय महिला हॉकी टीम को सलाम

चमका सूर्यवंशी का 'वैभव'

20 साल पुराने रिकॉर्ड को 11 गेंदों पर ही तोड़ा

29 गेंदें | 94 रन
10 चौके | 8 छक्के | स्ट्राइक रेट 324

लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक

दांबुला। भारत ए और श्रीलंका ए के बीच ट्राई सीरीज का फाइनल मुकाबला रंगिरी दांबुला अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेला जा रहा है। वैभव सूर्यवंशी ने खिताबी मुकाबले में शानदार बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 29 गेंदों पर 94 रनों की तूफानी पारी खेली। वैभव ने अपना अर्धशतक सिर्फ 11 गेंदों में पूरा किया। इस तूफानी पारी के साथ ही वैभव ने लिस्ट ए क्रिकेट में वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है।

वैभव ने लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। वैभव ने 29 गेंदों की अपनी पारी में 324 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 10 चौके और 8 गगनचुंबी छक्के लगाए। वैभव ने कौशल्या वीररत्ने के रिकॉर्ड को तोड़ा। कौशल्या ने साल 2005-06 में 12 गेंदों में अर्धशतक लगाया था। वहीं, भारत की ओर से लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड सरफराज खान के नाम दर्ज था, जिन्होंने विजय हजारे टूर्नामेंट में 15 गेंदों में अर्धशतक लगाया था। वैभव ने सरफराज के इस रिकॉर्ड को भी ध्वस्त कर दिया है।

वैभव भले ही अपने शतक से चूक गए, लेकिन उन्होंने भारतीय टीम को फाइनल में विस्फोटक शुरुआत दिलाई। वैभव ने प्रियांश आर्या के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए सिर्फ 8.5 ओवर में 132 रन जोड़े। वैभव की आतिशी पारी के दम पर भारतीय टीम ने 100 रनों का आंकड़ा सिर्फ 6.3 ओवर में पार किया। 15 वर्षीय बल्लेबाज के आगे श्रीलंका ए के गेंदबाज पूरी तरह से बेबस दिखाई दिए। ट्राई सीरीज में अब तक रनों के लिए जूझते नजर आए वैभव ने फाइनल मैच में बल्ले से जमकर धमाल मचाया।

वैभव ने पारी के दूसरे ओवर में श्रीलंका के गेंदबाज शिराज के खिलाफ तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए तीन छक्के और दो चौकों की मदद से 26 रन बटोरे। वैभव ने अब तक कुल 12 लिस्ट एक मुकाबले खेले हैं और उनका प्रदर्शन दमदार रहा है। लिस्ट ए क्रिकेट में वैभव ने साल 2024 में अपना डेब्यू किया था। वह लिस्ट ए क्रिकेट में बिहार के लिए 190 रनों की शानदार पारी भी खेल चुके हैं।

मुंबई में सांसद अनुराग ठाकुर और शायना एनसी ने किया योग, पीएम मोदी के प्रयासों को सराहा

विश्व केसरी

मुंबई। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर और शिवसेना नेता शायना एनसी ने मरीन ड्राइव पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित 'योगा बाय द बे' में भाग लिया। दोनों नेताओं ने योग को एक वैश्विक आंदोलन बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों की सराहना की।

अनुराग ठाकुर ने इस मौके पर मीडिया से बातचीत में कहा, 'सबसे पहले, मैं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सभी भारतीयों को बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 21 जून 2014 को अपनी कोशिशों से दुनिया भर के देशों से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने की मंजूरी हासिल की। ??लोगों ने इसे पूरे दिल से अपनाया है। रोजमर्रा के तनाव से मुक्ति और स्वस्थ जीवन के लिए योग बहुत जरूरी है। जिन्होंने योग को अपनाया है, वह स्वस्थ और लंबा जीवन जी रहे हैं। योग शरीर, मन और आत्मा को जोड़ने का काम करता है।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि पश्चिम बंगाल को बेड़ियों से आजाद कराया गया है। इस बयान पर अनुराग ठाकुर ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह बहुत जरूरी है।

बंगाल को उस विकास से दूर रखा गया, जिसकी उसे असल में जरूरत थी, क्योंकि पिछली सरकारों ने उसे पीछे रोके रखा और आगे नहीं बढ़ने दिया।

फीफा वर्ल्ड कप: जर्मनी ने कोटे डी आइवर को 2-1 से हराया, नॉकआउट स्टेज में बनाई जगह

विश्व केसरी

टोरंटो। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप-ई मुकाबले में जर्मनी ने शानदार वापसी करते हुए कोटे डी आइवर को 2-1 से हराया। टीम की इस जीत के हीरो डेनिज उन्दाव रहे, जिन्होंने दो गोल दागे।

कोटे डी आइवर के खिलाफ मिली रोमांचक जीत के साथ ही जर्मनी ने राउंड ऑफ 32 में अपनी जगह पक्की कर ली है। यह मुकाबला शुरुआत से लेकर अंत तक बेहद रोमांचक रहा। मुकाबले के शुरुआती मिनटों में ही काई हैवर्ट्ज के पास गोल करने का शानदार मौका था, लेकिन उनका हेडर क्रॉसबार के ऊपर से निकल गया।

इसके बाद जोशुआ किमिच ने एक बेहतरीन क्रॉस दिया, जिस पर हैवर्ट्ज ने फिर कोशिश की, लेकिन कोटे डी आइवर के गोलकीपर याहिया फोफाना ने शानदार बचाव किया। जर्मनी को एक और मौका कॉर्नर किक पर मिला, जब एलेक्जेंडर पावलोविच ने हेडर से गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दी। हालांकि, रेफरी ने फाउल का फैसला देते हुए गोल को अमान्य करार दिया।

दूसरी ओर, कोटे डी आइवर ने भी जवाबी हमले जारी रखे। यान डियोमांडे ने बाईं ओर से तेजी से एक लो क्रॉस दिया जो अमाद डियालो के पैरों पर गिरा।

हालांकि, नैथेनियल ब्राउन इस शॉट को ब्लॉक करने में सफल रहे, लेकिन वह केसी को रिबाउंड पर गोल करने से नहीं रोक सके। इस गोल के साथ ही कोटे डी आइवर ने मैच में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली।

दूसरे हाफ में भी अफ्रीकी टीम ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन जर्मनी के कोच जूलियन नेगल्समैन ने समय रहते बदलाव किए। उन्होंने लगभग एक घंटे के खेल के बाद नदीम अमीरी और डेनिज उन्दाव को मैदान पर उतारा। यह फैसला मैच का टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ। सबस्टिट्यूट खिलाड़ी के तौर पर उतारे गए डेनिज उन्दाव ने दो गोल करते हुए मैच का पासा पलटा। उन्दाव को जब मैदान पर उतारा गया, तो कोटे डी आइवर 1-0 से आगे था। हालांकि, आठ मिनट के अंदर उन्दाव ने पहला गोल दागते हुए स्कोर को 1-1 से बराबर किया।

कोटे डी आइवर के पास भी दोबारा बढ़त हासिल करने का शानदार मौका था। निकोलस पेपे और साइमन एडिंगरा ने एक अच्छा हमला बनाया, लेकिन वह अंतिम क्षणों में गेंद पर नियंत्रण नहीं रख सके और मौका हाथ से निकल गया। मैच जब ड्रॉ की ओर बढ़ता दिख रहा था, तभी स्टॉपेज टाइम में जर्मनी के लिए उन्दाव ने निर्णायक गोल किया। लुकास नेमेचा ने उन्दाव को शानदार पास दिया। उन्दाव ने गेंद को नियंत्रित करते हुए बेहतरीन फिनिश किया और जर्मनी की जीत पक्की कर दी। उन्दाव के लिए यह प्रदर्शन खास रहा, क्योंकि जर्मनी के लिए उनके पिछले 8 मैचों में यह 9वां गोल रहा।

दूसरा टेस्ट: मैट हेनरी ने चटकाए कुल 11 विकेट, न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को हराया, सीरीज में बराबरी

विश्व केसरी

लंदन। न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच को 253 रन से अपने नाम किया। कीवी टीम की जीत में तेज गेंदबाज मैट हेनरी का अहम योगदान रहा, जिन्होंने कुल 11 विकेट हासिल किए। इसी के साथ मेहमान टीम ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली है।

केनिंग्टन ओवल में खेले गए मुकाबले में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम पहली पारी में सिर्फ 391 रन पर सिमट गई। इस पारी में ग्लेन फिलिप्स ने 18 चौकों के साथ 100 रन की पारी खेली, जबकि टॉम ब्लंडेल ने 51 रन बनाए। डेरिल मिचेल ने 44 रन और काइल जेमीसन ने 41 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। मेजबान टीम की तरफ से जैकब बेथेल ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए।

इसके जवाब में इंग्लिश टीम अपनी पहली पारी में सिर्फ 291 रन पर सिमट गई।

इस पारी में एमिलियो ने 53 रन बनाए, जबकि मैथ्यू फिशर ने नाबाद 50 रन की पारी खेली। कप्तान जो रूट ने 46 रन इंग्लैंड के खाते में जोड़े। मेहमान टीम की तरफ से मैट हेनरी ने सर्वाधिक 5 विकेट हासिल किए।

न्यूजीलैंड के पास पहली पारी के आधार पर 100 रन की बढ़त थी। इस टीम ने दूसरी पारी में 362 रन बनाए और इंग्लैंड के सामने रनों का पहाड़ लगा दिया। इस पारी में कीवी टीम के लिए हेनरी निकोल्स ने 121 रन की पारी खेली। इनके अलावा, रचिन रवींद्र ने 76 रन बनाए। डेरिल मिचेल ने 68 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। इंग्लैंड की तरफ से जोफ्रा आर्चर और मैथ्यू फिशर ने 3-3 विकेट हासिल किए।

इंग्लैंड को जीत के लिए 463 रन का विशाल टारगेट मिला। इसके जवाब में इंग्लैंड की टीम अपनी दूसरी पारी में सिर्फ 209 रन पर सिमट गई। इस टीम ने 40 के स्कोर तक 3 विकेट खो दिए थे। यहां से हैरी ब्रूक ने कप्तान जो रूट के साथ चौथे विकेट के लिए 97 रन जोड़कर टीम को संभालने की कोशिश की।

अभय-वेलावन ने लगातार तीसरी बार एशियन डबल्स स्क्वैश खिताब पर कब्जा किया

विश्व केसरी

सारावाक (मलेशिया)। एशियन डबल्स स्क्वैश चैंपियनशिप में रविवार को भारत के अभय सिंह और वेलावन सेंथिलकुमार ने लगातार तीसरे साल पुरुषों का खिताब जीता। इस चैंपियनशिप में भारत ने तीनों कैटेगरी में मेडल जीते। टॉप सीड अभय और वेलावन ने पिछले साल के फाइनल की तरह ही पाकिस्तान के दूसरे सीड नासिर इकबाल और नूर जमान को 7-11, 11-7, 11-2 से मात देकर कॉन्टिनेंटल टूर्नामेंट में अपना दबदबा बनाए रखा। यह मुकाबला 47 मिनट तक चला।

धीमी शुरुआत के बाद, अभय और वेलावन ने दूसरे गेम में अपना खेल बेहतर करते हुए अटैकिंग स्क्वैश, बेहतरीन टच और कंट्रोल के साथ कोर्ट के आगे और पीछे के कोनों में मौके बनाए और शानदार तरीके से जीत हासिल की।

भारतीय जोड़ी ने दो शानदार प्रदर्शन करते हुए रविवार को पाकिस्तान की दूसरी सीड जोड़ी के खिलाफ फाइनल में अपनी जगह पक्की की थी। इस जोड़ी ने पहले कड़े क्वार्टर फाइनल में जापान के नाओकी हयाशी और रेन माकिनो को 11-3, 10-12, 11-5 से शिकस्त दी और फिर सेमीफाइनल में मलेशिया के संजय जीवा और डंकन ली को 11-7, 11-9 से हराया। विमेंस डबल्स में दूसरी सीड जोशना चिनप्पा-राधिका सीलन, और जोशना-वेलावन की मिक्स्ड जोड़ी ने सेमीफाइनल तक पहुंचने के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।

दूसरी सीड जोशना और राधिका मलेशिया की टॉप सीड आइना अमानी और यी शिन यिंग से आगे नहीं निकल पाईं और 9-11, 7-11 से हारकर ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा।

मिक्स्ड डबल्स में, जोशना और वेलावन ने मलेशिया की आइना अमानी और मोहम्मद कमाल को कड़ी टक्कर दी, लेकिन एक कड़े सेमीफाइनल मुकाबले में 8-11, 11-8, 8-11 से हार गए और तीसरे स्थान पर रहे।

भारत की मेंस डबल्स जोड़ी राहुल बैथा और सूरज चंद पूल-बी में अपनी दूसरी हार के बाद आगे नहीं बढ़ सके, उन्हें पाकिस्तान के नासिर इकबाल और नूर जमान से हार का सामना करना पड़ा।

फीफा वर्ल्ड कप: स्वीडन को 5-1 से रौंदकर पहले स्थान पर पहुंचा नीदरलैंड्स

विश्व केसरी

ह्यूस्टन। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में ग्रुप एफ के मुकाबले में नीदरलैंड्स ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए स्वीडन को 5-1 से रौंदा। इस जीत के साथ ही नीदरलैंड्स ने ग्रुप में पहला स्थान भी हासिल कर लिया है।

नीदरलैंड्स ने नॉकआउट स्टेज में पहुंचने की अपनी दावेदारी को मजबूत कर लिया है। नीदरलैंड्स की तरफ से इस मुकाबले में ब्रायन ब्रॉबी और कोडी गैकपो दोनों ने दो-दो गोल किए। मैच की शुरुआत से ही नीदरलैंड्स आक्रामक अंदाज में खेलता नजर आया। टीम ने पांचवें मिनट में ही पहला गोल कर बढ़त बना ली।

कोडी गैकपो के शानदार पास पर ब्रायन ब्रॉबी ने गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचाकर टीम का खाता खोला। इसके बाद 17वें मिनट में ब्रॉबी ने नीदरलैंड्स की बढ़त को दोगुना कर दिया। डेनजेल डमफ्रीज के लो क्रॉस को उन्होंने करीब से गोल में तब्दील करते हुए टीम की बढ़त को 2-0 कर दिया। स्वीडन ने वापसी का प्रयास किया, लेकिन पहले हाफ में वह नीदरलैंड्स के डिफेंस को भेदने में पूरी तरह से नाकाम रहे।

दूसरे हाफ की शुरुआत में ही नीदरलैंड्स ने मुकाबले पर पूरी तरह पकड़ बना ली। 47वें मिनट में कोडी गैकपो ने शानदार फिनिश के साथ टीम के लिए तीसरा गोल किया। इसके सिर्फ सात मिनट बाद उन्होंने अपना दूसरा गोल भी दागा और नीदरलैंड्स की लीड को 4-0 कर दिया। गैकपो ने अंदर की ओर कट करते हुए जोरदार शॉट लगाया, जिसे स्वीडिश गोलकीपर रोकने में नाकाम रहे।

स्वीडन के लिए मैच का पहला गोल 59वें मिनट में आया। सबस्टीट्यूट खिलाड़ी के तौर पर आए एंथनी एलंगा ने शानदार गोल करते हुए अंतर को कम करने का प्रयास किया। हालांकि, इसके बाद नीदरलैंड्स के डिफेंस ने स्वीडन को गोल करने का कोई और मौका नहीं दिया। मैच के अंतिम मिनटों में भी नीदरलैंड्स का दबदबा जारी रहा। 89वें मिनट में क्राइसेंसियो समरविले ने शानदार गोल कर टीम की जीत पर मुहर लगा दी। 5-1 की धमाकेदार जीत के साथ ही नीदरलैंड्स के अब 2 मुकाबलों में 4 प्वाइंट्स हो गए हैं।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415